THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 57 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.12 2080 मंगलवार, 16 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

सिद्धारमैया सीएम रेस में आगे

डीके समेत तीन डिप्टी सीएम, चार कम्युनिटी को साधने की कोशिश

बेंगलुरू, 15 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में सरकार बनने का फॉर्मूला लगभग तय हो गया है। कुरुबा कम्युनिटी से आने वाले सिद्धारमैया को सीएम बनाया जा सकता है। उनके अंडर में तीन डिप्टी सीएम हो सकते हैं। ये तीनों अलग-अलग कम्युनिटी के होंगे। इनमें वोक्कालिगा कम्युनिटी से आने वाले डीके शिवकुमार, लिंगायत कम्युनिटी से आने वाले एमबी पाटिल और नायक/वाल्मिकी समुदाय के सतीश जारकीहोली शामिल हैं।

कर्नाटक में कुरुबा आबादी 7 प्रतिशत, लिंगायत 16 प्रतिशत, वोक्कालिगा 11 प्रतिशत, एससी/एसटी करीब 27 प्रतिशत हैं, यानी कांग्रेस इस फैसले से 61 प्रतिशत आबादी को साधना चाहती है। हालांकि कांग्रेस संगठन से जुड़े लोगों ने डीके शिवकुमार की ऑर्गेनाइजेशनल स्किल को देखते हुए उन्हें सीएम बनाने की वकालत की है। ये तर्क दिया जा रहा है कि सिद्धारमैया विपक्ष के नेता और सीएम दोनों ही रह चुके हैं। उनकी उम्र भी ज्यादा है, इसलिए डीके शिवकुमार को सीएम बनाया जाना चाहिए।

टॉप सोर्सेज के मुताबिक, आज सीएम का नाम तय होने की उम्मीद है। उन्होंने ये भी कहा कि पब्लिक ओपिनियन डीके शिवकुमार के पक्ष में है, लेकिन ज्यादातर विधायकों का सपोर्ट सिद्धारमैया के साथ है। कांग्रेस हाईकमान इस विकल्प के बारे में भी सोच रहा है कि डीके शिवकुमार को 2024 के लोकसभा

डीके शिवकुमार ने दिल्ली जाने से किया इनकार

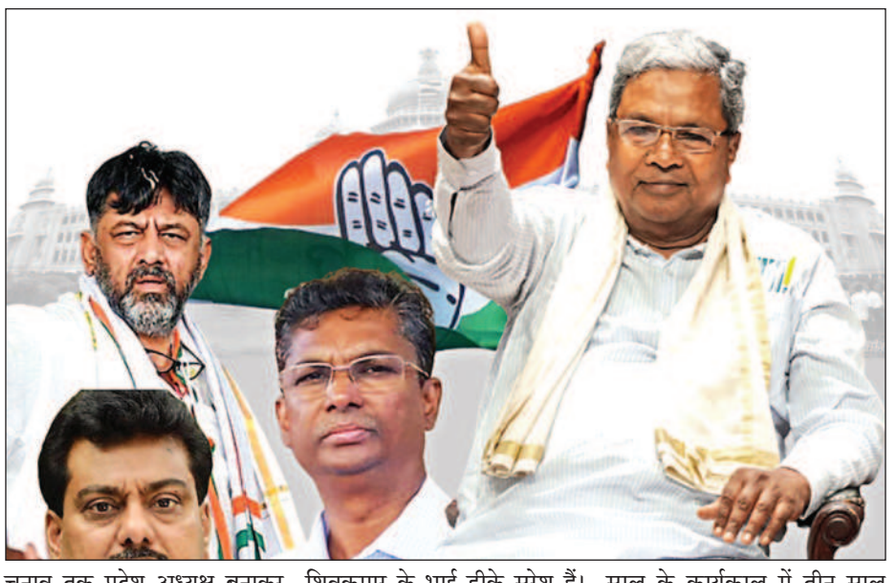

चुनाव तक प्रदेश अध्यक्ष बनाकर रखा जाए। ताकि जिस तरह उन्होंने विधानसभा चुनाव को मैनेज किया है, उसी तरह लोकसभा चुनाव में भी पार्टी बड़ी जीत हासिल कर सके। हालांकि, उन्हें डिप्टी सीएम बनाए जाने की संभावना ज्यादा है।

हाईकमान ने सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार सहित इन दोनों गुटों से जुड़े कुछ विधायकों को दिल्ली बुलाया है। हाईकमान की पूरी प्लानिंग लोकसभा चुनाव को देखते हुए है। अभी कर्नाटक में लोकसभा की 28 में से सिर्फ एक सीट पर कांग्रेस का सांसद है, जो डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश हैं। उन्होंने बेंगलुरु रूरल सीट से चुनाव जीता था। अब बड़े मार्जिन से मिली जीत के बाद कांग्रेस चाहती है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में 28 में से कम से कम 20 सीटें पार्टी के खाते में आएं। इसलिए अभी सरकार अलग-अलग कम्युनिटी के वोटबैंक को ध्यान में रखते हुए बनाने की कोशिश है।

3 साल बाद डीके सीएम बन सकते हैं

कांग्रेस से जुड़े एक सीनियर लीडर के मुताबिक, सरकार के 5 साल के कार्यकाल में तीन साल सिद्धारमैया और आखिरी के दो साल डीके शिवकुमार को सीएम बनाया जा सकता है। सिद्धारमैया कुरुबा कम्युनिटी से आते हैं और पिछड़ी जातियों के बीच उनकी मजबूत पकड़ है। कांग्रेस इसी का फायदा लोकसभा चुनाव में उठाना चाहती है। वहीं, डीके शिवकुमार को डिप्टी सीएम बनाकर वोक्कालिगा और एमबी पाटिल के जरिए लिंगायतों को साधने की तैयारी है। लिंगायत के प्रमुख मठ से जुड़े महंत भी कह चुके हैं कि कांग्रेस को लिंगायत कम्युनिटी से एक डिप्टी सीएम जरूर बनाना चाहिए। हालांकि सूत्र बताते हैं कि विधायक दल की बैठक में डीके शिवकुमार ने दो सीएम के फॉर्मूले से असहमति जताई। उनका कहना है कि हम दूसरे राज्यों में देख चुके हैं कि ये फॉर्मूला काम नहीं करता।

करप्शन के आरोपों की वजह से डीके पिछड़े

करप्शन के केस होने की वजह से कांग्रेस डीके शिवकुमार को सीएम बनाने से हिचकिचा रही है। केंद्र सरकार ने जिन प्रवीण सूद को सीबीआई का नया डायरेक्टर बनाया है, वे अब तक कर्नाटक पुलिस के डीजीपी थे। उनकी और डीके शिवकुमार की बिल्कुल नहीं पटती। डीके ने उन्हें नालायक तक कह दिया था। कहा था कि सरकार में आने के बाद उन पर कार्रवाई की जाएगी।

ऐसे में यदि डीके को सीएम बनाया जाता है तो करप्शन का मामला हाईलाइट होगा। ऐसा होने पर कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में नुकसान हो सकता है। सिद्धारमैया को सीएम पद की रेस में इसलिए भी आगे बताया जा रहा है, क्योंकि उनकी पकड़ पिछड़ों के साथ ही दलित और मुसलमानों में भी है। राज्य के हर तबके में उनका प्रभाव है। डीके शिवकुमार ओल्ड मैसूर रीजन में ही पॉपुलर हैं, बाकी जगह उनकी पकड़ सिद्धारमैया के मुकाबले थोड़ी कम है।

चुनाव से पहले डीके की याचिका खारिज हुई

डीके शिवकुमार के खिलाफ 2019 में जांच शुरू हुई थी। >14

जम्मू मेडिकल कॉलेज में द केरला स्टोरी को लेकर मारपीट

एक स्टूडेंट घायल, महबूबा बोलीं-केंद्र सरकार भड़काने वाली फिल्मों को बढ़ावा दे रही

जम्मू, 15 मई (एजेंसियां)। जम्मू मेडिकल कॉलेज के होस्टल में रविवार रात स्टूडेंट्स में फिल्म द केरला स्टोरी देखने को लेकर मारपीट हो गई। दोषियों को सख्त सजा की मांग करते हुए सोमवार को फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स ने प्रदर्शन किया। जम्मू के राजकीय मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में रविवार रात फिल्म द केरल स्टोरी को लेकर स्टूडेंट्स के दो गुटों में मारपीट हो गई। इसमें फाइनल ईयर का एक स्टूडेंट घायल हुआ है। इसके विरोध में सोमवार को स्टूडेंट्स ने प्रदर्शन किया।

बताया जा रहा है कि जीएमसी के बॉयज होस्टल में फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स के ऑनलाइन स्टडी ग्रुप में फिल्म देखने को लेकर कुछ कहा-सुनी हुई। विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट हो गई। बीच-बचाव करने आए फाइनल ईयर के स्टूडेंट के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया गया। उसे 12 टांके आए हैं। उसका आरोप है कि हमला करने वालों में कुछ बाहर के स्टूडेंट्स भी थे। मारपीट के आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग को लेकर सोमवार को कॉलेज कैंपस में फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स ने प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि मामूली बात को तूल देकर उनके साथ हाथापाई की गई है।

कैंपस में बाहर से स्टूडेंट्स को बुलाया गया। मारपीट करने के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि स्टूडेंट्स के साथ ऐसा फिर न हो। एसएसपी जम्मू चंदन कोहली ने कहा कि जीएमसी जम्मू के बॉयज हॉस्टल में कुछ स्टूडेंट्स और बाहरी लोगों के बीच हाथापाई हुई है। मामले में जांच की जा रही है।

इस मामले को लेकर पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि केंद्र सरकार हिंसा और सांप्रदायिक आग भड़काने वाली फिल्मों को प्रोत्साहित कर रही है और उन्हें बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि अपने छोटे चुनावी लाभ के लिए भाजपा बेगुनाहों का खून बहा रही है। महबूबा ने कहा, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से अनुरोध है कि वे जीएमसी हिंसा मामले में एक्शन लें और दोषियों को सजा दिलाएं।

असम राइफल्स ने भारत-म्यांमार बॉर्डर से 96 लोगों को एयरलिफ्ट किया

मणिपुर, 15 मई (एजेंसियां)। असम राइफल्स ने सोमवार को भारत-म्यांमार सीमा के पास मणिपुर के चंदेल जिले में फंसे 96 लोगों को एयरलिफ्ट किया है। ये लोग मणिपुर में हिंसा की वजह से 4 मई से यहां फंसे थे। अभी रेस्क्यू किए गए सभी 96 लोगों को असम राइफल्स के कैंप में रखा गया है। गुवाहाटी के डिफेंस पीआरओ ने यह जानकारी शेयर की है।

फिल्म द केरल स्टोरी पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। फिल्म 'द केरल स्टोरी' की रिलीज पर रोक लगाने वाली याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कोर्ट में याचिकाकर्ता कुर्बान अली का पक्ष रखते हुए कहा कि केरल हाईकोर्ट के बाद मद्रास हाईकोर्ट ने भी उनकी याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट अब इस मामले में आज यानी मंगलवार को सुनवाई करेगा। कुर्बान अली पेशे से पत्रकार हैं, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर फिल्म की रिलीज रोकने की मांग की थी। वहीं, जमीयत उलेमा ए हिंद भी यही अपील लेकर कोर्ट पहुंचा है। बता दें कि 5 मई को केरल हाईकोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई के लिए 15 मई की तारीख तय की थी। केरल हाईकोर्ट से झटका मिलने के बाद फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। याचिकाकर्ताओं की ओर से कोर्ट में सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल पेश हुए। उन्होंने सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच से मामले की तत्काल सुनवाई करने की अपील की।

जम्मू-कश्मीर में एनआईए की रेड

पुलवामा, श्रीनगर, अनंतनाग सहित 13 जगह सर्चिंग

श्रीनगर, 15 मई (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को आतंकी साजिश केस में जम्मू-कश्मीर के पांच जिलों में 13 जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया, खबर मिली थी कि आतंकी संगठन और उनके ओवरग्राउंड वर्कर्स पाकिस्तानी कमांडरों के इशारे पर नाम बदलकर काम कर रहे हैं। जिसके बाद हमने यह ऑपरेशन शुरू किया। एनआईए के सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में एक्टिव कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी की गई। बडगाम, शोपियां, पुलवामा, श्रीनगर और अनंतनाग जिलों में अभी भी छापेमारी जारी है।

6 दिन पहले 7 जिलों में सर्चिंग हुई थी :

9 मई (6 दिन पहले) को एनआईए ने टेरर फंडिंग और पाकिस्तान से होने वाली आतंकी साजिश को लेकर जम्मू कश्मीर के 7 जिलों में छापेमारी की थी। जिन जगहों पर तलाशी ली गई, वे लश्कर-ए-तैयबा, जैश ए मोहम्मद, रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) सहित 8 आतंकी संगठनों से जुड़े हुए थे। एनआईए के मुताबिक, इन संगठनों से जुड़े कैडर्स घाटी में स्टिकी बम, आईईडी, नकदी, नशे का सामान और छोटे हथियारों को इकट्ठा करने और बांटने का काम करते थे। इन्हें इन हथियारों की सप्लाई सीमा पार से ड्रोन के जरिए की जाती थी। जांच एजेंसी ने यह रेड राजौरी में आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ के 4 दिन बाद की थी। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में कई प्रतिबंधित संगठन और उनसे जुड़े लोग एक्टिव हैं। वे यहां नाम बदलकर रहते हैं और पाकिस्तानी कमांडरों के इशारों पर काम करते हैं। ये जम्मू-कश्मीर में साइबर स्पेस का इस्तेमाल कर आतंकवादी हमले करते हैं। अल्पसंख्यकों और सुरक्षाकर्मियों को निशाना बनाने हैं। इसके साथ ही सामाजिक शांति भंग करने जैसी घटनाओं में शामिल रहते हैं।

20 अप्रैल को आर्मी ट्रक पर आतंकी हमला हुआ, 5 जवान शहीद :

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में 20 मई को सेना के ट्रक पर आतंकियों ने फायरिंग की थी। इसके बाद ट्रक में आग लग गई, जिसमें झुलसकर 5 जवान शहीद हो गए। शहीदों की पहचान लांस नायक देबाशीष बसवाल, लांस नायक कुलवंत सिंह, सिपाही हरकिशन सिंह, सिपाही सेवक सिंह और हवलदार मनदीप सिंह के रूप में हुई। एनआईए इस मामले की जांच कर रही है।

मेघालय में फिर पैर पसार रहा उग्रवाद

ट्रेनिंग के लिए युवाओं को म्यांमार भेजने की कोशिश

शिलोंग, 15 मई (एजेंसियां)। प्रतिबंधित गारो नेशनल लिबरेशन आर्मी (जीएनएलए) एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई है। बताया जा रहा है कि यह संगठन फिर से खड़े होने के लिए मेघालय के युवाओं को निशाना बना रहा है। अधिकारियों ने सोमवार को जानकारी दी कि जीएनएलए मेघालय के पश्चिमी गारो हिल्स क्षेत्र के युवाओं को गुरिल्ला युद्ध प्रशिक्षण के लिए म्यांमार भेजने की कोशिश कर रहा है। अधिकारी का कहना है कि राज्य प्रशासन इनके प्रयासों को विफल करने के लिए लगातार कदम उठा रहा है। इसके लिए वह प्रतिबंधित संगठन के आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों की गतिविधियों की निगरानी भी कर रहा है।

खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने का आग्रह :

गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें खबर मिली है कि जीएनएलए फिर से संगठित हो रहा है। इसे लेकर कई युवाओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें गुरिल्ला युद्ध प्रशिक्षण के लिए म्यांमार भेजने की कोशिश की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि हाल ही में एक विशेष शाखा के डिप्टी एसपी ने मेघालय के सभी पुलिस थानों में अधिकारियों से संगठन के पूर्व सदस्यों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने का आग्रह किया था। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि राज्य पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वह उग्रवाद विरोधी अभियान चलाएं और संगठन पर छापेमारी की कार्रवाई करें। अधिकारी ने यह भी जानकारी दी कि प्रतिबंधित संगठन में युवाओं को शामिल करने के लिए शाहलंग, जदी और नोंगलबिब्रा क्षेत्रों में बैठकें की जा रही हैं।

ममता का पहले तकरार, अब इकरार

> कर्नाटक जीत के बाद कांग्रेस को लेकर बदला रुख
> विपक्षी एकता को लेकर बड़ा बयान

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस की कर्नाटक चुनाव में अप्रत्याशित जीत ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का रुख बदल दिया है। पहले उनकी तरफ से कहा गया था कि वे 2024 में अकेले ही जाने वाली हैं और कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। लेकिन अब ममता का कहना है कि जहां कांग्रेस मजबूत होगी, वहां उसे समर्थन दिया जाएगा। ममता बनर्जी का ये बयान उस समय आया है जब कर्नाटक चुनाव की जीत के बाद पार्टी शपथ ग्रहण समारोह में विपक्ष के कई बड़े नेताओं को बुलाने की तैयारी कर रही है।

सीएम ममता बनर्जी ने अपने बयान में कहा है कि जहां भी कांग्रेस मजबूत होगी, उसे वहां जरूर समर्थन दिया जाएगा। लेकिन कांग्रेस पार्टी को ही दूसरे दलों की स्थिति को समझना होगा। ऐसा नहीं हो सकता कि हम समर्थन करते रहें, फिर हमारे ही खिलाफ मुकाबला किया जाए। कुछ ना कुछ बलिदान तो देना ही होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी पूरा प्लान बता दिया है जिसके दम पर बीजेपी के खिलाफ विपक्षी एकता तैयार की जा सकती है।

ममता ने फॉर्मूला दिया है कि जिस राज्य में जो पार्टी मजबूत है, उसे ही बीजेपी से मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आप, बिहार में नीतीश, और दूसरे राज्यों में जो क्षेत्रीय पार्टी मजबूत है, उसे ही बीजेपी के खिलाफ चुनाव लड़ने का मौका मिलना चाहिए। बस सभी पार्टियों को एक दूसरे का समर्थन देना होगा। ममता का बयान बताने के लिए काफी है कि वे किसी भी एक पार्टी का दबदबा नहीं चाहती हैं। अभी तक कांग्रेस जिस तरह से आगे से लीड कर रही थी, ममता को ये स्वीकार नहीं है। वे सभी दलों के लिए समान प्लेइंगि फील्ड चाहती हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को कोर्ट का नोटिस

100 करोड़ के मानहानि केस में 10 जुलाई को पेशी, बजरंग दल को देश विरोधी बताया था

चंडीगढ़, 15 मई (एजेंसियां)। सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है... इस बयान से जुड़े मानहानि केस में राहुल गांधी लोकसभा की सदस्यता गंवा चुके हैं। राहुल के बाद अब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी बजरंग दल को देश विरोधी ताकतों जैसा बताने पर मानहानि के एक ऐसे ही मामले में घिर गए हैं।पंजाब की संगरूर कोर्ट ने सोमवार को उन्हें 100 करोड़ के मानहानि केस में समन जारी किया है। संगरूर की सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रमनदीप कौर की कोर्ट ने खड़गे को 10 जुलाई को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। खड़गे पर यह कार्रवाई हिंदू सुरक्षा परिषद और बजरंग दल हिंद के फाउंडर हितेश भारद्वाज की याचिका के बाद हुई है।

याचिकाकर्ता का आरोप, बजरंग दल की तुलना पीएफआई से की :

कोर्ट में दायर पिटीशन में हितेश भारद्वाज ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने बजरंग दल की तुलना देश विरोधी ताकतों से की। हितेश के मुताबिक खड़गे ने कहा था कि जब भी कांग्रेस की सरकार आती है तो बजरंग दल और इस जैसे दूसरे देश विरोधी संगठन समाज में नफरत फैलाते हैं। भारद्वाज ने कहा, जब मैंने देखा कि घोषणापत्र के पेज नंबर 10 पर कांग्रेस ने बजरंग दल की तुलना देशद्रोही संगठनों से की है और चुनाव जीतने पर इसे प्रतिबंधित करने का वादा किया है। इसके बाद मैंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

कांग्रेस के कर्नाटक मेनिफेस्टो में बजरंग दल पर बैन का वादा :

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से 7 दिन पहले 2 मई को कांग्रेस पार्टी ने अपना मेनिफेस्टो रिलीज किया था। इसमें पीएफआई और बजरंग दल जैसे संगठनों पर बैन लगाने का वादा किया था। कांग्रेस के वादे को लेकर बजरंग दल ने देशभर में प्रदर्शन किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मुद्दे का जिक्र अभी सभाओं और रैलियों में किया था। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बजरंग बली का मुद्दा खूब जोर-शोर से उठा। कांग्रेस ने मेनिफेस्टो में बजरंग दल को बैन करने का वादा कर दिया।

बजरंग दल के विवाद के बीच कर्नाटक में कांग्रेस जीत गई। मगर, बजरंग दल को बदनाम करने को लेकर मामला कोर्ट पहुंच गया। वीएचपी की चंडीगढ़ यूनिट ने भी कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को लीगल नोटिस भेजकर मानहानि के एवज में 100 करोड़ देने को कहा था। कांग्रेस मेनिफेस्टो में बजरंग दल पर बैन के वादे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी खूब तंज किया था। उन्होंने 2 मई को विजयनगर की रैली में कहा, हनुमान जी की इस पवित्र भूमि को नमन करना मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है और दुर्भाग्य देखिए, मैं आज जब यहां हनुमान जी को नमन करने आया हूं उसी समय कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है। पहले श्री राम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है।

'आप हमेशा एक ही उत्पाद नहीं बेच सकते'

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोमवार को कर्नाटक चुनाव में हार के लिए भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कर्नाटक चुनाव से जो सीख मिली है वो ये है कि आप हमेशा एक ही उत्पाद नहीं बेच सकते। सिब्बल ने कहा कि आप हमेशा झूठ बोलकर और सांप्रदायिक कार्ड खेलकर भी चुनाव नहीं जीत सकते। बता दें कि हाल के दिनों में कपिल सिब्बल कई बार भाजपा की आलोचना कर चुके हैं।

कपिल सिब्बल ने कहा कि कर्नाटक चुनाव से क्या निष्कर्ष निकलता है, आप हमेशा एक ही उत्पाद नहीं बेच सकते। बार-बार एक ही झूठ नहीं बोल सकते और जहर नहीं उगल सकते। बार-बार अतीत को गाली देकर, भ्रष्ट सरकार के साथ जुड़कर आप दूसरों को भ्रष्ट नहीं कह सकते और हमेशा सांप्रदायिक कार्ड नहीं खेल सकते। इससे पहले रविवार को कपिल सिब्बल ने कांग्रेस से अपील की कि वह राज्य में अगले पांच सालों तक जनता का दिल जीतें और ईमानदारी और निष्पक्ष तरीके से काम करें।

बिहार से जलेगी हिंदू राष्ट्र की ज्वाला : धीरेंद्र शास्त्री

पटना में कहा, भारत में रहना होगा तो सीता-राम ही कहना होगा

पटना, 15 मई (एजेंसियां)। बाबा बागेश्वर के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने सोमवार को पटना के तरेत पाली मठ में दरबार लगाया। उन्होंने लोगों के नाम की पर्चियां भी निकाली। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हिंदू राष्ट्र की ज्वाला बिहार से जलेगी। आज विदेश के लोग भी सीता-राम कहते हैं। एक दिन ऐसा आएगा भारत में रहना होगा तो सीता-राम कहना ही होगा। उन्होंने मंच से सितंबर में फिर बिहार आने की घोषणा की। गया में 29 सितंबर को दरबार लगेगा। बाबा बागेश्वर ने कहा कि बिहार के लोग पिछड़े हुए नहीं हैं, वो भक्ति से भरे हैं। बिहार को समझना है तो यहां कुछ दिन गुजारना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे बाला जी ने हमें ये शक्ति दी है ताकि हम भगवान, संत को नहीं मानने वाले, उन्हें पाखंडी बताने वालों को करारा जवाब दे सकें।

एक दिन पहले बाबा ने दरबार कैंसिल करने की बात कही थी। रविवार को ज्यादा भीड़ के चलते उन्होंने इस कार्यक्रम को कैंसिल करने का फैसला लिया था, लेकिन आज अचानक से धीरेंद्र शास्त्री लोगों की समस्याएं सुनने पहुंच गए। इसी दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि बिहार में का बाबा। बिहार में बागेश्वर बाबा।

रविवार को 100 से ज्यादा भक्त गर्मी की वजह से बीमार पड़ गए थे। इसके बाद धीरेंद्र शास्त्री ने कथा 15 मिनट पहले खत्म कर दी थी। उन्होंने कहा था कि कल दिव्य दरबार है। कोई अनहोनी न हो जाए, इसकी मुझे शंका है। भीड़ और गर्मी ज्यादा है। इसे देखते हुए दिव्य

दरबार को विराम देना पड़ेगा। अगली बार जब आएंगे तो दिव्य दरबार लगाएंगे। उन्होंने कहा कि जो जहां हैं वहीं रहे। घर पर ही टीवी, यूट्यूब के माध्यम से कथा का श्रवण करें। कथा सबके कल्याण के लिए है।

कल अपील की थी- जो जहां है, वहीं से कथा सुने

रविवार को 4 लाख की भीड़ को देखते हुए सोमवार के दिव्य दरबार को कैंसिल करने की घोषणा की गई थी। रविवार को कथा के दौरान करीब 100 लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी। जिसके बाद पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने खुद भक्तों से कथा में आने से मना किया था। लोगों से टीवी पर कथा सुनने का निवेदन किया था। इसके बावजूद भारी भीड़ तरेत पाली मठ में जुट चुकी है। आयोजक समिति का कहना है कि फिलहाल 6 लाख से ज्यादा भक्त मौजूद हैं। जिनके लिए 3 लाख स्क्वायर फीट में बना जर्मन पंडाल भी छोटा पड़ रहा है।

बिहार जब तक राममय नहीं हो जाता तब तक आते रहेंगे :

वहीं बिहार वासियों के उत्साह को देखकर बाबा ने उन्हें बिहार के पागलों का नाम दिया है। हनुमंत कथा के दौरान उन्होंने कई बार खुले मंच से बिहार के पागलों कहकर लोगों को संबोधित किया और उनकी जयकारा लगाने की भी बात कही। धीरेंद्र शास्त्री ने यहां तक कह डाला कि उन्होंने कई जगहों पर प्रवचन किया, लेकिन बिहार के लोगों में जिस तरह की भक्ति देखी, वैसी शायद कहीं नहीं देखी और ना कभी देखने को मिलेगी। भक्तों की उमड़ी भीड़ को देखते हुए बाबा ने कहा कि वह बिहार फिर आना चाहेंगे और जब तक राममय नहीं बन जाता, तब तक वे बिहार आते रहेंगे।

3 लाख स्क्वायर फीट का जर्मन पंडाल भी पड़ा छोटा :

पटना जिला प्रशासन ने भी इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं की थी, जितनी भीड़ बाबा के दर्शन और हनुमंत कथा सुनने के लिए उमड़ पड़ी। कार्यक्रम के दूसरे दिन रविवार को गर्मी और धूल-कण का परवाह किए बिना लोग बाबा के दर्शन और हनुमंत कथा वाचन को सुनने के लिए कथा स्थल पर पहुंचे। भीड़ इतनी उमड़ी कि 3 लाख स्क्वायर फीट का जर्मन पंडाल भी छोटा पड़ गया। लोगों की भीड़ को देखते हुए बाबा ने खुले मंच से कई बार लोगों से यह आग्रह किया कि आप यहां कार्यक्रम स्थल पर नहीं आए। उन्होंने कहा कथा का मतलब आनंद आना होता है।

सरकारी स्कूल में 15 बच्चियों के साथ गंदी हरकत

कंप्यूटर टीचर करता था बैड टच, ग्रामीण बोले- इस घिनौने काम में प्रिंसिपल ने भी दिया साथ

शाहजहांपुर, 15 मई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर का जूनियर हाई स्कूलजहां पर 15 नाबालिग छात्रों के साथ एक कंप्यूटर टीचर अश्लील हरकतें करता आ रहा था। आरोपी कम्प्यूटर टीचर मोहम्मद अली इस स्कूल में 3 साल से तैनात था। वो स्कूल के अंदर ही नहीं बल्कि गांव के बाहर भी महिलाओं से छेड़छाड़ करता था। जान बूझकर उनके सामने ऐसी हरकतें करता था जो देखने में खराब लगें। स्कूल के अंदर बच्चियों के साथ हो रही छेड़छाड़ में स्कूल का प्रधानाचार्य भी उसका साथ दे रहा था। नीरज मैम की वजह से हमारी बच्चियों की इज्जत बची है। उस आरोपी टीचर पर अब कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। ये कहना है शाहजहांपुर के तिलहर थाना क्षेत्र के एक गांव के ग्रामीणों का।

टॉयलेट के अंदर से टीचर का घटिया सामान मिला

बता दें, शाहजहांपुर से यौन शोषण का ये मामला शनिवार को सामने आया है। जब गांव के लोग स्कूल की एक टीचर नीरज मैम के कहने पर स्कूल में पहुंचे और उन लोगों ने स्कूल के टॉयलेट की तलाशी ली। टॉयलेट के अंदर से घटिया सामान मिलने के बाद गांव के लोगों ने आरोपी टीचर को पकड़ लिया और उसको जमकर मारा। पुलिस को भी मामले की सूचना दी गई।

ये आरोपी टीचर मोहम्मद अली है। जिसने 15 बच्चियों के साथ अश्लील हरकत की, उनको डराया-धमकाया। वहीं एक सहायक अध्यापिका और प्रधानाचार्य पर इस मामले को दबाने का आरोप भी लगा है। पुलिस ने प्रधानाचार्य समेत 3 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी कंप्यूटर टीचर गिरफ्तार हो गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

बच्चियों की हालत ठीक है, बस वो डरी हुई हैं

इस मामले में राजकीय मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डॉक्टर शैलेंद्र सिंह ने बताया कि बच्चियों का रविवार को ही मेडिकल करा दिया गया था। उनका एक्स-रे रह गया था। सोमवार को सभी बच्चियों का एक्स-रे कराया गया है। सभी की हालत अभी ठीक है। उनको उनके घर भेज दिया गया है। बच्चियां थोड़ा डरी हुई हैं।

अश्लील हरकत करने के बाद बच्चियों को धमकाता था

एसएसपी शाहजहांपुर एस. आनंद ने बताया कि आरोपी कम्प्यूटर टीचर मोहम्मद अली पर 10 से 12 साल की बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप है। यह बच्चियां अलग-अलग क्लास

में पढ़ती थी। आज मंगलवार को बच्चियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। वहीं, बच्चियों के परिजनों ने आरोप लगाया कि बच्चियों के साथ गलत काम करने के बाद उन्हें धमकाता भी था। किसी से कुछ भी बताने पर मारने की धमकी देता था।

कैसे सामने आया मामला...

स्कूल में पढ़ाने वाली एक सहायक अध्यापिका को दो-तीन दिनों से कुछ बच्चियों के व्यवहार में बदलाव दिखा। वह उदास और डरी-सहमी थीं। अध्यापिका ने शुक्रवार को उन्हें प्यार से बुलाकर पूछा तो उन्होंने रोते हुए कंप्यूटर टीचर की सारी करतूत बताई। बच्चियों ने सबसे पहले अपनी अध्यापिका से यौन शोषण के बारे में बताया। इसके बाद अध्यापिका ने जब कंप्यूटर टीचर पर नजर रखी तो उन्होंने भी उसे बैड टच करते पाया।

अध्यापिका ने बच्चियों के पैरेंट्स को मामले की सूचना दी। इसके बाद बच्चियों ने भी अपने माता-पिता को बताया। अध्यापिका ने शनिवार को परिजनों को स्कूल बुलाकर आरोपी टीचर मोहम्मद अली को पकड़वाया। सहायक अध्यापिका ने आरोप लगाया कि कंप्यूटर टीचर आए दिन बच्चियों के साथ ऐसी हरकत करता था।

बीएसए कुमार गौरव ने बताया, "स्कूल में बच्चियों के साथ अभद्रता करने का आरोप स्कूल में संविदा पर पढ़ा रहे टीचर पर लगा है। साथ ही पूरे मामले को दबाने का आरोप सहायक अध्यापिका शाजिया खान और प्रधानाचार्य अनिल कुमार पर लगा है। प्रधानाचार्य और सहायक अध्यापिका को सस्पेंड कर दिया गया है। टीचर की सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की जा रही है। जांच की जा रही है कि इस तरह की घटना जब प्रधानाचार्य और अन्य स्टाफ को पता चली, तो उसको क्यों दबाया गया? मामले को दबाने में जिनका रोल सामने आएगा, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने मामले पर कहा, जिसने भी ऐसा काम किया है उसके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। अगर अध्यापक इस प्रकार के मामले में शामिल होंगे तो उन्हें स्कूल से बाहर निकाला जाएगा।

तिलहर सीओ प्रयांश जैन ने बताया, स्कूल की एक सहायक अध्यापिका ने स्कूल के कंप्यूटर टीचर पर 15 बच्चियों के साथ अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया है। बच्चियों के बयान में इसकी पुष्टि हुई है। प्रधानाचार्य और एक सहायक अध्यापिका पर आरोपियों का साथ देने का आरोप लगा है।

तहरीर के आधार पर आरोपी कंप्यूटर टीचर मोहम्मद अली, सहायक अध्यापिक शाजिया खान और प्रधानाचार्य अनिल कुमार के खिलाफ धारा 354, पॉक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

बच्चियों को रविवार को मेडिकल के लिए भी भेजा गया है। एसपी देहात शाहजहांपुर संजीव बाजपेई ने कहा, शिक्षक मोहम्मद अली की उम्र 45 साल है। पीड़ित सभी छात्राओं के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

5 महीने के बच्चे की बॉडी बैग में लाया पिता : एंबुलेस वाले ने 8 हजार मांगे थे

कोलकाता, 15 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल का उत्तरी दिनाजपुर जिला। 22 दिन पहले यहां एक दलित लड़की की लाश सड़क पर घसीटते पुलिस वालों का वीडियो सामने आया था। यह जगह एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल, यहां के रायगंज सरकारी अस्पताल में 5 महीने के बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। पिता असीम देवशर्मा को डेड बॉडी 90 किलोमीटर दूर अपने गांव डांगीपारा ले जाना था।

जेब में पैसे नहीं थे। फिर भी एंबुलेंस वाले के पास गए और किराया पूछा। जवाब मिला- 8 हजार लगेंगे। असीम ने कहा- कम नहीं होगा। ड्राइवर ने इनकार कर दिया। असीम ने बच्चे की डेड बॉडी बैग में रखी और बस पकड़कर 25 किलोमीटर दूर कालियागंज पहुंचे। गांव यहां से 65 किलोमीटर दूर था। असीम गांव कैसे पहुंचे,

मेरे दो जुड़वां बच्चे थे। गुरुवार को अचानक दोनों की तबीयत खराब हो गई। इसके चलते उन्हें तुरंत कालियागंज स्टेट जनरल

अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने कहा कि इनकी हालत गंभीर है, इसलिए इन्हें रायगंज मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर रहे हैं। फिर बच्चों को वहां से रायगंज रेफर कर दिया गया।

यहां भी उनकी हालत ठीक नहीं हुई। मेरी पत्नी एक बच्चे को लेकर घर लौट गई। हमारे दूसरे बच्चे की हालत ज्यादा खराब होने के कारण उसका इलाज चल रहा था। शनिवार रात मेरे बच्चे की तबीयत और ज्यादा बिगड़ने लगी और उसकी मौत हो गई।

जब मैं बच्चे को घर ले जाने के लिए एंबुलेस वाले के पास गया तो उसने मुझसे 8 हजार रुपए मांगे। मेरे पास उतने पैसे नहीं थे। मैं पहले ही बच्चे के इलाज के लिए 16 हजार रुपए दे चुका था। मेरी स्थिति नहीं थी कि मैं उसे एंबुलेंस के लिए इतने पैसे दे सकूं। मैंने उससे पैसे कम करने को भी कहा लेकिन वह नहीं माना।

मैंने फैसला किया कि मैं बच्चे को बैग में रखकर ही ले जाऊंगा। मैंने बच्चे को बैग में रखा और अस्पताल से अपने घर जाने के लिए बस में बैठ गया। कालियागंज के विवेकानंद चौराहे पर पहुंचकर मैंने कुछ लोगों से मदद मांगी। उन्होंने मेरे लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की। इसके बाद मैं बच्चे की बॉडी को लेकर विवेकानंदा चौराहे से 65 किमी दूर अपने गांव डांगीपारा पहुंचा। असीम के गांव में आने के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। मीडिया के लोग भी असीम के परिवार और पड़ोसिया से घटना की जानकारी कैमरे में कैद करते दिखे।

भाजपा बोली- राज्य के सभी जिलों का यही हाल

घटना को लेकर भाजपा के नेताओं ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। भाजपा विधायक और बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा- तृणमूल कांग्रेस की सरकार में पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य व्यवस्था के यही हालात हैं। असीम देबशर्मा के केस से समझा जा सकता है कि राज्य सरकार की स्वास्थ्य साथी योजना ने क्या हासिल किया है।

वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार ने कहा कि एक आम नागरिक को अपने बच्चे का शव बैग में लाना पड़ता है। उन्हें एंबुलेंस नहीं मिलती। पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य सुविधा का यही हाल है। यह दुख की बात है, लेकिन बंगाल के सभी जिलों की यही सच्चाई है।

महाराष्ट्र के अहमदनगर में दो गुटों में हिंसा

जुलूस के दौरान नारेबाजी पर पथराव हुआ; 112 लोगों पर एफआईआर, कर्फ्यू लगाया गया

अहमदनगर/अकोला, 15 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अहमदनगर में जुलूस के दौरान 2 गुटों में पथराव हो गया। पुलिस के मुताबिक, रविवार को शेवगांव इलाके में संभाजी जयंती के दौरान जुलूस निकाला जा रहा था। जुलूस में लोगों ने धर्म स्थल के पास गुजरते वक्त नारेबाजी की थी। इसके बाद दोनों ओर से पथराव शुरू हो गया।

भीड़ को संभालने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पथराव में 2 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। अहमदनगर में भारी तादाद में पुलिस बल तैनात किया गया है। यहां कर्फ्यू लगा दिया गया है।

इस मामले में कुल 112 लोगों पर धारा 307 और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस ने अब तक 32 लोगों को हिरासत में लिया है।

हिंसा करने वाले उपद्रवियों को पुलिस पकड़कर ले गई। अब तक 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है। दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर पत्थरबाजी की। पथराव से आसपास की इमारतों में लगे शीशे टूट गए। हिंसा वाले इलाके में मार्केट पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। उपद्रवियों ने सड़क पर खड़ी गाड़ियों को भी निशाना बनाया और तोड़फोड़ की।

अकोला में दो समुदायों के बीच झड़प, एक की मौत; 30 हिरासत में, धारा 144 लागू

अकोला में शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। उपद्रवियों ने कई वाहन जला दिए। कुछ लोगों ने थाने का घेराव करने की भी कोशिश की थी।

पत्थरबाजी में 8 लोग घायल हुए, जिसमें दो पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। पुलिस ने 30 लोगों को हिरासत में लिया है। शहर में धारा 144 लगा दी गई है। दूसरों जिलों से भी पुलिस फोर्स बुलाई गई है। यहां इंटरनेट बंद कर दिया गया है।

दुबई फ्लाइट में एयरहोस्टेस के साथ छेड़छाड़

अमृतसर लैंड होते ही पैसेंजर गिरफ्तार; ज्यादा शराब पीने के बाद मचाने लगा था शोर

अमृतसर, 15 मई (एजेंसियां)। दुबई से अमृतसर एयरपोर्ट पहुंची इंडिगो की फ्लाइट के लैंड होते ही एक पैसेंजर को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए पैसेंजर की पहचान जालंधर के गांव कोटली निवासी राजिंदर सिंह के रूप में हुई है। थाना राजासांसी की पुलिस ने सिक्योरिटी मैनेजर की शिकायत के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई भी कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार दुबई से अमृतसर पहुंची इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E 1428 में यह घटनाक्रम हुआ। दुबई से इस फ्लाइट में राजिंदर सिंह भी बैठा था। उसने फ्लाइट में शराब का सेवन शुरू किया। अधिक सेवन करने से राजिंदर सिंह अपना आपा खो बैठा।

इंडिगो एयरलाइंस के सहायक सिक्योरिटी मैनेजर अजय कुमार द्वारा पुलिस को दी शिकायत के अनुसार फ्लाइट के दौरान रास्ते में आरोपी ने शराब पी कर महिला क्रू मेंबर के साथ छेड़छाड़ की और ऊंची आवाज में शोर भी मचाया।

कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा

पुलिस ने सहायक सिक्योरिटी मैनेजर अजय कुमार की शिकायत पर कार्रवाई की। आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 354 और 509 के तहत केस दर्ज किया गया। उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

महाराष्ट्र में डैम में डूबने के दो मामले, 6 मौतें

गढ़चिरौली के डैम में 4 युवक डूबे; पुणे में 2 लड़कियां डूबीं, 7 को बचाया

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में डैम में डूबने से 6 लोगों की मौत हो गई। सोमवार को पुणे के खडकवासला डैम में नहाने के दौरान दो लड़कियों की मौत हो गई है। सात को बचा लिया गया। जब ये लड़कियां डूब रही थीं, तो अंतिम संस्कार करते हुए एक परिवार ने उन्हें देखा। उन्होंने रेस्क्यू टीम को घटना की जानकारी दी और उन्हें बचा लिया गया। दूसरी घटना गढ़चिरौली की है। रविवार को चामोर्शी में चिचडोह डैम में नहाने गए 4 युवकों की मौत हो गई थी। इनकी उम्र 20 से 26 साल के बीच है। चारों दोस्त संडे की छुट्टी मनाने के लिए डैम गए थे, जहां नहाते वक्त वह गहरे पानी में चले गए। चारों की मौके पर ही मौत हो गई।

सत्येंद्र की सेल में 2 कैदी रखे, सुपरिन्टेंडेंट को नोटिस

जैन ने अकेलेपन का हवाला दिया था, अफसर ने तिहाड़ प्रशासन को बताए बिना शिफ्टिंग की

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की मांग पर उनके सेल में दो कैदी भेजने पर तिहाड़ जेल प्रशासन ने जेल सुपरिन्टेंडेंट को कारण बताओ नोटिस भेजा है। दरअसल जैन ने जेल नंबर 7 के सुपरिन्टेंडेंट से रिक्वेस्ट की थी कि वे अकेलेपन की वजह से डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। इसलिए उनके साथ दो अन्य कैदियों को रखा जाए, ताकि वे उनसे बात कर सकें।

सुपरिन्टेंडेंट ने उनकी मांग पूरी करते हुए दो लोगों को उनके सेल में ट्रांसफर कर दिया।

हालांकि, नोटिस आते ही उन्होंने दोनों कैदियों को वापस उनके पुराने सेल में भेज दिया। सूत्रों के मुताबिक, सुपरिन्टेंडेंट ने जेल प्रशासन को बताए बिना ही दोनों कैदियों को उनके सेल में ट्रांसफर किया था, जो कि नियमों के खिलाफ है। सुपरिन्टेंडेंट के इस कदम से सुरक्षा पर सवाल भी खड़े हो गए हैं।

जैन ने सुपरिन्टेंडेंट को भेजी थी एप्लिकेशन

अधिकारियों के मुताबिक, जैन ने अपनी एप्लिकेशन में लिखा था कि वे अकेलेपन की वजह से डिप्रेशन में जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक साइकिएट्रिस्ट ने उन्हें अपना सामाजिक दायरा बढ़ाना को बढ़ाने का है, इसलिए उन्हें दो कैदियों के साथ रखा जाना चाहिए। उन्होंने वार्ड नंबर 5 से दो कैदियों के नाम भी दिए, जिनके साथ वे सेल में रहना चाहेंगे। उनकी मांग तुरंत मान ली गई और दोनों कैदियों को उनके सेल में ट्रांसफर कर दिया गया। जेल प्रशासन के मुताबिक, सुपरिन्टेंडेंट ने यह फैसला प्रशासन को बताए बिना लिया था। नियमों के मुताबिक, जेल प्रशासन को बताए बिना और उसकी अनुमति के बिना किसी भी कैदी को एक सेल से निकालकर दूसरे सेल में नहीं भेजा जा सकता है।

जेल में बॉडी मसाज लेते और बाहर का खाना खाते दिखे थे जैन सत्येंद्र जैन पिछले साल जून से तिहाड़ में कैद हैं। नवंबर में सत्येंद्र जैन को जेल में वीआईपी ट्रीटमेंट दिए जाने को लेकर एक जेल अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया था। ईडी ने एक कोर्ट में जेल का सीसीटीवी फुटेज जमा किया था, जिसमें जैन अपने सेल में बॉडी मसाज लेते और बाहर का खाना खाते दिखाई दे रहे थे।

इस दौरान उनके सेल में दूसरे कैदी बैठे नजर आए थे, जिसकी अनुमति जेल प्रशासन ने नहीं दी थी। उन पर ये आरोप भी लगा था कि उन्होंने मामले के अन्य आरोपियों से मुलाकात करके जांच को प्रभावित किया है। इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने 24 अगस्त, 2017 को सीबीआई की तरफ से दर्ज की गई एफआईआर को आधार बनाकर जैन के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में जांच शुरू की थी। उनके साथ पूनम जैन, अजित प्रसाद जैन, सनील कुमार जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया था।

हल्दी घाटी हो या गालवान घाटी, भारत कभी नहीं झुका : राजनाथ सिंह

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि चाहे वह हल्दी घाटी में महाराणा प्रताप थे या अब गलवान घाटी में भारतीय सेना है, भारत कभी नहीं झुका और न ही कभी झुकेगा. वह यहां महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में 'वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप महासम्मेलन' में भाग ले रहे थे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह जनता जो मुझे सुनने आई है, यह भीड़ नहीं है, यह एक समुद्र है. मैं आपको संभाजी नगर का नाम बदलने के लिए बधाई दूंगा.

लोगों को इतिहास के बारे में जानने का आग्रह करते हुए राजनाथ सिंह ने लोगों को विश्वास दिलाया कि भारत न तो पहले कभी

झुका था और न ही भविष्य में कभी झुकेगा. राजनाथ सिंह ने कहा, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज, छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन के पन्नों को पलटना चाहिए. लोगों को पता चलेगा कि मानव जीवन में स्वाभिमान से बढ़कर कुछ नहीं है. उन्होंने कहा, हल्दी घाटी के युद्ध में, महाराणा प्रताप ने कई चमत्कार किए. मैं विवरण में नहीं जाऊंगा... लेकिन मैं कहूंगा, चाहे वह हल्दी घाटी हो या गलवान घाटी, न तो भारत कभी झुका और न ही झुकेगा. मैं हर किसी को इस बारे में आश्वस्त करना चाहता हूं.

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत कभी किसी को उकसाता नहीं है, लेकिन अगर कोई करेगा तो देश किसी को नहीं छोड़ेगा. उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री के पास 56 इंच का सीना है और वह आपको कभी निराश नहीं करेंगे. मंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' पर जोर देते हुए कहा, हमने आत्मनिर्भर भारत के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया. 2014 से पहले, हम 900 करोड़ रुपये के हथियारों का निर्यात करते थे और अब हम 16,000 करोड़ रुपये से अधिक के हथियारों का निर्यात कर रहे हैं.

उन्होंने कहा, पहले जब भारत बोलता था तो दुनिया उसे नजरअंदाज कर देती थी, क्योंकि वह हमें कमजोर समझती थी. लेकिन आज जब भारत बोलता है तो पूरी दुनिया ध्यान से सुनती है.

हरियाणा सीएम के जनसंवाद में बवाल

महिला सरपंच ने सिर से दुपट्टा उतारकर मुख्यमंत्री के पैरों में फेंका, पुलिस ने स्टेज से नीचे उतारा

हिसार, 15 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल के सिरसा में जनसंवाद कार्यक्रम के तीसरे दिन भी विवाद हो गया। बणी गांव की महिला सरपंच ने अपना गले से दुपट्टा उतार कर सीएम के पैरों में फेंक दिया। इसको देखकर वहां खड़ी पुलिस और अफसरों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में महिला को संभाला। फिर उसे पकड़कर स्टेज से नीचे उतार दिया गया। हालांकि इस दौरान सीएम मनोहर लाल बातों से इस बारे में समझाते दिखे।

महिला सरपंच बोली- हमारे साथ अन्याय हुआ

सीएम मनोहर लाल के पास स्टेज पर पहुंची महिला सरपंच नैना झोरड़ ने कहा कि उनके गांव के प्राइमरी हेल्थ सेंटर में स्टाफ नहीं है। 25 किमी में कोई कॉलेज नहीं है। बीजेपी का नारा है बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ। हमारे साथ अन्याय हुआ है।

यह सुनकर सीएम ने कहा कि आप लिखकर दे दो। इस पर महिला सरपंच नहीं मानी। नैना ने कहा कि मैंने लोकतांत्रिक चुनाव

जीता। सीएम ने रोकने का प्रयास किया। मेरे पति पर जानलेवा हमला हुआ। फिर भी पुलिस ने अभी तक आरोपियों को नहीं पकड़ा। इतना कहते ही सरपंच ने अपने सिर से दुपट्टा उतार कर आगे फेंक दिया।

सीएम ने कहा कि मान सम्मान सबके अपने हाथ में है। हमने आपको इज्जत देकर ऊपर बैठाया, इस बात के लिए नहीं बैठाया। इसके बाद सीएम ने भारत माता की जय कहकर कार्यक्रम समाप्त कर दिया। वहीं संतनगर में सीएम ने गांव का पटवार खाना दोबारा से शुरू करने के आदेश दिए। सीडीएलयू में भर्ती प्रकिया की जांच के लिए सीएम ने वीसी की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित करके जांच के आदेश दिए है।

पहले दो दिन भी विवाद

सीएम के जनसंवाद कार्यक्रम में सिरसा में किसान नेताओं और आप वर्करों ने विरोध किया। डबवाली में किसानों पर लाठीचार्ज हुआ और पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया है। तीसरे दिन रानियां क्षेत्र में बणी, संतनगर और ओटू में जनसंवाद कार्यक्रम है। बणी में महिला सरपंच ने अपने चुनरी सीएम के पैरों में फेंक दी।

कल कहा था- ये आप वाला है, इसकी पिटाई करो और बाहर फेंको

सिरसा में रविवार को हुए जनसंवाद में सीएम मनोहर लाल लोगों से नशे को खत्म करने के लिए सुझाव मांग रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर किसी के पास कुछ सुझाव हो तो मुझे बताइए। इसी दौरान एक व्यक्ति हंगामा करने लगा। इस पर सीएम मनोहर बोले- ये राजनीति करने वाला है। आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता है। इसकी पिटाई करो और बाहर फेंको।

'मिलनी फांसी चाहिए पर दामाद जैसा स्वागत कर रहा कोर्ट', इमरान खान को लेकर नेता के बिगड़े बोल

कराची, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के इर्द-गिर्द ही इस समय सारी सियासत चल रही है। उसी कड़ी में अब पाकिस्तानी संसद में एक नेता ने मांग कर दी है कि इमरान खान को फांसी की सजा दी जानी चाहिए। विपक्ष के नेता राजा रियाज ने कहा कि इमरान को तो सरेआम फांसी होनी चाहिए, मुझे समझ नहीं आ रहा कि पाकिस्तान का कोर्ट उनका ऐसा स्वागत क्यों कर रहा है, जैसे वो कोई उनका दामाद हो। इस समय पाकिस्तान में जमीन पर स्थिति विस्फोटक बनी हुई है। इमरान खान की रिहाई जरूर हो गई है, लेकिन उनके समर्थक अभी भी शांत होने को तैयार नहीं है, पीटीआई की तरफ से भी संदेश दिया जा रहा है कि अभी प्रदर्शन को जारी रखना है। ऐसे में आने वाले दिनों में स्थिति बद से बदतर की ओर जा सकती है। बताया जा रहा है कि कल पीएम शहरबाज शरीफ एनएससी की

एक अहम बैठक करने वाले हैं, वर्तमान सुरक्षा को लेकर मंथन होने वाला है।

ये सब इसलिए जरूरी हो गया है क्योंकि कुछ दिन पहले ही इस्लामाबाद कोर्ट के बाहर गोलीबारी हुई थी, इमरान तब कोर्ट में ही मौजूद थे। ऐसे में उनकी सुरक्षा को लेकर भी सरकार की चिंता बढ़ गई है। खुद इमरान तो सरकार पर ही गंभीर आरोप लगा रहे हैं, जोर देकर कह रहे हैं कि उन्हें जान से मारने की साजिश रची जा रही है।

कहां से शुरू हुआ था सारा ड्रामा?

अब जानकारी के लिए बता दें कि ये सारा विवाद उस समय शुरू हुआ जब कोर्ट जा रहे इमरान खान को पाकिस्तानी रेंजर्स ने गिरफ्तार कर लिया था। उस समय इमरान भ्रष्टाचार के एक मामले में सुनवाई के लिए जा रहे थे, लेकिन तब उन्हें कॉलर पकड़कर ले जाया गया और उस वजह से पूरे देश में हिंसा फैल गई जो अभी तक जारी है। इमरान खान ने तो यहां तक आरोप लगाया है कि उन्हें लाठियों से पीटा गया था, वे बेहोश तक हो गए थे। उन्होंने एक बयान में पाकिस्तान के सेना प्रमुख पर भी कई गंभीर आरोप लगा दिए हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 16 मई, 2023

सुविचार

जहाँ प्रेम नहीं, वहाँ शान्ति नहीं हो सकती। जहाँ पवित्रता नहीं, वहाँ प्रेम नहीं हो सकता

जातिगत व्यवसायों को बढावा देने पर केंद्र का ध्यान : एनवीएसएस

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वकर्मा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में हस्तशिल्प प्रकोष्ठ अध्यक्ष ब्रह्मचारी की अध्यक्षता में जातिगत व्यवसायों पर आधारित विश्वकर्मा युवा सम्मेलन का आयोजन आज मल्लापुर के वीएनआर गार्डन में किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ओबीसी आयोग के सदस्य तल्लोजी अचारी, उप्पल भाजपा के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर, ओबीसी के प्रदेश अध्यक्ष आले भास्कर द्वारा ज्योति प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए, एनवीएसएस प्रभाकर ने कहा कि भारत के इतिहास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने विश्वकर्मा को महत्व दिया है और साथ ही 17 सितंबर विश्वकर्मा जयंती को राष्ट्रीय श्रम दिवस के रूप में घोषित किया। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना नामक एक कार्यक्रम शुरू किया। इन हस्तकलाओं के विकास के लिए आने वाले दिनों में सभी को लाभान्वित करने के लिए स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया, स्किल इंडिया के तहत यह कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह कहते हुए कि बैंक ऋण के लिए सब्सिडी के साथ कोई और समस्या नहीं होगी। तल्लोजी अचारी ने कहा कि राज्य सरकार ने एमबीसी और ओबीसी को धोखा दिया और यह कहकर आवंटित हजारों करोड़ खर्च नहीं किए कि वे बीसी जातियों के लिए एक महासंघ बनाएंगे।

ऑला ए भास्कर ने कहा कि जहां विश्वकर्मा के सदस्यों ने तेलंगाना आंदोलन के दौरान कई तरह के संघर्ष और आत्म बलिदान किए, वहीं केसीआर सरकार ने उन सभी का अपमान किया और उन्हें निराश किया। सैकड़ों की संख्या में भाग लेने वाले विश्वकर्मा बंधुओं ने बताया कि भविष्य में हम कारीगरों को सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट तकनीकी प्रशिक्षण देने का प्रयास करेंगे।

नागरिक आपूर्ति गोदाम में लगी आग

महबूबनगर, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जेडचर्ला मंडल के गंगापुर स्थित नागरिक आपूर्ति गोदाम में रविवार की शाम आग लग गयी। गोदाम से धुंआ और आग की लपटें देख स्थानीय लोग दहशत में आ गए, कथित तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद दमकल एवं बचाव सेवा के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग पर काबू पाने के लिए गोदाम की दीवारों को तोड़ना पड़ा, दमकलकर्मियों को आग बुझाने में पांच घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। अधिकारियों के अनुसार, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए गोदाम में रखा लगभग 800 क्विंटल चावल और आग में 75,000 बारदाना क्षतिग्रस्त हो गया। करीब 40 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान बताया जा रहा है।

आरटीसी की इलेक्ट्रिक एसी बसें 'ई-गरुड़' का शुभारम्भ आज

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बहुप्रतीक्षित इको-फ्रेंडली इलेक्ट्रिक एयर-कंडीशंड (एसी) बसों का नाम 'ई-गरुड़' रखा गया है जो मंगलवार से यात्रियों के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी. हैदराबाद-विजयवाड़ा रूट पर 50 इलेक्ट्रिक एसी बसें चलाने का फैसला करने वाली टीएस रोड्स ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (टीएसआरटीसी) मंगलवार को इस रूट पर 10 ईवी बसें लॉन्च करेगी।

बाकी 40 ईवी बसें इस साल के अंत तक चरणों में उपलब्ध होंगी। पर्यावरणीय लाभों के साथ, ईवी बस बेड़े से विजयवाड़ा-हैदराबाद मार्ग पर यात्रियों को एक बेहतर और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने की उम्मीद है। टीएसआरटीसी के अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि इलेक्ट्रिक एसी बसों का संचालन इस तरह से किया जाएगा कि वे हैदराबाद-विजयवाड़ा मार्ग पर हर 20 मिनट के लिए यात्रियों के लिए उपलब्ध हों। निगम ने कहा कि अगले दो वर्षों में 1860 नई इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनमें से 1300 बसें हैदराबाद शहर में और 550 बसें दूर के इलाकों में चलाई जाएंगी। उनके अलावा आने वाले महीनों में हैदराबाद में कुल 10 डबल डेकर बसों का संचालन शुरू हो जाएगा।

सीएम केसीआर बुधवार को बीआरएस विधायकों व सांसदों की बैठक की अध्यक्षता करेंगे

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर बुधवार को दोपहर 2 बजे तेलंगाना भवन में बीआरएस विधायक और संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में बीआरएस विधायक, एमएलसी और सांसद हिस्सा लेंगे। जैसा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराकर सत्ता हासिल की है और तेलंगाना कांग्रेस के नेता आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनाव में समान परिणाम प्राप्त करने के लिए बीआरएस सरकार के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज करने के लिए कमर कस रहे हैं। वर्ष के अंत में, बैठक महत्व रखती है। चूंकि यह एक चुनावी वर्ष है, इसलिए पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री द्वारा सत्तारूढ़ दल के नेताओं को कार्य योजना देने की संभावना है। कर्नाटक विधानसभा के नतीजों की घोषणा के बाद से ही सत्ता पक्ष के नेता कह रहे हैं कि तेलंगाना पर कोई असर नहीं पड़ेगा और राज्य की जनता बीआरएस के साथ है। भले ही बीआरएस नेता विपक्षी दलों की टिप्पणियों का विरोध कर रहे हैं, लेकिन वे आने वाले दिनों में सभी वर्गों के लोगों को शामिल करने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बना रहे हैं।

सिद्दीपेट के पास सड़क दुर्घटना में दो की मौत

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात सिद्दीपेट के पास रंगधामपल्ली में राजीव राहधारी पर एक अज्ञात वाहन ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौत हो गई।

पीड़ित चिन्नाकोदुरु मंडल के मायलाराम और कामरापल्ली गाँव के जक्कुला राजू और बुरुगु वेंकटेश गौड थे। दोनों बाइक से अपने गांव की ओर जा रहे थे, तभी एक अज्ञात मालवाहक वाहन ने टक्कर मार दी। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल सिद्दीपेट ले जाया गया। मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कहा कि वाहन का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रयोगशाला में विकसित तकनीक किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए : तोमर

एकीकृत जैविक नियंत्रण प्रयोगशाला का उद्घाटन

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 15 मई को यहां राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम) में एकीकृत जैविक नियंत्रण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

प्रयोगशाला का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विभिन्न फसलों में अत्यधिक कीटनाशकों के उपयोग के प्रतिकूल प्रभावों को दूर करने के साथ-साथ खेती की लागत को कम करने और किसान की आय बढ़ाने के लिए कीटों के लिए जैव नियंत्रण का उपयोग आवश्यक है। उन्होंने इस आवश्यकता को रेखांकित किया कि प्रयोगशाला में विकसित तकनीकों को उन किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए जिनकी जानकारी तक पहुंच कम है, ताकि वे इन तकनीकों के लाभों के बारे में आश्वस्त हो सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश की ब्रांड छवि को बनाए रखने के लिए विदेशी बाजार में निर्यात की जा रही जैविक रूप से उत्पादित कृषि वस्तुओं में कोई कीटनाशक अवशेष नहीं होना चाहिए। उन्होंने नए एकीकृत बायोकंट्रोल प्रयोगशाला भवन के लिए एनआईपीएचएम के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि वे किसानों तक प्रौद्योगिकी पहुंचाने के लिए खुद को फिर से समर्पित करेंगे। इस अवसर पर, मनोज आहूजा सचिव कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू), रघुनंदन राव, सचिव, कृषि मंत्रालय, तेलंगाना सरकार, डॉ प्रमोद कुमार मेहरदा, अतिरिक्त सचिव, डीए एंड एफडब्ल्यू, डॉ सागर हनुमान सिंह, महानिदेशक, एनआईपीएचएम, केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, आईसीएआर संस्थान, प्रशिक्षु अधिकारी और छात्र उपस्थित थे। नई एकीकृत जैव नियंत्रण प्रयोगशाला (बीसी लैब) एनआईपीएचएम में एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला है, जिसमें जैव कीटनाशकों, परजीवियों और परजीवी जैसे जैव नियंत्रण एजेंटों, एंटोमोपैथोजेनिक कवक, जैव उर्वरक, एनपीवी, फेरोमोन और वानस्पतिक के लिए उत्पादन पद्धतियों पर अनुभव देने की सुविधा है।

जैव-नियंत्रण एजेंटों, जैव-कीटनाशकों और जैव-उर्वरकों के उपयोग से रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों के उपयोग को कम करने में मदद मिलेगी, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव कम होंगे और मिट्टी और पौधों के स्वास्थ्य में सुधार करने में योगदान मिलेगा। बीसी लैब में एक कीट संग्रहालय, खरपतवार संग्रहालय, प्रदर्शनी हॉल, प्राकृतिक कृषि प्रकोष्ठ आदि भी होंगे, जहां कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण कीड़ों और खरपतवारों के नमूनों को सर्वोत्तम संरक्षित या जीवित रूपों में प्रदर्शित किया जाएगा। नई एकीकृत बायोकंट्रोल प्रयोगशाला अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है, और प्रयोगशालाओं में उच्च योग्य संकाय सदस्य कार्यरत हैं। एनआईपीएचएम कीट प्रबंधन के लिए एग्रो इकोसिस्टम एनालिसिस (एईएसए) और पारिस्थितिक इंजीनियरिंग (ईई) जैसी टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देता है। विभिन्न जैविक एजेंटों, जैव-कीटनाशकों और जैव-उर्वरकों के बढ़ते उपयोग के साथ। एनआईपीएचएम विभिन्न विषयों पर नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत, 5 घायल

कडपा, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गयी, जबकि पांच अन्य घायल हो गये। पुलिस के अनुसार, आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के तड़ीपात्री और कर्नाटक राज्य के बल्लारी के 14 लोग तिरुमाला मंदिर में बालाजी के दर्शन के बाद एक वैन में लौट रहे थे, जब जिलों में कोंडापुर मंडल के येटुरू गांव के पास एक लॉरी वैन से टकरा गई। सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें 108 एंबुलेंस में इलाज के लिए तड़ीपत्री सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

टीएस एमसेट 2023 के परिणाम महीने के अंत तक घोषित किए जाएंगे

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर एंड मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस एमसेट) 2023 के नतीजे, जो रविवार को इंजीनियरिंग स्ट्रीम के साथ संपन्न हुए, इस महीने के अंत तक घोषित किए जाएंगे। इंजीनियरिंग स्ट्रीम प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले उम्मीदवार 15 मई को रात 8 बजे से 17 मई को रात 8 बजे तक वेबसाइट eamcet.tsche.ac.in से अपनी प्रतिक्रिया पत्रक डाउनलोड कर सकते हैं।

एएम और इंजीनियरिंग स्ट्रीम टेस्ट दोनों की प्रारंभिक चाबियों पर उठाई गई आपत्तियों की विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा जांच की जाएगी। इसके बाद, अंतिम कुंजी तैयार की जाएगी और कई सत्रों में आयोजित परीक्षा का सामान्यीकरण किया जाएगा। सामान्यीकरण की प्रक्रिया में कुछ समय लगता है। नतीजे 26 से 30 मई के बीच घोषित किए जाएंगे।

इस बीच, कुरनूल जिले में केंद्र में एक चिट पर सूत्र ले जाने वाले एक छात्र को रविवार को इंजीनियरिंग परीक्षा के दौरान इसका उपयोग करने का प्रयास करते हुए एक निरीक्षक ने पकड़ लिया। इंजीनियरिंग स्ट्रीम टेस्ट के आखिरी दिन 95 फीसदी से ज्यादा अटेंडेंस दर्ज की गई। सुबह के सत्र में 33,854 उम्मीदवारों में से 95.35 परीक्षा में शामिल हुए। इसी तरह कुल 33,722 छात्रों में से 95.36 फीसदी ने दोपहर में परीक्षा दी। कुल मिलाकर, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अलग-अलग केंद्रों को आवंटित किए गए 3,20,683 उम्मीदवारों में से 94.11 प्रतिशत टीएस एमसेट 2023 के लिए उपस्थित हुए थे।

लू लगने से पुलिस कांस्टेबल की मौत

मनचेरियल, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रामकृष्णपुर पुलिस थाने में कार्यरत एक 42 वर्षीय पुलिस कांस्टेबल की रविवार रात लक्सेटिपेट शहर में कथित तौर पर लू लगने से मौत हो गई। अंकाटिवाड़ा के मुठे संतोष रात करीब साढ़े दस बजे अपने आवास पर गिर पड़े।

उन्हें तुरंत लक्सेटिपेट के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार संतोष रविवार की शाम रामकृष्णपुर थाने में ड्यूटी करने के बाद घर लौटा था। उसके परिजनों ने बताया कि उसकी मौत लू लगने से हुई है। संतोष 2000 में पुलिस विभाग में शामिल हुए। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं।

बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा समर कैंप का शुभारंभ

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त नगर पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद जी सुधीर बाबू ने यातायात प्रशिक्षण संस्थान, गोशामहल, हैदराबाद में बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा समर कैंप-2023 का शुभारंभ किया है। समर कैंप 10 से 15 वर्ष के बीच के बच्चों के लिए है और इसमें शामिल विषय यातायात जागरूकता और सड़क सुरक्षा, नृत्य, संगीत, पेंटिंग, हस्तलेखन में सुधार और व्यक्तित्व विकास हैं। मुख्य अवधारणा बच्चों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता पैदा करना है। इससे निश्चित रूप से सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिलेगी। बच्चों को संबोधित करते हुए जी. सुधीर बाबू ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में युद्ध में हुई मौतों की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या अधिक है। उन्होंने सुरक्षा संदेश और यातायात नियमों का पालन करने की बात दोहराई। उन्होंने बच्चों से अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को सड़क सुरक्षा की वकालत करने की अपील की। कार्यक्रम में जोबिन जोस मुख्य प्रबंधक एचएमएसआई सेफ्टी एजुकेशन एंड सेंटर मैनेजमेंट-साउथ, सरोज बाला, आर्यन डांस एकेडमी अनंत राज आदि उपस्थित रहे।

डबल डेकर ट्रेन पटरी से उतरी

चित्तूर, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को यहां कर्नाटक सीमा के करीब जिले के गुड़ीपल्ली मंडल में बिसनत्थम रेलवे स्टेशन के पास एक डबल डेकर ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद यात्रियों की चमत्कारिक ढंग से जान बच गई। रिपोर्टों के अनुसार ट्रेन चेन्नई से बेंगलुरु जा रही थी जब दुर्घटना हुई और सौभाग्य से एक सतर्क लोको पायलट ने एक गंभीर दुर्घटना को टालने के लिए ट्रेन को तुरंत रोक दिया।

सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस में कल से लगेंगे 16 अतिरिक्त डिब्बे

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद से तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के लिए भीड़ बढ़ गई है, क्योंकि यात्रा का समय केवल आठ घंटे है। तिरुमाला की यात्रा करने वाले यात्रियों और तीर्थयात्रियों को आरक्षण कराने में असुविधाओं का सामना करना पड़ा है। सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस में आठ कोच हैं। सात एसी कोच और एक कार्यकारी कोच। इससे पहले केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी से इस मुद्दे को लेकर कई शिकायतें की गई थीं। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कोचों की संख्या कम करने पर रेलवे अधिकारियों से सवाल किया और कहा कि वह सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए 16 और कोच जोड़ने के लिए दक्षिण मध्य रेलवेके साथ बातचीत कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने ट्विटर पर घोषणा की कि 17 मई से सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस में अतिरिक्त 16 कोच जोड़े जाएंगे। 17 मई 20701/20702 सिकंदराबाद-तिरुपति-सिकंदराबाद-वंदेभारत एक्सप्रेस 8 के बजाय 16 कोचों के साथ चलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि 20701 एससी-टीपीटीवाई ट्रेन 15 मिनट बाद सिकंदराबाद स्टेशन से सुबह 6:15 बजे निकलेगी और उसी समय 14:30 बजे तिरुपति पहुंचेगी. वापसी ट्रेन तिरुपति से 15:15 बजे शुरू होगी और 15 मिनट पहले 23:30 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी।

केपीएचबी में दंपत्ति मृत पाए गए

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केपीएचबी कॉलोनी स्थित एक घर में सोमवार को युगल अकेला श्याम (24) और ज्योति (22) संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। वे केपीएचबी कॉलोनी के फेज सात स्थित एक कमरे में लटके पाए गए। घटना का पता तब चला जब स्थानीय लोगों ने घटनास्थल से दुर्गंध आती देखी और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस को घर के अंदर जाकर शवों की तलाश के लिए दरवाजा तोड़ना पड़ा। पुलिस को अंदेशा है कि मृतक ने खुदकुशी की होगी।

तेलंगाना ने 23 लाख नौकरियां सृजित की : केटीआर

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना ने राज्य के गठन के बाद से अब तक 23 लाख नौकरियां सृजित की हैं। सोमवार को रंगारेड्डी जिले के कोंगारा कलां में एक समारोह में भाग लेने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री के टी रामा राव ने कहा कि तेलंगाना पिछले नौ वर्षों से सभी क्षेत्रों में प्रगतिशील पथ पर है। और राज्य का आईटी क्षेत्र भारत दूसरे स्थान पर रहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के लिए नौकरियों के सृजन के लिए कौशल विकास केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है और यह तेलंगाना में अगले 10 वर्षों में लगभग 15 लाख नौकरियां सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीपी ने ट्रैफिक कांस्टेबल की सराहना की

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी कैंप कार्यालय में आज एक व्यक्ति की जान बचाने वाले ट्रैफिक कांस्टेबल को राचकोंडा सीपी डीएस चौहान ने सम्मानित किया। बीते 13 मई को एलबी नगर ट्रैफिक कांस्टेबल टी. सतीश विजयवाड़ा बस स्टॉप पर ड्यूटी पर था। झारखंड निवासी निर्माण मजदूर मंगरा (35) शहर में काम करने के लिए आया था। शाम छह बजे आर्थिक तंगी के कारण एलबी नगर फ्लाईओवर के ऊपर से कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा था। वहां मौजूद निजी कर्मचारी जॉनसन और ट्रैफिक कांस्टेबल सतीश ने उससे बात करने की कोशिश की और एक तौलिए की मदद से उसे आत्महत्या करने से रोक लिया। बाद में उसे पुलिस को सौंप दिया गया। राचकोंडा आयुक्त सीपी डीएस चौहान ने एक व्यक्ति की जान बचाने वाले सिपाही की सराहना की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, PAPISHETTY UITTOBHA R/o.4-88/3, Market Rd, Shankarpally, R.R.Dt -501203, TS. Changed My Name As PAPISHETTY VITOBA S/o.PAPISHETTY PANDURANGAM.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

प्रथम पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती हीराबाई चोयल

धर्मपत्नी: श्री रतनारामजी चोयल । बेरा : खींचायत

// स्वर्गवास 16-05-2022 //

मीठी मधुर स्मृतियां आपकी, कभी नही मिट पायेगी।
आपका व्यवहार, आपकी बातें, हमे सदैव याद आयेगी।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : धनाराम, भोमाराम, माल्लाराम, माधुराम, नेमीचंद, भंवरलाल, मंगलाराम, गेनाराम (पुत्र), सायरीबाई (पुत्री) एवं समस्त चोयल परिवार

फर्म : ✲ मातेश्वरी पॉन ब्रोकर्स सुरास्म ✲
✲ सुनिल इलेक्ट्रोनिक्स, शापुरनगर ✲
माताजी ज्वैलर्स, शापुरनगर 9948323230, 9246842498

P.Solankey

बसपा ने बिगाड़े सपा के सियासी समीकरण

बसपा पहली बार सिंबल पर चुनाव लड़ी; सपा को 9 सीटों पर दिया डेंट, गेमचेंज की पीछे 5 वजह

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)। निकाय चुनाव में भाजपा ने विपक्षी दलों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है, खासकर सपा की उम्मीदों पर। 3 दशक से निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन का दावा करने वाली सपा इस चुनाव में पिछली बार से भी फिसड्डी साबित हुई है। राजनीतिक जानकर मानते हैं कि सपा के खराब प्रदर्शन के पीछे बसपा प्रमुख मायावती का मुस्लिम कार्ड है। उन्होंने 17 मेयर सीटों पर 11 मुस्लिम चेहरे उतारकर सपा के वोट में सीधे सेंधमारी कर दी। पहली बार इस निकाय चुनाव में बसपा अपने सिंबल पर चुनाव लड़ी थी। बसपा की वजह से सपा 7 सीटों पर तीसरे नंबर पर और 9 सीटों पर दूसरे नंबर पर रही है।

1. सपा के कोर वोट बैंक को बीएसपी ने खूब साधा

सपा ने मेयर पद के लिए 4 मुस्लिम कैंडिडेट फिरोजाबाद से मशरुर फातिमा, सहारनपुर से नूर हसन मलिक, अलीगढ़ से जमीर उल्ला खां और मुरादाबाद से सैय्यद रईस उद्दीन पर भरोसा जताया। पार्टी ने केवल गाजियाबाद से यादव चेहरे के मेयर का टिकट दिया है। राजनीतिक जानकार मानते है कि मायावती ने 17 मेयर उम्मीदवारों में से 11 टिकट मुस्लिमों को दिए।

पार्टी ने पहले चरण के 10 सीटों पर उम्मीदवार का एलान किया था। इसमें 6 मुस्लिम प्रत्याशी उतारे थे। इसके बाद दूसरे चरण के 7 उम्मीदवारों में से 5 मुस्लिम उम्मीदवार मेरठ, शाहजहांपुर, गाजियाबाद, अलीगढ़, बरेली से उतारे। यानी पार्टी की सपा के कोर वोटर्स में सेंध लगाने की पूरी कोशिश की गई।

2. अतीक-अशरफ एनकाउंटर के बाद बसपा ने लगाए थे आरोप

माफिया अतीक अहमद और अशरफ के एनकाउंटर के बाद बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने सपा पर गंभीर आरोप लगाए। फिलहाल मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अतीक अहमद और उनके परिवार को टिकट नहीं देने का ऐलान किया था। लेकिन मुस्लिमों का हितैषी होने का दावा भी कर दिया।

राजनीतिक जानकार यह भी मानते हैं कि अतीक अहमद और अशरफ की एनकाउंटर के बाद मुसलमान जहां एक तरफ सपा से नाराज दिखाई पड़े। तो उन्होंने विकल्प के तौर पर भाजपा को टक्कर देने के लिए बसपा को मजबूत माना।

3. पहली बार सिंबल पर लड़ी बीएसपी

2023 के निकाय चुनाव में बीएसपी ने पहली बार सिंबल पर प्रत्याशियों को उतारा। इससे पहले बहुजन समाज पार्टी निकाय चुनाव में उम्मीदवारों को समर्थन देती थी। राजनीतिक जानकार यह भी मानते हैं कि बीजेपी के कट्टर हिंदुत्व के मुद्दे की वजह भी समाजवादी पार्टी पर भारी पड़ी।

बसपा का मुख्य कैडर वोट दलित माना जाता है। पहली बार निकाय चुनाव में सिंबल पर बसपा के चुनाव लड़ने पर बसपा के वोटर्स ने खुलकर मतदान किया। सपा दलित, मुस्लिम और ओबीसी वोट बैंक के कार्ड को एक करने में सफल नहीं हो सकी।

4. सपा के सहयोगी दलों का साथ नहीं आया काम

2017 के विधानसभा चुनावों सपा, कांग्रेस के साथ गठबंधन में लड़ी और 47 सीटों पर सिमट गई थी। 2019 के लोकसभा चुनावों में, अखिलेश यादव ने बसपा के साथ हाथ मिलाया था। यह एक ऐसा निर्णय था, जिसे पार्टी के वरिष्ठों नेताओं ने अस्वीकार कर दिया था। उस चुनाव में सपा को गठबंधन से कोई फायदा नहीं हुआ। हालांकि इस चुनाव में बसपा को फायदा हुआ और 10 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की। इस चुनाव के तुरंत बाद गठबंधन टूट भी गया था। बाद के महीनों में सपा उपचुनावों में अपनी आजमगढ़ और रामपुर सीटें भी बीजेपी से हार गई।

इसके बाद साल 2022 में सपा ने राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) सहित छोटे दलों के साथ गठबंधन किया, लेकिन यह भी काम नहीं आया। 2023 निकाय चुनाव से पहले अखिलेश यादव ने अपने चाचा शिवपाल यादव के साथ संबंध सुधारे, लेकिन यह प्रयास बहुत देर से और बहुत कम साबित हुआ। अब सपा कार्यकर्ता ही अखिलेश यादव की नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं।

5. 9 महापौर सीट पर सपा रही दूसरे नंबर पर

निकाय चुनाव के परिणाम के बाद भी सपा खुद का प्रदर्शन बेहतर मान रही है। सपा प्रमुख अखिलेश के नेतृत्व में लड़ा गया पहली बार यह चुनाव 17 नगर निगमों में से नौ सीट पर समाजवादी पार्टी और भाजपा की सीधी टक्कर रही। अखिलेश और शिवपाल का फॉर्मूला, गांव के निकाय चुनाव में भी सफल होने का दावा किया जा रहा है।

सपा 9 महापौर की सीट पर दूसरे पायदान पर रही। 4 सीट सहारनपुर, मथुरा, गाजियाबाद और आगरा में बसपा दूसरे नंबर पर है। कांग्रेस शाहजहांपुर, मुरादाबाद और झांसी में दूसरे नंबर पर थी। तो वही मेरठ में एआईएमआईएम नंबर दो पर रही है।

बसपा को भी नुकसान, 18 मई को करेंगी समीक्षा

सिर्फ अखिलेश को ही नहीं, निकाय चुनाव में मायावती को भी नुकसान हुआ है। इसकी समीक्षा के लिए उन्होंने 18 मई को बसपा पार्टी कार्यालय पर सभी को-ऑर्डिनेटर और जिला अध्यक्ष को बुलाया है। इस बार के निकाय चुनाव में 2017 के मुकाबले बसपा की न केवल सीट कम हुई, बल्कि वोट प्रतिशत भी काफी कम हो चुका है।

मेरठ में 6 गाड़ियां धूं-धूंकर जलीं

तेज हवाओं से बिजली के तार टूटकर गिरे, थाने के सामने खड़ी थीं ये गाड़ियां, 2 किमी तक दिखा धुआं

मेरठ, 15 मई (एजेंसियां)। मेरठ में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। तेज हवाओं की वजह से बिजली की लाइन टूटकर रोड साइड खड़ी गाड़ियों पर गिरी। इससे करीब 6 गाड़ियां धूं-धूंकर जलने लगीं। थाने के सामने खड़ी इन गाड़ियों में लगी आग को बुझाने के लिए दमकल की 2 गाड़ियां मौके पर पहुंची। फिलहाल बुझाने के प्रयास जारी है। ये मामला मेरठ में खरखौदा थाने के बाहर का है। इसका धुआं 2 किमी तक देखा गया।

चिंगारी से ट्रक पहले जला, फिर फैलती गई आग

सोमवार सुबह तेज हवाएं चल रही थी। पेड़ों के पास से गुजर रही एलटी लाइन अचानक टूट गई। खरखौदा थाने के बाहर खड़े एक्सीडेंटल और कुछ अन्य वाहनों के ऊपर गिर गई। चिंगारी की वजह से पहले एक ट्रक में आग लगी। इसके बाद आग देखते-देखते थाने के बाहर खड़े दूसरे वाहनों में भी फैल गई।

जब लोगों ने वहां से धुआं और आग की लपटे उठती देखकर

फायर बिग्रेड को सूचना दी गई। लोगों ने खुद भी पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। 2 गाड़ियां आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। आग लगने से एक ट्रक, दो कार और 3 दो पहिया वाहन पूरी तरह जल गए।

गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ

सीएफओ ने बताया कि थाने के बाहर मुकदमे में जब्त गाड़ियां खड़ी थी। गाड़ियां जहां खड़ी थीं, उसके ऊपर से बिजली की लाइन जा रही है। आंधी के कारण बिजली का तार टूटकर गाड़ियों पर जा गिरा। गाड़ियों की रेगसीन, सीट में धीरे-धीरे आग पकड़ती गई और अचानक पूरे में आग फैल गई है। कुछ वाहन जले हैं, मानवीय क्षति नहीं हुई है।

अखिलेश बोले- ये लूट का चुनाव था

भाजपा ने लोकतंत्र की हत्या कर दी, अधिकारी भी पार्टी के सदस्य; उनको केवल जीत चाहिए

एटा, 15 मई (एजेंसियां)। निकाय चुनाव का रिजल्ट आने के बाद सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भाजपा पर कई आरोप लगाए हैं। अखिलेश ने कहा, निकाय चुनाव में भाजपा का लूटतंत्र सामने आया है। जगह-जगह बेईमानी हुई। जिन सीटों पर हम हारे हैं, वहां हमारे मतदाताओं को वोट नहीं डालने दिए। हमारे जो प्रत्याशी जीते उन्हें सर्टिफिकेट न देकर भाजपा के हारे हुए प्रत्याशियों को दे दिया गया।

रविवार को एटा पहुंचे अखिलेश ने कहा, कर्नाटक की हार से भाजपा की उल्टी गिनती की शुरुआत हो गई है। एमएलसी के चुनाव में एटा में सपा प्रत्याशी का नामांकन नहीं होने दे रहे थे। सपा के प्रत्याशी के कपड़े फाड़ दिए गए थे। ये पूरे प्रदेश में हुआ।

अखिलेश ने कहा, भाजपा ने अधिकारियों को भी पार्टी का सदस्य बना लिया है। जो भाजपा कहेगी वही कानून है। इस सरकार में कमिश्नर, आईजी और सीडीओ बेईमानी कर रहे हैं। भाजपा ने लोकतंत्र की हत्या कर दी, अब लोकतंत्र नहीं बचा, आजादी नहीं है।

अधिकारियों ने बेईमानी कर हमें हरा दिया

अखिलेश ने कहा कि बेबर में सपा पार्टी के जीते हुए सदस्य को बैठाया और सर्टिफिकेट दूसरे को दे दिया। उन्होंने मैनपुरी निकाय चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार में आईजी, कमिश्नर, डीएम और सीडीओ ने बेईमानी कर सपा उम्मीदवार को 200 वोट से हरा दिया गया। उनको केवल जीत चाहिए। चाहे लोकतंत्र खत्म हो जाए, कानून खत्म हो जाए। संविधान में हमें जो अधिकार मिले हैं, बीजेपी को किसी की परवाह नहीं है।

भाजपा में केवल झूठ और प्रोपेगैंडा

उन्होंने कहा कि हिटलर की सरकार में तो प्रोपेगैंडा मंत्रालय होता था, लेकिन इस सरकार में तो पूरे के पूरे ऊपर से नीचे तक बैठे लोग झूठ और प्रोपेगैंडा के अलावा कुछ नहीं कर रहे हैं। वर्तमान में संपन्न हुए निकाय चुनाव में सरकारी तंत्र का दुरूपयोग करने और धांधली का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि ये चुनाव लूट का चुनाव था और लूट चुनाव का ही परिणाम आपको दिखाई दे रहा है।

भाजपा के लोग जीत तो गए हैं, लेकिन चेहरे से वो खुशी नहीं दिखाई दे रही जो जीत की खुशी पर दिखती है। सामाजवादी पार्टी के नेताओं के घर पर बुलडोजर चलाने पर कहा कि क्या एटा में केवल समाजवादियों के ही घर इलीगल हैं। हमें तो खुशी होगी जिस समय अवैध बिल्डिंग की गिनती होगी तो सबसे ज्यादा बीजेपी के ही लोगों के घर निकलेंगे।

राहुल की याचिका पर अब 4 जुलाई को सुनवाई

मोदी सरनेम केस में पटना एचसी ने एसपी-एमएलए कोर्ट में पेश होने की तारीख भी बढ़ाई

पटना, 15 मई (एजेंसियां)। मोदी सरनेम मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अपील पर सोमवार को पटना हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस केस में आगे की तारीख ली गई है। राहुल गांधी के वकील अंशुल वर्मा ने बताया कि इस मामले में आज तारीख ले ली गई है। अब 4 जुलाई को इस मामले में सुनवाई होगी। साथ ही हाईकोर्ट ने एसपी-एमएलए कोर्ट के राहुल गांधी को सशरीर हाजिरी लगाने के फैसले पर लगी रोक को भी तब तक के लिए आगे बढ़ा दिया है।

दरअसल, 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तमिलनाडु के कोलार की एक जनसभा में कहा था कि 'सारे मोदी चोर हैं।' इस बयान के बाद राहुल गांधी पर गुजरात समेत देश के कई जगहों पर कोर्ट में परिवाद दायर किया गया था। उसी क्रम में बिहार भाजपा के नेता और राज्य सभा सांसद सुशील मोदी भी कोर्ट गए थे। इनके कंप्लेन पर ही पटना के एसपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई थी।

सुनवाई करते हुए एसपी-एमएलए कोर्ट ने 25 अप्रैल को राहुल गांधी को सशरीर हाजिर होने का आदेश दिया था। हालांकि, इसी मामले में उस दरम्यान राहुल गांधी को सूरत की कोर्ट ने सजा दे दी थी। इस कारण उनके संसद की सदस्यता को खत्म कर दिया गया था। इसके बाद ही पटना हाईकोर्ट में राहुल गांधी की तरफ से एक अर्जी दी गई थी। जिस पर 24 अप्रैल को सुनवाई हुई थी।

सीनियर एडवोकेट अंशुल वर्मा ने उनका पक्ष रखा था। हाईकोर्ट से अपील की थी कि जब एक मामले में सूरत की कोर्ट से सजा मिल चुकी है तो पटना में उसी मामले को चलाने की जरूरत है। इसके बाद ही पटना हाईकोर्ट ने उस दिन राहुल गांधी को राहत दी। MP-MLA के कोर्ट में पेश होने के फैसले पर 15 मई के लिए रोक लगा दी थी।

सूरत कोर्ट ने सुनाई है 2 साल की सजा

मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी मामले को लेकर भाजपा नेता पूर्णेश मोदी ने भी मानहानि का मामला दर्ज कराया था। जिस मामले में 23 मार्च को गुजरात के सूरत कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी करार देते हुए 2 साल की सजा के अलावा 15 हजार का जुर्माना भी लगाया था।

इस मामले में राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई थी। मामला मोदी सरनेम से जुड़े होने के कारण पटना हाईकोर्ट ने यह साफ कर दिया की सूरत कोर्ट अपना फैसला सुना चुकी है। इसलिए एक केस में दो बार सजा नहीं हो सकती। इसे लेकर राहुल गांधी के वकील ने हाईकोर्ट से समय की मांग की थी।

नीतीश-तेजस्वी से मिलना चाहते हैं धीरेंद्र शास्त्री

आयोजकों ने डिप्टी सीएम से मिलकर दिया न्योता; मुख्यमंत्री से भी मांगा समय

पटना, 15 मई (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री की पटना के तरेत पाली में हनुमंत कथा चल रही है। कथा 17 मई तक चलेगी। कथा में लाखों की भीड़ जुट रही है। कई वीआईपी और वीवीआईपी उनसे मिल रहे हैं और मिलना चाहते हैं। इस बीच पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने बिहार के सीएम और डिप्टी सीएम से मिलने की इच्छा जताई है।

उनके दूत के रूप में बागेश्वर धाम आयोजन समिति के संरक्षक पूर्व आईपीएस अरविंद ठाकुर ने उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की। कार्यक्रम में आकर बाबा से मिलने का आमंत्रण दिया।

अरविंद ठाकुर ने यह भी बताया है कि समिति के लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मिलकर उन्हें तरेतल पाली में कथा आयोजन में आने को लेकर अनुरोध करेंगे।

तेजस्वी यादव को निमंत्रण सौंपने के बाद अरविंद ठाकुर ने बताया कि उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पॉजिटिव रिस्पांस दिया है। निमंत्रण को स्वीकार करते हुए तरेत पाली में हो रहे हनुमंत कथा में आने को लेकर उन्होंने हामी भरी है, लेकिन वे कब आएंगे ये साफ नहीं है।

बता दें कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री के पटना आने से पहले आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह और लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। तेजप्रताप ने अपने संगठन धर्म निरपेक्ष सेवक संघ का पुनर्गठन ही नहीं किया, बल्कि फिजिकल ट्रेनिंग भी तेज कर दी। तेज प्रताप यादव उन्हें डरपोक और देशद्रोही तक कह चुके हैं। आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा था कि धीरेंद्र शास्त्री जैसे को जेल में होना चाहिए। शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर ने भी तीखी टिप्पणी की थी। लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्या ने भी धीरेंद्र शास्त्री पर ट्विटर के जरिए टिप्पणी की और बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की अर्जी लगाई।

तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री पर सीधे-सीधे तीखी प्रतिक्रिया अब तक नहीं की है।

10 मिनट में जले 200 घर..लोग बेघर

बेगूसराय में एक घर में फटा सिलेंडर, आंधी से फैली आग; अब खेतों में लगे तंबू

बेगूसराय, 15 मई (एजेंसियां)। बेगूसराय में रविवार की रात 11 बजे आग में 200 घर जलकर राख हो गए। मटिहानी थाना क्षेत्र के सिहमा गांव के पतला टोला में 10 मिनट में सब तबाह हो गया। बताया जा रहा है कि किसी घर में सिलेंडर ब्लास्ट से आग लगी। इसके बाद तूफान की वजह से आग फैलती चली गई और लोग बेघर हो गए।

किसी की 4 दिन बाद बेटी की शादी थी। तो किसी की पूरी जमा पूंजी जल गई। 6 फायर ब्रिगेड ने आग पर तो काबू पा लिया, लेकिन मौके पर जले सामान अब भी हादसे की पूरी कहानी बता रहे हैं।

सोमवार की सुबह करीब 10 बजे का वक्त था। हम बेगूसराय से

15 किलोमीटर दूर सिहमा गांव के लिए निकले। रास्ते में हमें कुछ लोग मिले जो इस गांव को लेकर ही बात कर रहे थे। आधे घंटे में हम गांव में दाखिल हुए। यहां की तस्वीरें झकझोर देने वाली थीं। लोगों ने हमें घेर लिया। सब अपनी-अपनी परेशानियां बताने लगे। लोगों को लगा कि हम उनकी परेशानी का कुछ हल निकाल देंगे।

हम थोड़ा आगे बढ़े। सामने पतला टोला था। जो अब पूरी तरह से जल चुका था। लोग खेतों में साड़ियों के टेंट लगाकर बैठे थे। बच्चे रो रहे थे। वहीं खेत में लंगर चल रहा था। लोग बैठकर खाना खा रहे थे। थोड़ी दूर पर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी दिखाई दी। जो दवा और बाकी जरूरी चीजें बांट रही थी। इस टोले में रहने वाले रामकल्याण ने हमें हादसे की पूरी कहानी बताई। 52 साल के रामकल्याण ने बताया कि रात के करीब 11 बजे होंगे। ज्यादातर लोग खाना खाने के बाद सो रहे थे। हम भी अपने परिवार के साथ घर में सोने चले गए थे। अचानक से रात करीब 11 बजे चिल्लाने की आवाज आने लगी। मैं घर से बाहर निकला तो देखा आग लगी हुई थी। परिवार को बाहर निकाला। सामान नहीं बचा पाया। रात में आंधी चल रही थी। जिसकी वजह से आग तेजी से फैलती गई। आग की लपटें ऐसी थीं कि उसके पास जाना नामुमकिन था। सब लोग अपने स्तर पर आग बुझाने में जुट गए, लेकिन आग की लपटें ऐसी थीं कि पानी का कोई असर नहीं हो रहा था। रात में फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। 6 फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। 7 साल पहले भी यहां ऐसी ही आग लगी थी।

ललन सिंह के मटन बिरयानी भोज में चली पुलिसिया लाठी, समझें जमीनी पॉलिटिक्स

पटना, 15 मई (एजेंसियां)। जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह की मटन बिरयानी के भोज में पुलिसिया लाठी चलने की खबरें सुर्खियों में है। मटन पार्टी में हंगामे की बात को लेकर कई तरह के इसके राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि मटन के लिए यह हंगामा महागठबंधन के कार्यकर्ताओं के जमीनी स्तर पर मेल नहीं होने का नतीजा है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) का समय ठीक नहीं चल रहा है। हालांकि महागठबंधन में शामिल होने के दौरान राजनीतिक पंडितों ने यह कहा भी था कि यह बेमेल गठबंधन है, जहां यह मिलन केवल शीर्ष के नेताओं का हुआ। जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता एक दूसरे के विरुद्ध ही खड़े हैं। अभी जेडीयू आनंद मोहन की रिहाई या फिर जातीय जनगणना के मामले पर लगी कोर्ट की फटकार से उबर भी नहीं पाई थी कि जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह की मटन बिरयानी भोज विवादों के दायरे में इस कदर आ गया कि कार्यकर्ताओं को अपनी ही सरकार की लाठियां खानी पड़ी। भोज भले महागठबंधन की रही हो पर मुंगेर का पोलो ग्राउंड देखते ही देखते रणक्षेत्र में बदल गया। कार्यकर्ता एक दूसरे के विरुद्ध इस कदर नाराज हुए कि वह अपने नेताओं की बात नहीं सुनी और एक दूसरे से उलझ गए।

क्या बिहार में पेट से गुजरता है पॉलिटिक्स का रास्ता

बिहार में पर्व-त्योहारों पर प्रसाद के बहाने शुरू हुई भोज की परंपरा अब भी बदस्तूर है। भोज के बहाने सियासी बिसात बिछाई जाती रही है। फर्क इतना ही आया है कि पहले दही-चूड़ा, दावत-ए-इफ्तार में फल-फूल से इतर नये जमाने के हिसाब से सियासी भोज के मेन्यू में मांस-मछली का भी समावेश हो गया है। बंगाल की तरह ही बिहार उत्सवजीवी समाज बनता जा रहा है। धार्मिक आयोजन हों या सामाजिक, रजानीति हो या समाज सेवा, आयोजक भोज के बहाने और अवसर के इंतजार में ही रहते हैं। हाल ही खत्म हुए रमजान के महीने में बिहार में इफ्तार की दावतों की धूम रही। बिहार में मकर संक्रांति के मौके पर दही-चूड़ा भोज की परंपरा भी पुरानी है। अब तो बदलते जमाने के हिसाब से राजनीतिज्ञों ने भोज के मेन्यू भी बदल दिए हैं।

लालू के सीएम बनने पर शुरू हुई भोज की परंपरा

लालू यादव और राम विलास पासवान (अब स्वर्गीय) हर साल दही-चूड़ा भोज के आयोजन करते रहे। वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने सबसे अलग मछली-भात के भोज की परंपरा शुरू की तो जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीन रंजन उर्फ ललन सिंह ने उनसे एक कदम आगे बढ़ कर मटन-पुलाव भोज का आयोजन आरंभ किया। पंचायत चुनाव हो या असेंबली और लोकसभा का चुनाव, संभावित या घोषित प्रत्याशी भोज के जरिए ही अपनी हवा बनाते रहे हैं। कई तो जीत के बाद भी दावत देते रहे हैं। 2009 में ऐसा ही हुआ था। उस साल हुए लोकसभा चुनाव में हारने-जीतने वाले तीन प्रमुख दलों- जेडीयू, आरजेडी और कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं-समर्थकों को दावत दी थी।

साल 2009 में नीतीश कुमार एनडीए में थे। लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद उनकी पार्टी ने कार्यकर्ताओं को भोज दिया था। नीतीश को अपना सियासी दुश्मन समझने वाले आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद पीछे कैसे छूटते। आरजेडी ने कार्यकर्ता सम्मेलन के नाम पर भोज का आयोजन किया। सीटें संतोषजनक न मिलने के बावजूद कांग्रेस ने भी कार्यकर्ताओं के लिए भोज का आयोजन किया था। हालांकि किसी भी दल ने इसे सियासी भोज नहीं स्वीकारा। किसी ने इसे सामाजिक समसता से जोड़ा तो किसी ने कार्यकर्ता सम्मेलन में आए लोगों को महज भोजन की व्यस्था बताई।

साल 2018 में जेडीयू के अध्यक्ष रहे वशिष्ठ नारायण सिंह ने दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया तो उसमें कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक चौधरी अपने विधायकों के साथ शामिल हुए थे। बाद में अशोक चौधरी अपने समर्थकों के साथ जेडीयू का हिस्सा बन गए। जेडीयू में जाने से पहले और वशिष्ठ नारायण सिंह के भोज के बाद अशोक चौधरी ने भी अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन किया था। उसमें वही विधायक शामिल हुए, जिन्होंने चौधरी के साथ कांग्रेस को बाद में बाय बोल दिया था।

ललन सिंह ने मटन-भात भोज की शुरुआत 2019 में की थी। तब कहा था कि इस तरह का आयोजन हर साल वे अपने इलाके में करेंगे। दुर्भाग्यवश कोरोना के कहर से देश तबाह हो गया और दो साल भोज नहीं हो पाया था। इस बार अप्रैल में ही भोज होना था, लेकिन विधान परिषद चुनाव की वजह से इसे टाल दिया गया। मुंगेर के पोलो ग्राउंड में रविवार को उन्होंने भोज दिया। तैयारी तो 35 हजार लोगों को मटन-पुलाव खिलाने की थी, लेकिन उतनी भीड़ नहीं जुटी। हां, जितने लोग भोज में शामिल हुए, उनकी संख्या भी कम न थी।

बिहार में मोका तूफान का असर...

कई शहरों में बदला मौसम

मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, दरभंगा, वैशाली में तेज हवा के साथ हुई बारिश; 20 जिलों में अलर्ट

पटना, 15 मई (एजेंसियां)। बिहार में मोका तूफान का असर दिखना शुरू हो गया है। देर रात प्रदेश के कई जिलों में मौसम का मिजाज बदला। मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, वैशाली, मोतिहारी और दरभंगा में तेज हवा के साथ बारिश हुई। वैशाली में ओले भी गिरे हैं। पटना में दोपहर से हवा चल रही है। मौसम विभाग ने हाल ही में यह अनुमान लगाया था कि मोका तूफान के कारण मौसम में हल्का परिवर्तन देखा जा सकता है। हल्की बूंदाबांदी के आसार जताए गए थे। जिसका असर कुछ जिलों में रविवार की रात दिखा। वहीं, 17 और 18 मई को राज्य के 20 जिलों में बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में आज भी मौसम शुष्क बना रहेगा। 3 जिलों में हीट वेव को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। जिन जिलों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है, उनमें रोहतास, भभुआ और औरंगाबाद शामिल है। वहीं, पिछले 24 घंटे के दौरान नालंदा जिला सबसे गर्म रहा जहां का अधिकतम पारा 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, कई हिस्सों में पछुआ के बाद पुरवा हवा का प्रवाह है जिससे चिलचिलाती धूप से थोड़ी राहत है।

15 से 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती हैं। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। वहीं, चक्रवाती तूफान के कारण किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, अररिया, मधेपुरा, भागलपुर और बांका में भी तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है।

न्यायपालिका पर टिप्पणी मामले में कानून मंत्री-उपराष्ट्रपति को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई याचिका

नई दिल्ली , 15 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें वकीलों के एक संगठन ने कानून मंत्री किरेन रिजिजू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर कार्रवाई की मांग की थी। बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन (बीएलए) ने न्यायपालिका को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में रिजिजू और धनखड़ के खिलाफ याचिका डाली थी।

क्या थी वकीलों के संगठन की शिकायत?

वकीलों के संगठन ने बॉम्बे हाईकोर्ट के नौ फरवरी के आदेश को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। हाईकोर्ट में वकीलों के संगठन की याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि यह संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत रिट अधिकार क्षेत्र को लागू करने के लिए उपयुक्त मामला नहीं था।

बीएलए ने दावा किया था कि रिजिजू और धनखड़ ने अपनी टिप्पणियों और आचरण से संविधान में विश्वास की कमी दिखाई है। बीएलए ने धनखड़ को उपराष्ट्रपति के रूप में और रिजिजू को केंद्र सरकार के कैबिनेट मंत्री के रूप में कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने के लिए आदेश देने का अनुरोध किया था। याचिका में कहा गया था कि दोनों (रिजिजू और धनखड़) ने न्यायपालिका, विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की। बीएलए ने कुछ कार्यक्रमों में उपराष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्री के दिए गए बयानों का हवाला दिया। हाईकोर्ट ने नौ फरवरी को जनहित याचिका को खारिज कर दिया था।

एक अपील में वकीलों के संगठन ने कहा कि उपराष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्री द्वारा न केवल न्यायपालिका बल्कि संविधान पर 'हमले' ने सार्वजनिक रूप से शीर्ष अदालत की प्रतिष्ठा को घटाया है।

क्या बोले थे रिजिजू और धनखड़?

केंद्रीय कानून मंत्री रिजिजू ने कहा था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली ''अस्पष्ट और अपारदर्शी'' है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 1973 के केशवानंद भारती केस के ऐतिहासिक फैसले पर सवाल उठाया था, जिसने बुनियादी ढांचे का सिद्धांत दिया था। धनखड़ ने कहा था कि इस फैसले ने एक गलत मिसाल कायम की है और अगर कोई प्राधिकार संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति पर सवाल उठाता है, तो यह कहना मुश्किल होगा कि 'हम एक लोकतांत्रिक राष्ट्र हैं'।

सीआरपीसी है साहब, मजाक नहीं

एडवोकेट ने नार्को टेस्ट को लेकर दिया जोर तो भड़के चीफ जस्टिस, बोले- हम कानून बनाने वाले नहीं

एडवोकेट अश्वनी उपाध्याय

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। एडवोकेट अश्वनी उपाध्याय ने जनहित याचिका दायर करके हाईकोर्ट से मांग की थी कि फेक केसेज पर लगाम कसने के लिए दिल्ली पुलिस को आदेश दिया जाए कि वो शिकायतकर्ताओं से पूछे कि क्या वो अपने आरोप साबित करने के लिए नार्को एनेलिसिस और ब्रेन मैपिंग टेस्ट कराने के लिए तैयार हैं।

बीजेपी के नेता और एडवोकेट अश्वनी उपाध्याय की एक पीआईएल को देखकर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस भड़क गए। ओपन कोर्ट में उन्होंने उपाध्याय को फटकार लगाते हुए कहा कि मजाक थोड़ी है, सीआरपीसी है साहब। कहां लिखा हुआ है कि एक वाक्य और पूछ सकते हैं। हम सीआरपीसी से बाहर नहीं जाएंगे। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने उपाध्याय से कहा कि हमें दिखाइए कि सीआरपीसी में कहां इसे अनिवार्य बताया गया है कि पुलिस को शिकायतकर्ता से पूछना होगा। चीफ जस्टिस का कहना था कि हम कानून बनाने वाले नहीं हैं। उपाध्याय की याचिका पर फैसला रिजर्व रखा गया है।

फेक केसेज पर लगाम कसने के लिए दायर की पीआईएल

दरअसल, अश्वनी उपाध्याय ने जनहित याचिका दायर करके हाईकोर्ट से मांग की थी कि फेक केसेज पर लगाम कसने के लिए दिल्ली पुलिस को आदेश दिया जाए कि वो शिकायतकर्ताओं से पूछे कि क्या वो अपने आरोप साबित करने के लिए नार्को एनेलिसिस और ब्रेन मैपिंग टेस्ट कराने के लिए तैयार हैं। उपाध्याय का कहना था कि अगर शुरुआत में ही इस तरह के टेस्ट करा लिए जाए तो फेक केसेज पर लगाम कसने में बहुत ज्यादा मदद मिलेगी।

उपाध्याय का कहना था कि अगर ऐसा हो जाता है कि पुलिस की विवेचना में लगने वाले समय के साथ कोर्ट का कीमती समय भी बच सकेगा। याचिका में हाईकोर्ट से ये भी मांग की गई थी कि विकसित देशों में मौजूद सिस्टम का अध्ययन करने के बाद इस सिलसिले में वो डिटेल रिपोर्ट दाखिल करे। उपाध्याय ने याचिका में मांग की कि भारत सरकार को फेक केसेज को काउंटर करने के लिए एक रणनीति तैयार करनी होगी। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच उस समय भड़क गई जब उपाध्याय बार बार दलील देकर कोर्ट से इस बारे में आदेश पारित करने की मांग करने लगे। बेंच ने दो टूक कहा कि वो कानून बनाने वाले नहीं हैं और सीआरपीसी के बाहर जाकर वो कोई काम नहीं करने वाले।

याचिका के मुताबिक किसी पर चार्ज फ्रेम हो जाता है और उसे इस तरह के टेस्ट कराकर अपने खिलाफ ही गवाह बनने के लिए दबाव दिया जाता है तो वो आर्टिकल 20(3) के तहत राहत की मांग कर सकता है। लेकिन शिकायतकर्ता के आरोपों की जांच के लिए उसका नार्को या ब्रेन मैपिंग टेस्ट कराया जाता है तो आर्टिकल 20(3) की उल्लंघना नहीं होती है। याचिका में केंद्र, दिल्ली सरकार के साथ दिल्ली पुलिस और सीबीआई को पार्टी बनाया गया है।

आशीष मोरे पर सख्त हुई दिल्ली सरकार

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद थमाया कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों के फेरबदल के मामले में केजरीवाल सरकार को बड़ी राहत दी थी। इसके बाद से दिल्ली सरकार एक्शन मोड में है। दिल्ली सरकार ने सचिव (सेवा) अधिकारी आशीष मोरे को ट्रांसफर आदेश के बावजूद अवैध तरीके से पद पर बने रहने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आशीष मोरे का सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के कुछ घंटे बाद ही ट्रांसफर कर दिया गया था। दिल्ली सरकार ने आशीष मोरे की जगह 1995-बैच के आईएएस अधिकारी और दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सीईओ ए के सिंह को नया सचिव नियुक्त किया है। 11 मई को सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच ने फैसला सुनाया था कि दिल्ली में अधिकारियों की तैनाती और ट्रांसफर का अधिकारी चुनी हुई सरकार के पास ही रहेगा। राज्यपाल चुनी हुई सरकार की सलाह पर ही काम करेंगे। वहीं पुलिस, पब्लिक और प्रॉपर्टी से जुडे. मामलों पर फैसला लेने का अधिकार केंद्र सरकार का होगा। इस फैसले के आने के कुछ घंटे बाद ही दिल्ली सरकार ने राज्य के सर्विसेज डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी आशीष का तबादला कर दिया था। विभाग के अतिरिक्त सचिव ने जवाब दिया कि दिल्ली सरकार के पास खुद अधिकारियों को स्थानांतरित करने या पोस्टिंग देने की शक्ति नहीं है। क्योंकि अभी गृह मंत्रालय का वो आदेश प्रभावी है।

भीषण गर्मी से बेहाल हुए लोग, एक दर्जन जिलों में हीट वेव का हाई अलर्ट

भोपाल, 15 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में लगातार लू का प्रभाव बढ़ता जा रहा है लेकिन रविवार को किसी भी जिले में लू नहीं चली। वहीं, राज्य के सभी जिलों का अधिकतम तापमान भी 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच गया है। हालांकि शनिवार की तुलना में रविवार को प्रदेश के अधिकतम तापमान थोड़ा गिरावट दर्ज हुई। शनिवार को खरगोन में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था, जो कि रविवार को उतरकर 44.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इधर, मौसम विभाग ने सोमवार को भी प्रदेश के एक दर्जन जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के सभी जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ है। इनमें से अधिकांश जिलों का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को छूने को बेताब है। रविवार को भी खरगोन जिला प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा। यहां 44.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ है। खजुराहो में 44.4, नोगांव में 44.1, दमोह में 44, ग्वालियर में 43.6, गुना में 13.5, खंडवा में 43.5, रतलाम में 43.5, भोपाल में 43.3, सागर में 43.3, शिवपुरी में 43, टीकमगढ़ में 43, रायसेन में 42.4, सतना में 42.1, धार में 42, नरसिंहपुर में 42, रीवा में 42, उमरिया में 41.7, उज्जैन में 41.6, छिंदवाड़ा में 41.4, सीधी में 40.4, मलाजखंड में 40.4, मंडला में 41.2, जबलपुर में 41.1, नर्मदापुरम में 41, इंदौर में 40.8, बैतूल में 40.7 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ है।

खरगोन देश का छठवां सबसे गर्म जिला

मध्य प्रदेश का खरगोन रविवार को देश के सबसे गर्म जिलों में 6वे नंबर पर रहा। गौरतलब है कि शनिवार को 46 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ खरगोन देश का सबसे गर्म जिला और दुनिया का चौथा सबसे गर्म शहर बन गया था।

इन जिलों में लू की चेतावनी

मौसम वैज्ञानिकों ने बताया है कि आने वाले 5 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है, लेकिन 15 से 17 मई के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में लू चल सकती है। 21 मई तक प्रदेश का मौसम शुष्क बना रहेगा। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि सोमवार को चंबल संभाग के जिलों में और रतलाम, धार, ग्वालियर, दमोह, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, खरगोन और गुना जिलों में सोमवार को लू चल सकती है।

गुरुद्वारा परिसर में शराब पी रही महिला की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़, 15 मई (एजेंसियां)। पंजाब के पटियाला में एक गुरुद्वारे में कथित तौर पर शराब पीने को लेकर एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वरुण शर्मा के मुताबिक घटना रविवार शाम की है। पुलिस ने बताया कि महिला परमिंदर कौर (33) दुखनिवार साहिब गुरुद्वारे के 'सरोवर' के पास कथित तौर पर शराब पी रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि जब एक गुरुद्वारे के अटेंडेंट ने उसे रोका तो महिला ने बोतल तोड़ दी और उसके हाथ पर वार किया। उसके बाद उसे गुरुद्वारे के प्रबंधक के कमरे में ले जाया गया। जहां पास खड़े एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकाली और उसे चार गोलियां मार दीं, पुलिस ने कहा कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी पहचान पटियाला के अर्बन एस्टेट निवासी निर्मलजीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि वह एक प्रॉपर्टी डीलर है। वो गुरुद्वारा हर रोज आता है। फायरिंग में अटेंडेंट सागर मल्होत्रा भी घायल हुआ है।

पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) वरुण शर्मा ने कहा कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने जिस पिस्तौल से महिला की गोली मारकर हत्या की उसका भी बरामद कर लिया गया है। एसएसपी ने कहा कि यह पूरा मामला जांच का विषय है। यह एक संवेदनशील मुद्दा है।

सुप्रीम कोर्ट ने गंगा, यमुना नदियों की सफाई से जुड़ी याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गंगा और यमुना नदियों को साफ करने व उनके कायाकल्प की कार्य योजना की निगरानी करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। उसने कहा कि इसके लिए एक विशेष न्यायाधिकरण है।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने याचिकाकर्ता को अपनी शिकायतों के साथ राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) से संपर्क करने के लिए कहा। पीठ ने कहा कि आप एनजीटी में क्यों नहीं जाते? इसके लिए एक विशेष न्यायाधिकरण है। हम इस पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं।

बता दें, शीर्ष अदालत स्वामी गुरचरण मिश्रा द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें नदियों को साफ करने और उनके कायाकल्प के लिए कार्य योजना की निगरानी करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

कर्नाटक के बाद एमपी पर कांग्रेस की नजर

चुनाव अभियान का शंखनाद करने अगले महीने आएंगी प्रियंका गांधी

जबलपुर, 15 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस पार्टी की निगाहें अब मध्य प्रदेश पर टिक गई हैं। राज्य में विधानसभा चुनाव में करीब पांच महीने का समय बाकी है, लेकिन कांग्रेस अभी से तैयारियों में जुट गई है। प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह राज्य के अलग-अलग हिस्सों के दौरे कर रहे हैं। अब प्रियंका गांधी भी मध्य प्रदेश आ रही हैं। चुनाव अभियान का शंखनाद करने के लिए प्रियंका 12 जून को जबलपुर आएंगी।

कांग्रेस अपना चुनावी अभियान महाकौशल क्षेत्र से शुरू कर रही है। इसी सिलसिले में 12 जून को जबलपुर में एक बड़ा रोड शो करेंगी। रोड शो के बाद वे ग्वारीघाट में नर्मदा की पूजा करेंगी और एक जनसभा को भी संबोधित करेंगी। जनसभा में डेढ़ से दो लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है। प्रियंका के दौरे को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

कर्नाटक में चुनाव के दौरान प्रियंका ने बढ़-चढ़कर पार्टी के पक्ष में प्रचार किया था। इसका फायदा भी पार्टी को मिला। प्रियंका जिन इलाकों में गईं, वहां की करीब 60 प्रतिशत सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली। पार्टी को उम्मीद है कि प्रियंका एमपी में भी पार्टी के पक्ष में माहौल बना सकती हैं। केवल प्रियंका ही नहीं, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे भी जल्द ही मध्य प्रदेश के दौरे पर आ सकते हैं। हालांकि, उनका कार्यक्रम अभी तय नहीं है।

चुनाव अभियान की शुरुआत के लिए जबलपुर को एक रणनीति के तहत चुना गया है। जबलपुर संभाग के आठ जिलों में विधानसभा की 38 सीटें हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में यह क्षेत्र कांग्रेस के मजबूत गढ़ के रूप में उभरा था। बीजेपी को 38 में से केवल 13 सीटों पर ही जीत मिली थी। दूसरा कारण यह भी है कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' इस क्षेत्र से नहीं गुजरी थी। महाकौशल क्षेत्र में प्रियंका के दौरे से पड़ोसी विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्रों में भी कांग्रेस को मदद मिलेगी।

परीक्षा में फेल, मां-बाप से डांट का डर और लड़की ने रच दी अपनी ही किडनैपिंग की फेक स्टोरी!

इंदौर, 15 मई (एजेंसियां । परीक्षा में नाकाम होना एक 17 वर्षीय लड़की को इतना डरा गया कि उसने खुद के लिए ही किडनेपिंग की योजना बना ली। पुलिस के मुताबिक लड़की अपनी वार्षिक स्नातक परीक्षा में विफल हो गई थी और उसने इस विफलता के डर से अपहरण की झूठी कहानी रची और इंदौर से मध्य प्रदेश के उज्जैन भाग गई, लड़की को डर था की उसे उसके मां-बाप डाटेंगे.. पुलिस ने जानकारी दी कि वह इंदौर के एक कॉलेज में बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में थी। फिलहाल उसे शनिवार (13 मई) को इंदौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित उज्जैन से लाकर परिवार को सौंप दिया गया है।

सीसीटीवी फुटेज से हुआ झूठ का खुलासा

इंदौर के बाणगंगा थाने के इंस्पेक्टर राजेंद्र सोनी ने बताया, "लड़की के पिता ने शुक्रवार रात शिकायत दर्ज कराई कि उनकी बेटी का परीक्षा परिणाम घोषित होने के कुछ घंटों बाद इंदौर में एक मंदिर के पास से अपहरण कर लिया गया, जब वह कॉलेज से घर जा रही थी।"

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि लड़की के पिता ने जानकारी दी थी कि उनकी बेटी ने उन्हें एक अज्ञात नंबर से फोन किया और सूचित किया कि उसका इंदौर में अपहरण कर लिया गया है। लड़की अपने पिता को बताया कि कॉलेज के एक फैकल्टी सदस्य ने उसे मंदिर के पास एक चौराहे पर छोड़ दिया था, जिसके बाद वह एक ई-रिक्शा में सवार हो गई थी। इंस्पेक्टर ने कहा कि लड़की ने अपने पिता को यह भी बताया कि रिक्शा चालक उसे एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके मुंह पर कपड़ा रख दिया जिससे वह बेहोश हो गई, पुलिस ने कहा, "जब लड़की द्वारा बताए गए क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई, तो उसका दावा गलत पाया गया।"

इस बीच पुलिस को उज्जैन में एक रेस्तरां में अकेली बैठी एक लड़की के बारे में जानकारी मिली और उसकी तस्वीर शिकायतकर्ता द्वारा दी गई तस्वीर से मेल खाती थी." बाद में लड़की को इंदौर लाया गया और उसके बैग की जांच की गई। उसमें इंदौर-उज्जैन बस टिकट के साथ उज्जैन के एक रेस्टोरेंट का बिल मिला। बाद में एक महिला पुलिसकर्मी ने उसकी काउंसलिंग की। लड़की ने काउंसलर को बताया कि उसने अपहरण की कहानी गढ़ी क्योंकि वह बीए पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष की अंतिम परीक्षा में असफल होने के बाद अपने माता-पिता का सामना करने की स्थिति में नहीं थी। उसे डर था कि वे उसे डांटेंगे...। पुलिस ने कहा कि लड़की को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया है।

आखिरी दिन रो पड़े न्यायाधीश एमआर शाह

नई दिल्ली , 15 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के चौथे वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमआर शाह का सोमवार यानी आज उनके काम का आखिरी दिन था। इस दौरान वह भावुक हो गए। उन्होंने रोते हुए कहा कि वह सेवानिवृत्त होने वाले व्यक्ति नहीं हैं। जीवन में एक नई पारी की शुरुआत करेंगे। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली औपचारिक बेंच पर बैठे न्यायमूर्ति शाह ने अपने भाषण के अंत में राज कपूर का फेमस गाना 'जीना यहां, मरना यहां' गाया।

उन्होंने कहा कि मैं सेवानिवृत्त होने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैं अपने जीवन की एक नई पारी शुरू करने जा रहा हूं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह नई पारी के लिए शक्ति और साहस और अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करें। साथ ही उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि मुझे राज कपूर का गाना 'कल खेल में हम हो ना हो, गर्दिश में तारे रहेंगे सदा' याद आ रहा है। बता दें, 2 नवंबर, 2018 को शीर्ष अदालत में नियुक्त किए गए न्यायमूर्ति शाह की सेवानिवृत्ति के साथ शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या अब सीजेआई सहित 32 हो जाएगी। एक दिन पहले ही जस्टिस दिनेश माहेश्वरी सेवानिवृत्त हुए थे। विदाई समारोह में प्रधान न्यायाधीश ने शाह के साथ अपने रिश्तों को याद किया। उन्होंने कहा कि मैं भारत का अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल था उस समय से मेरा शाह के साथ रिश्ता है। बाद में जब वह सुप्रीम कोर्ट में आए तो हमारी दोस्ती को एक नया रूप मिल गया। उन्होंने कहा कि हम कठिन समय में कोरोना महामारी के दौरान एक साथ बैठे। सीजेआई ने आगे कहा कि जब मैं शाम को इस अध्यक्षता से मुक्त हो जाऊंगा, तब शाह के दोस्त के रूप में आप सभी से बात करूंगा। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि शाह हमेशा चुनौती के लिए तैयार रहते हैं। यहां तक कि कोविड के समय में भी मैंने पाया कि जब हम अपने-अपने घरों में बैठे थे और कुछ पेचीदे मामले सामने आ रहे थे उस समय वह हर चुनौती के लिए तैयार थे। उन्होंने कहा कि वह कभी ऐसे व्यक्ति नहीं रहे, जो काम से बचते हों। अगर मैंने एक निर्णय भेजा होगा तो शाह का फैसला रातोंरात उनकी टिप्पणियों के साथ वापस आ जाता था।

न्यायमूर्ति शाह ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में सेवा करने में मदद करने के लिए बार के सदस्यों और एससी अधिकारियों और उनके सहायक कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। शाह ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं इसके लायक हूं या नहीं, लेकिन मैं इसे विदाई उपहार के रूप में स्वीकार करता हूं। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल के दौरान अगर किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं माफी मांगता हूं। मैंने हमेशा अपने काम को पूजा के रूप में लिया है। मैं आपके द्वारा दिए गए प्यार और स्नेह से अभिभूत हूं। मैं सभी का आभारी हूं। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अन्य सहित बार के नेताओं ने बेंच में जस्टिस शाह को उनके सेवानिवृत्ति के लिए बधाई दी। मेहता ने कहा कि मैंने अपने भगवान को एक न्यायाधीश के रूप में और एक वकील के रूप में भी जाना है, वह उन कुछ बहादुर न्यायाधीशों में से एक हैं जिन्हें मैंने जाना है।

अलग प्रदेश की मांग को सीएम ने ठुकराया

बोले- मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की हर कीमत पर की जाएगी रक्षा

इंफाल, 15 मई (एजेंसियां)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी। सीएम ने कुकी जनजाति से ताल्लुक रखने वाले 10 विधायकों की उस मांग को ठुकरा दिया, जिसमें अलग प्रदेश की मांग की गई थी। मणिपुर सीएम ने कहा कि 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन' शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले उग्रवादी संगठन अपने निर्धारित शिविरों में लौट जाएं।

लोगों से धरना प्रदर्शन ना करने की अपील

मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह ने रविवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें राज्य के हालात के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने अमित शाह के मुलाकात के बाद मीडिया से

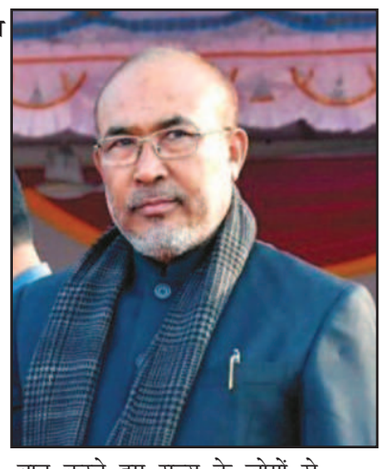

बात करते हुए राज्य के लोगों से अपील की कि वह राज्य में फिलहाल धरना या रैलियां आयोजित ना करें। उन्होंने ये भी कहा जिन प्रदर्शनकारियों ने राजमार्गों पर धरना दिया हुआ है, उन्हें बलपूर्वक नहीं हटाया जाएगा और उनसे बातचीत करने की कोशिश की जाएगी। सीएम ने कहा कि 'मैं लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मणिपुर में क्षेत्रीय अखंडता की हर कीमत पर रक्षा की जाएगी।'

आरक्षण की मांग को लेकर भड़की हिंसा

बीते दिनों राज्य में हुई हिंसा में सशस्त्र उग्रवादियों की संलिप्तता का खुलासा हुआ है। इसकी जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री को भी दी गई। बता दें कि मणिपुर में बहुसंख्यक मैती समुदाय जनजातीय आरक्षण देने की मांग कर रहा है। जिसके विरोध में बीती 3 मई को राज्य के पहाड़ी जिलों में जनजातीय समुदाय द्वारा रैली निकाली गई, जिसके कारण राज्य में हिंसा भड़की। मैती समुदाय की जनसंख्या मणिपुर की कुल जनसंख्या की 53 प्रतिशत है और यह अधिकतर लोग इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं नागा और कुकी जनजाति के लोग जो 40 प्रतिशत हैं, वो पहाड़ी जिलों में रहते हैं। मणिपुर हिंसा में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

स्वतंत्र वार्ता
मंगलवार, 16 मई- 2023

कर्नाटक का मुख्यमंत्री कौन बनेगा- डीके, सिद्धा या स्वयं खड़गे

अशोक भाटिया

कर्नाटक चुनाव में ऐतिहासिक जीत के बाद अब कांग्रेस के सामने मुख्यमंत्री पद को लेकर दिक्कत पेश आ रही है और ये माना जा रहा है कि अगले एक या दो दिन में पार्टी प्रदेश के नए मुख्यमंत्री का ऐलान कर देगी। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डीके शिवकुमार दोनों ही मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे हैं, लेकिन उनमें भी कांग्रेस नेता सिद्धारमैया बढ़त बनाए हुए हैं। कांग्रेस को चिंता है कि कहीं ऐसा न हो कि कर्नाटक में भी राजस्थान जैसा सियासी ड्रामा हो जाए। अशोक गहलोत और सचिन पायलट की तरह ही भिड़ंत सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार में न हो जाए। कर्नाटक में कांग्रेस के ये दोनों ही क़द्दावर नेता मुख्यमंत्री की रेस में हैं। और खुद को सबसे आगे मान रहे हैं।कई चैनल उनके सूत्रों से खबर चला रहे है कि दोनों की खीचा खाची से बचने के लिए व कर्नाटक को राजस्थान जैसी हालात से बचने के लिए स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मुख्यमंत्री बन सकते है । कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने सभी विधायकों से कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री पर राय ली। बीती देर रात तक विधायकों से राय लेने की प्रक्रिया चली है। अब कर्नाटक को लेकर पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट तैयार लगभग है, जिसे वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंपेंगे। राज्य में 10 मई को हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 135 सीटों के साथ शानदार जीत हासिल की, जबकि भाजपा को केवल 66 सीटें मिलीं। अब सूत्रों की मानें तो अब दो के बदले इस रेस में तीन नामों पर कयास लगाए जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, प्रदेश पार्टी अध्यक्ष डी के शिवकुमार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे। जीत के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया मीडिया के सामने आए तो खुद को रोक नहीं पाए और भावुक हो गए। दावेदारी को लेकर दोनों नेताओं के समर्थकों के बीच कर्नाटक में पोस्टर वार भी शुरू हो चुकी है।सिद्धारमैया एक बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, वहीं डी के शिवकुमार की ये इच्छा लंबे समय से अधूरी है, जिसे वे इस बार पूरा कर लेना चाहते हैं।कौन बनेगा कर्नाटक का मुख्यमंत्री? इस सवाल का पता लगाने के लिए हमने कर्नाटक की राजनीति को सालों से जानकारी रखने वाले वरिष्ठ लोगों की राय जानी । सबसे पहले बात सबसे पहले डी के शिवकुमार की। साल 2020 में उन्हें कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष का जिम्मा सौंपा था। यह ऐसा समय था जब कांग्रेस राज्य में अपने बुरे दौर से गुजर रही थी, सिद्धारमैया कैबिनेट में रहे कई मंत्री तक अपना चुनाव हार गए थे। डी के शिवकुमार कांग्रेस पार्टी के पुराने वफादार नेता हैं। वे राज्य में वोक्कालिगा समुदाय के सबसे बड़े नेताओं में से एक माने जाते हैं। साल 1989 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने कभी कांग्रेस छोड़ किसी दूसरी पार्टी की तरफ झांककर नहीं देखा। उन्होंने आठवीं बार कनकपुरा विधानसभा सीट से जीत दर्ज की है। उन्हें साल 2019 में मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी के आरोप में करीब दो महीने दिल्ली की तिहाड़ जेल में भी बिताने पड़े थे। डी के शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने की संभावना पर बात करते हुए वरिष्ठ राजनीतिक जानकर कहते हैं कि राज्य में 60-40 की स्थिति है। वे कहते हैं, ₹यह 60 प्रतिशत समर्थन उन्हें हाईकमान की तरफ से है। कांग्रेस की लीडरशिप में खड़गे, राहुल गांधी और सोनिया गांधी उन्हें पसंद करते हैं और उनके समर्थन में भी दिखाई देते हैं। उन्होंने 2018 में पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद दिन रात मेहनत की है। उन्होंने कांग्रेस के मुश्किल समय में जमीनी कार्यकर्ता से लेकर सीनियर लीडरशिप तक में आत्मविश्वास भरने का काम किया है।कांग्रेस हाईकमान के साथ करीब होने की बात दूसरे वरिष्ठ पत्रकार भी करते हैं। एक स्थानीय पत्रकार कहते हैं, राजस्थान के अंदर चुनाव प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट के नेतृत्व में लड़ा गया था लेकिन जैसे ही सरकार बनाने की बात आई तो अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई। ऐसा ही कुछ कर्नाटक में भी हो सकता है।कर्नाटक में ये कहा जा सकता है कि चुनाव कैंपेन डी के शिवकुमार ने खड़ा किया है। उसको फाइनेंस करने से लेकर लंबा संघर्ष किया है, लेकिन 2024 से पहले कांग्रेस कोई भी चांस नहीं लेना चाहती, क्योंकि पिछली बार ऑपरेशन लोटस ने जेडीएस और कांग्रेस के विधायक तोड़ दिए थे। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए उन्हें मौका मिलना मुश्किल है।उनका कहना है कि कर्नाटक का जनादेश कांग्रेस पार्टी लोकसभा सीटों में बदलना चाहेगी और कुछ भी ऐसा कदम नहीं उठाएगी जिससे राज्य की लीडरशिप में लड़ाई हो। शिवकुमार के ऊपर ईडी का केस है, जो उनकी दावेदारी को कमजोर करता है। हालांकि भाजपा यह कभी नहीं चाहेगी कि वे मुख्यमंत्री बने क्योंकि वे काफी रिसोर्सफुल हैं और उनमें लड़ने की शक्ति है। दूसरा कर्नाटक में कांग्रेस के बड़े नेता सिद्धारमैया को फिर से मुख्यमंत्री पद का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। साल 1983 में पहली बार कर्नाटक विधानसभा में चुनकर आए। 1994 में जनता दल सरकार में रहते हुए कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री बने। एचडी देवगौड़ा के साथ विवाद होने के बाद जनता दल सेक्युलर का साथ छोड़ा और 2008 में कांग्रेस का हाथ पकड़ा। वे 2013 से 2018 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे चुके हैं।

उन्होंने अब तक 12 चुनाव लड़े हैं जिसमें से नौ में जीत दर्ज की है। मुख्यमंत्री रहते हुए गरीबों के लिए चलाई गई उनकी कई योजनाओं की काफी तारीफ हुई, जिसमें सात किलो चावल देने वाली वालाअन्न भाग्य योजना, स्कूल जाने वाले छात्रों को 150 ग्राम दूध और इंदिरा कैंटीन शामिल थीं। वे लिंगायत और हिंदू वोटरों के बीच डी के शिवकुमार से कम लोकप्रिय माने जाते हैं। इसकी वजह मैसूर के शासक टीपू सुल्तान की जयंती को धूमधाम से मनाना और जेल से पीएफआई और एसडीपीआई के कई कार्यकर्ताओं को रिहा करना शामिल है। सिद्धारमैया की दावेदारी को राजनीति के जानकर पहले ही शिवकुमार के मुकाबले कमजोर बता चुके हैं। उनका कहना है कि जितनी मेहनत पिछले पांच सालों में शिवकुमार ने की है उसका मेहनताना उन्हें इस बार मिल सकता है। दोनों के बीच कोल्ड वार पहले से चल रही है और यह आगे भी चलती रहेगी। उनके पास पांच साल मुख्यमंत्री होने का अनुभव है। सिद्धारमैया को पिछले 35 साल से जानने वाले कहते है कि वे डी के शिवकुमार की कैबिनेट में उप-मुख्यमंत्री का पद नहीं लेंगे। सिद्धारमैया शांत नहीं बैठेंगे। वे शिवकुमार के खिलाफ जरूर कुछ न कुछ करेंगे। दूसरी तरफ कुछ जानकर सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री का सबसे बड़ा दावेदार मानते हैं। वे कहते हैं, सिद्धारमैया पहले मुख्यमंत्री रह चुके हैं और उनके कांग्रेस लीडरशिप के साथ राजनीतिक कनेक्शन अच्छे हैं। उन्होंने खुद कहा है कि यह उनका आखिरी चुनाव है, ऐसे में कांग्रेस उन्हें पहले मौका दे सकती है।कुछ कहते हैं, एक फ़ार्मूले के रूप मे कर्नाटक में कांग्रेस ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बना सकती है और इस क्रम में सिद्धारमैया को पहले मौका मिल सकता है। हालांकि कांग्रेस का यह फॉर्मूला छत्तीसगढ़ में कामयाब नहीं हो पाया। दोनों नेताओं के अलावा एक तीसरा नाम है कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का।

चुनाव से पहले कई मौकों पर उनसे यह सवाल बार बार किया गया कि क्या कांग्रेस के चुनाव जीतने पर वे मुख्यमंत्री का पद संभालेंगे? अप्रैल में कर्नाटक के कोलार में हुई जनसभा में कांग्रेस अध्यक्ष ने साफ कहा था कि वे नीलम संजीव रेड्डी की तरफ मुख्यमंत्री पद की रेस में नहीं है। 1962 में नीलम संजीव रेड्डी कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुख्यमंत्री पद की होड़ में शामिल थे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुख्यमंत्री न बन पाने की टीस उनके दिल में हमेशा से रही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक खड़गे तीन बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनने से चुके हैं। 1999 में, हाईकमान ने एस एम कृष्णा को मुख्यमंत्री बना दिया था। दूसरी बार जेडीएस के अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा ने कांग्रेस और जेडीएस की साझा सरकार के नेतृत्व के लिए खड़गे के ऊपर धरम सिंह को तरज़ीह दी और तीसरी बार 2013 में, जब सिद्धारमैया ने विधायकों को अपने पक्ष में करते हुए उन्हें शिकस्त दी थी। हालांकि एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डी के शिवकुमार, खड़गे के नाम पर कुर्सी का बलिदान देने की बात कह चुके हैं।

प्रसव के दौरान मौतें

जब किसी देश के लोगों को सेहत और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को लाभ आसानी से मिल रहा हो तो समझ लेना चाहिए कि देश का विकास वास्तव में अच्छी राह पर है। यदि सेहत के मोर्चे पर जच्चा और बच्चा की मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा हो तो जाहिर है विकास के ढांचे में अब भी बहुत सारी कमियां हैं। हाल ही में दी गई संयुक्त राष्ट्र की एक रपट के अनुसार जानकारी दी गई है कि जच्चा-बच्चा मौतों के मामले में जिन देशों की स्थिति बेहद नकारात्मक पाई गई है, उसमें भारत की तस्वीर सबसे निचले पायदान पर है। रपट के मुताबिक, भारत में प्रसव के दौरान महिलाओं, मृत शिशुओं के जन्म और नवजात शिशुओं की मौत के मामले अब भी नहीं रुक पा रहे हैं। सन 2020-2021 में दुनिया के अलग-अलग देशों में तेईस लाख नवजात शिशुओं की मौत हो गई, जिनमें से भारत में मरने वालों की संख्या सात लाख अठासी हजार रही। ऐसे में सवाल लाजमी है कि जिस दौर में सरकार स्वास्थ्य को लेकर सबसे ज्यादा संवेदनशील होने और प्राथमिकता में सबसे ऊपर मान कर काम करने का दावा कर रही है, उसमें आज भी प्रसव के दौरान महिलाओं और नवजात की मौत के मामले क्यों बढ़ रहे हैं! सरकार को चाहिए कि इसमें कहां कोताही बरती जा रही है इसकी जांच करा कर दोषियों पर कार्रवाई करे ताकि देश को इस बदनामी से निजात मिल सके। बता दें कि जच्चा-बच्चा मौतों को लेकर यह दुखद तस्वीर नई नहीं है। यह सिलसिला लंबे समय से चला आ रहा है। विडंबना है कि यह आज भी एक तरह से स्थिर और कायम है कि प्रसव के दौरान महिलाओं या नवजात की जान चली जाती है। चिकित्सा सुविधाओं का दायरा फिलहाल इतना सीमित है कि उस तक बहुत सारे जरूरतमंद परिवारों की पहुंच नहीं है। जहां चिकित्सा सुविधा मिल रही है तो वहां की बुनियादी सुविधाएं भी भगवान भरोसे ही है। देश की बडी आबादी की महिलाओं को गर्भधारण के बाद जिन पोषक तत्त्वों की जरूरत होती है, कई कारणों से वे उससे वंचित होती हैं। जिसका सीधा असर उनकी सेहत, शारीरिक क्षमता और प्रसव पर पड़ता है, जिसमें कई बार प्रसव के समय महिला की जान तक चली जाती है या फिर बच्चा इतना कमजोर पैदा होता है कि उसे बचाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पडता है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सेहत और प्रजनन स्वास्थ्य को लेकर सरकारों की ओर से अनेक तरह की योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। बता दें कि सरकार प्रसूता महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए अस्पतालों में सुविधाएं और नगदी सहायता मुहैया कराती है। 2005 से लागू जननी सुरक्षा योजना की शुरुआत ही गर्भवती माताओं और नवजात की सेहत में सुधार लाने के मकसद से हुई थी। इसके तहत कई राज्यों में गर्भवती महिलाओं के खाते में छह हजार रुपए दिए जाते हैं, ताकि जच्चा-बच्चा को जरूरी पोषण मिल सके। 2011 में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार मंत्रालय ने जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम की शुरुआत की और इसके दो साल बाद इसके तहत दी जाने वाली सुविधाओं का विस्तार हुआ और उसमें जन्म के बाद नवजात के पोषण और इलाज की सहूलियत भी शामिल की गई। कायदे से अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों के बाद जच्चा-बच्चा की मौतों के मामले में स्थिति में सुधार आना चाहिए था। इसके बाद भी आखिर ऐसा क्यों है कि तमाम प्रयासों के बावजूद प्रसव के दौरान महिलाओं, मृत शिशुओं का जन्म और नवजातों की मौत का सिलसिला आज भी कायम है? समूचे देश में स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दिए जाने के दावे के दौर में यह तस्वीर एक तरह से समाज व सरकार को भी आईना दिखाती है कि जमीनी स्तर पर हकीकत क्या है और अभी कितना कुछ किया जाना बाकी है। सरकारी योजनाओं पर जब तक तगडी निगरानी नहीं रखी जाएगी तब तक इस तरह योजनाओं का लाभ आम आदमी की पहुंच से बाहर ही रहेगा।

प्रवासी भारतीय पेशेवर भरते भारत का खजाना

आर.के. सिन्हा

अब लगभग हर रोज मीडिया में भारत से बाहर बसे या काम करने भारतीयों की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर खबरें होती हैं। विश्व बैंक का अध्यक्ष बनने से लेकर किसी देश का राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री, सांसद वगैरह बन रहे हैं भारतीय। पर बात यहां तक ही सीमित नहीं है। संसार के कोने-कोने में रहने वाले भारतीयों ने अपने देश के खजाने को अपने पैसे से लबालब भर दिया है। रिजर्व बैंक के फरवरी, 2023 तक के आंकड़े बता रहे हैं कि रिजर्व बैंक का एनआरआई डिपाजिट 136 अरब रुपये हो चुका है। एनआरआई का मतलब है नॉन रेजीडेंट इंडियन या अप्रवासी भारतीय्र। यानी वे लोग जो कामकाज के लिए देश से बाहर चल गए हैं। तो साफ है कि भारत से बाहर गए हुए लगभग तीन करोड़ भारत वंशी तथा एनआरआई अपने वतन को खुशहाल करने का ठोस काम कर रहे हैं। इसलिए यह समझना गलत होगा कि वे भारत से बाहर जाकर भारत को भूल जाते हैं। नहीं, यह बात नहीं है। वे कहीं भी चले जाएं, पर वे रहते भारतीय ही हैं। उनकी पहचान भारतीय के रूप में ही होती है। वे भी गर्व करते हैं कि उन्हें भारत से बाहर बसने के सालों, दशकों तो छोड़िए, कई पीढ़ियों के बाद भी भारतीय ही माना जाता है। एक बार केन्या के हॉकी के महान खिलाड़ी अवतार सिंह सोहल बता रहे थे कि अफ्रीका में 125 से भी ज्यादा सालों से भारतीय बसे हुए हैं। अब वहां उनकी चौथी-पांचवीं पीढ़ी आबाद है। अफ्रीका से अनेक भारतीय परिवार यूरोप, कनाडा, अमेरिका वगैरह भी जाकर बस गए। पर वे जहां भी जाते हैं वे अपने को भारतीय ही बताते हैं। सोहल ने केन्या का चार ओलंपिक खेलों में प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने चंडीगढ़ में एक फ्लैट भी खरीदा हुआ है। कुछ अफ्रीकी देशों में बसे हुए भारतीय संकेतों में कहते हैं कि अगर कभी संकट पैदा हुआ तो वे भारत का रुख कर सकते हैं। इसलिए वे भारत में भी अपने संपत्ति रख लेते हैं। यह कहना होगा कि भारत की मजबूत आर्थिक सेहत के लिए हमारे उन अनाम भारतीयों का भी कम बड़ा योगदान नहीं है जो हर साल भारत में पैसा भेजते हैं। आमतौर पर तो अख़बारों में उन्हीं की चर्चा होती है जो बहुत बड़े इनवेस्टर होते हैं। आप देखेंगे कि कोई भी राज्य सरकार जब अपने यहां निवेश आमंत्रित करती है तो उसकी निगाहे बड़ी कंपनियों पर ही रहती है। मानता हूँ कि उनका निवेश भी जरूरी होता है। पर अगर अपने देश के नागरिक ही अपने देश में निवेश करें तो आनंददायक रहता है। असली बात यह है कि देश में पैसा आना चाहिए। पैसा चाहे अमेरिका की सिलिकॉन वैली में काम करने वाले भारतीय आई टी इंजीनियर भेज रहे हों या फिर दुबई या खाड़ी के किसी भाग में काम करने वाले कुशल- अकुशल मजदूर। भारत में धन की आवक अमेरिका से लेकर खाड़ी देशों में बसे हुए भारतीयों की मार्फत खूब हो रही है। यह तो सबको पता ही है कि भारत के बाहर से पैसा आने से देश में इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करना संभव हो पाता है। ये भी ध्यान रखा जाए कि भारतवंशियों या एनआईआई के लिए भारत एक भौगोलिक वास्तविकता मात्र नहीं है। सिखों के लिए भारत उनका गुरुघर है। यही स्थिति बौद्धों और जैन धर्मावलम्बियों के साथ भी हैI सनातनी हिंदुओं तो भारत के अलावा कुछ दिखाई ही नहीं देता है। इसलिए इनकी भारत के प्रति निष्ठा बनी रहती ही है। भारत सिखों के लिए एक पवित्र भूमि है। शेष भारतवंशियों के संबंध में भी कमोबेश यही कहा जा सकता है। माफ करें हाल के कुछ समय में कुछ सिरफिरे खालिस्तानी तत्वों की हरकतों को बहुसंख्यक सिखों का नाम मात्र का भी समर्थन प्राप्त नहीं है। इसी तरह से मुसलमानों की निष्ठा भी भारत को लेकर असंधिग्ध है। भारत का आम मुसलमान पाकिस्तान के नाम पर तौबा करता है। हां, कुछ मुसलमान अब भी वक्त के साथ अपन को बदलने को तैयार नहीं हैं। आप कभी ईद से पहले दिल्ली, मुंबई या केरल के किसी एयरपोर्ट का नजारा जाकर देखिए। वहां पर आपको खाड़ी के देशों से वापस आते हजारों मुसलमान मिलते हैं। ये सब अपने घर वालों और इष्ट मित्रों के साथ ईद मनाने आ रहे होते हैं। देखिए भारतीय अफ्रीका, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन वगैरह में बसने के बाद भी अपने को भारत से दूर नहीं कर पाते। भारतीय अपने खानपान तथा वेशभूषा के स्तर पर भी सदा भारतीय ही बने रहते हैं। दिवाली और होली, शादी समारोह आदि अवसरों भारतीय महिलाएं आमतौर पर साड़ी ही पहनती हैं। इनके घरों में ज्यादातर भारतीय व्यंजन ही पकते हैं। लेकिन, ये जिधर जाकर बसे वहां की भाषा, खानपान और वेशभूषा को भी आसानी से अपना लेते हैं। आप रविवार को किसी भी चर्च में जाकर देख लें। वहां पर आपको साड़ी पहन कर आईं मसीही स्त्रियां मिलेंगी। यानी वेश-भूषा हरेक भारतीय की एक जैसी ही है। मारीशस के भारतवंशी अगर धाराप्रवाह फ्रेंच और क्रियोल भाषा बोलते है, तो ईस्ट अफ्रीका के भारतीय स्वेहली में पारंगत होते हैं। लेकिन, वे अपने पुरखों की भाषा भोजपुरी और उसके लोकगीतों को कभी छोड़ते नहींI इसमें कोई बुरी बात भी नहीं है। यही उनकी पहचान है। बेशक, भारत के बाहर बसे सारे भारतीय ही सही माने में हमारे ब्रांड एंबेसेडर हैं। इनके हितों को लेकर केन्द्र और राज्य सरकारों को भी हमेशा नई-नई योजनाओं को लाते रहना चाहिए। उन्हें उनके निवेश पर बेहतर रिटर्न भी दिया जाये, ताकि वे अधिक से अधिक धन देश में भेजते रहें। जिस मुल्क का विदेशी मुद्रा भंडार भरा होता है वह उतनी ही तेजी से प्रगति की राह पर बढ़ सकता है। दरअसल ये भारत के लिए बहुत आदर्श समय चल रहा है। जब सारी दुनिया मंदी की मार को झेल रही है तो हमारे यहां कुल मिलाकर शांति है। काम-धंधे सही से चल रहे हैं। हमारे यहां भी मणिपुर की जातीय दंगों जैसी घटनाएं भी नहीं होनी चाहिए। जरा हमारे पड़ोसी पाकिस्तान की हालत देख लें। वहां पर तो गृहयुद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद सारा पाकिस्तान जल रहा है। नाराज जनता ने लाहौर में स्थित जिन्ना हाउस को भी फूंक डाला है। यह कोई पुरानी बात नहीं है जब जिन्ना को वहां खुदा के बाद सबसे ज्यादा आदर से देखा जाता था। सेना से जुड़ी इमारतों को स्वाहा कर दिया गया है।

डेंगू से रहें सावधान

श्वेता गोयल

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लगभग हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया। डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान इसी पहलू से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं।तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है। किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानियां और सतर्कता बरता जाना बेहद जरूरी है। डेंगू हो या मच्छर जनित अन्य बीमारियां, उनसे बचने के लिए अपने आसपास के स्थान की समुचित साफ-सफाई करने को अपनी आदतों का हिस्सा बना लेना अत्यंत आवश्यक है। दरअसल अमूमन देखा जाता है कि लोग अपने घरों की साफ-सफाई तो कर लेते हैं किन्तु अपने आस-पड़ोस की उन्हें कोई फिक्र नहीं होती। इस स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही प्रायः बहुत भारी पड़ती है। यदि किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए तो सबसे जरूरी है उसकी डाइट पर विशेष ध्यान दिया जाए और उसके इम्यून सिस्टम को सही रखने का भी प्रयास किया जाए। डेंगू के मरीज को संतुलित और पौष्टिक आहार ही दिया जाना चाहिए। डेंगू के उपचार में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों का भी सहारा लेते हैं और इन नुस्खों में तुलसी का उपयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा डेंगू हो जाने पर घरेलू नुस्खों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, जिसे शरीर में रक्त कोशिकाओं की कमी को पूरा करने में मददगार माना जाता है। दरअसल नारियल पानी में काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स के अलावा बहुत सारे खनिज पदार्थ भी होते हैं। डेंगू के उपचार में विटामिन सी से भरपूर वस्तुओं का उपयोग भी बहुत लाभकारी माना गया है, जो शरीर के रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत बनाए रखती हैं। इसलिए डेंगू हो जाने पर विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना लाभकारी है। बहरहाल, यदि इसके बावजूद मरीज की स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आए या परेशानियां बढ़ती दिखें तो तुरंत अपने चिकित्सक या नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करना चाहिए क्योंकि डेंगू के इलाज में लापरवाही मरीज की जिंदगी पर बहुत भारी पड़ सकती है।

जीवन फूलों की सेज नहीं है

सुनील कुमार महला

हाल ही में एक छात्र ने भर्ती परीक्षा के बार बार कैंसिल होने के कारण डिप्रेशन में आ कर आत्महत्या कर ली। बच्चा काफी समय से भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहा था। बताया जा रहा है कि सरकारी नौकरी नहीं लगने और बार बार पेपर लीक होने के कारण बच्चे ने आत्महत्या का कदम उठा लिया। यह घटना वास्तव में बहुत ही दुखद है। यह पहली घटना नहीं है जब किसी बच्चे ने डिप्रेशन में आकर इतना बड़ा कदम उठाया। इससे पहले भी अनेक ऐसी घटनाएं हमें आये दिन समाचार पत्रों की सुर्खियों में देखने को मिलती रहती हैं। तनाव में आकर बच्चे आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं। लेकिन आत्महत्या किसी भी समस्या का हल कभी नहीं हो सकती है। वैसे भी आत्महत्या को बहुत बड़ा पाप कहा गया है। हमें ईश्वर ने यह जीवन जीने के लिए दिया है न कि ऐसे कदम उठाने के लिए। संघर्ष ही जीवन है और जीवन में हमेशा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जीवन कभी भी फूलों की सेज नहीं है। जीवन में फूल हैं तो कांटे भी हैं। आजकल अभिभावक, माता पिता का बच्चों पर बहुत ज्यादा दबाव होता है और बच्चे आत्महत्या जैसे कदम उठा लेते हैं। यह बहुत ही संवेदनशील और गंभीर है। वास्तव में, पेरेंट्स को यह चाहिए कि वे अपने बच्चों को अपना जीवन जीने दें,हां कुछ गलत हो रहा है तो बच्चे का मार्गदर्शन करें। बच्चों पर दबाव कभी भी न डालें। अभिभावकों, माता पिता की सही सलाह बच्चों का जीवन बदल सकती है। वर्तमान में ऐसा दौर आ गया है, जब बच्चों पर अभिभावकों, माता पिता का बहुत दबाव होता है। पेरेंट्स सिर्फ़ और सिर्फ़ पढ़ाई और सरकारी नौकरी के लिए अपने बच्चों पर दबाव बनाते हैं जो कि ठीक नहीं है। दरअसल हम अभिभावकों की यह बहुत बड़ी कमी है कि हम अपने बच्चों को ठीक ढंग से गाइड नहीं कर पाते हैं। आज बच्चों को सकारात्मक माहौल दिया जाना बहुत जरूरी और आवश्यक हो गया है।नकारात्मक विचारों से दूरी बहुत ही जरूरी है। आगे निकलने की होड़ आज बहुत ही घातक सिद्ध हो रही है। इस पर हमें ध्यान देना चाहिए। बहुत बार देखा गया है कि बच्चे का इंटरेस्ट किसी अन्य फील्ड में होता है और हमारा इंटरेस्ट किसी और फील्ड में। अक्सर मां बाप,अभिभावक बच्चों से बहुत ज्यादा अपेक्षाएं रखते हैं और जीवन में जो लक्ष्य खुद अभिभावक खुद के लिए रखते आए हैं, वही लक्ष्य वे अपने बच्चों से पूर्ण करने की अपेक्षाएं रखते हैं। उदाहरण के तौर पर किसी बच्चे का इंटरेस्ट आर्ट्स में है और अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर बने। हमें हमारे सपने उन पर आखिरकार क्यों लादने चाहिए, यह सवाल यक्ष है। बच्चों को अपनी पसंद के सब्जेक्ट, पसंद का फील्ड चूज करने के अवसर क्या हम अभिभावकों को नहीं देने चाहिए ? आज पेरेंट्स को यह चाहिए कि एक एक्जाम क्लियर नहीं कर पाया है अथवा नहीं कर पा रहा है तो उसे दूसरा आप्सन दिया जाना चाहिए। बच्चा जिस भी फील्ड में जाना चाहता है, उसे क्या उस फील्ड में नहीं जाना चाहिए। तो इसका सीधा सा उत्तर यह है कि बच्चे का जिस भी फील्ड में इंटरेस्ट है, उस पर हम अभिभावकों का कतई दबाव नहीं होना चाहिए। हमें यह चाहिए कि हम अपने बच्चों को सही रास्ता चुनने में उसकी मदद करें, उसे मोटिवेट करें।

चिपकाऊ लेखक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक सीधे-सादे लेखक को एक नारियल पकड़ाते हुए फ़ोटो खिंचवाना और फिर उसे सोशल मीडिया पर डाल देना बताता है कि बंदे के अंदर अब सहिष्णुता की क्षमता उफान पर है, उसे यह समझ नहीं आता कि वह उसका क्या करे। नारियल सिर पर फोड़े या घर वालों को फोड़ने को दे समझ नहीं आता। घर वाले इस उम्मीद से झोला देखने की कोशिश करते हैं कि उसमें से उनके काम की कोई चीज़ निकल आए। पता चला कि साहब बदले में और दो-चार पुस्तकें उठा लाएँ। एक बार के लिए आदमी कोरोना वायरस से ठीक हो सकता है किंतु पुस्तकों की लेन-देन से कभी नहीं। अब इस बीमारी को पालने के लिए एक अदद पुरस्कार तो बनता ही है। यह पुरस्कार सिर्फ़ इसलिए नहीं कि उसने यह बीमारी पाल ली है, और इसलिए भी नहीं कि बड़े साहस के साथ उस बीमारी को झोला में साथ ले आया है, बल्कि पुस्तक लेन-देन बीमारी में खुद को झोंक दिया बल्कि इसलिए भी कि उसने एक अदद पुस्तक से पता नहीं कितने लोगों का दिमाग खराब किया है। यह करिश्माई हुनर सिर्फ़ चिपकाऊ लेखकों के पास है। इसीलिए साल के 365 दिन कहीं न कहीं पुरस्कार बाँटने का पर्व चलता रहता है। इसीलिए कुकुरमुत्तों की तरह लेखक पनप रहे हैं। पुरस्कार एक तरह से सम्मान है। चिपकाऊ लेखकों के जीवन में सम्मान का विशिष्ट महत्त्व होता है। इस नश्वर संसार में एक सम्मान ही तो है जिसके कारण मरने के बाद भी अपने नाम के जीवित रहने के सुख से आनन्दित रहा जा सकता है। एक सम्मान की ख़ातिर ही हम खेतों की मेड़ को लेकर या तुच्छ नाली के बहाव को लेकर भिड़ जाते हैं। इसीलिए चिपकाऊ लेखकों का सम्पूर्ण जीवन पुरस्कार रूपी सम्मान के इर्द-गिर्द ही घूमता है। पुरस्कारों के औचित्य के मूल में यही सम्मान है। वैसे तो हर क्षेत्र में पुरस्कारों की ख़ास माँग रहती है, पर साहित्य सृजन और जनसेवा की फ़ील्ड में इसका ज़बरदस्त स्कोप है। ओढ़ाने वाली शाल, माला और राशि इसके आवश्यक तत्त्व हैं। इनके बिना पुरस्कार की क्रियाविधि सम्पूर्ण नहीं मानी जाती है, इसलिए कई बार जब पुरस्कार प्रदाता के पास देने के नाम पर सिर्फ़ अपने कर-कमल ही होते हैं, पुरस्कार प्राप्तकर्ता को यह व्यवस्था स्वयं के प्रयासों से जुटानी पड़ती है। पुरस्कार सिर्फ़ आनंद और पहचान ही नहीं देता बल्कि साहित्य-सृजन के लिए उर्वर परिस्थितियाँ भी तैयार करता है, एक उत्साहपरक माहौल देता है। प्रायः देखा गया है कि पुरस्कार की चाहत ने ऐसों-ऐसों को लेखक बना दिया है जो 'मसि कागद छुयो नहि, क़लम गह्यो नहि हाथ' की धारणा में खुलकर यक़ीन रखते थे। कुछ लोग तो पुरस्कार के चक्कर में कई किताबें लिख मारते हैं।

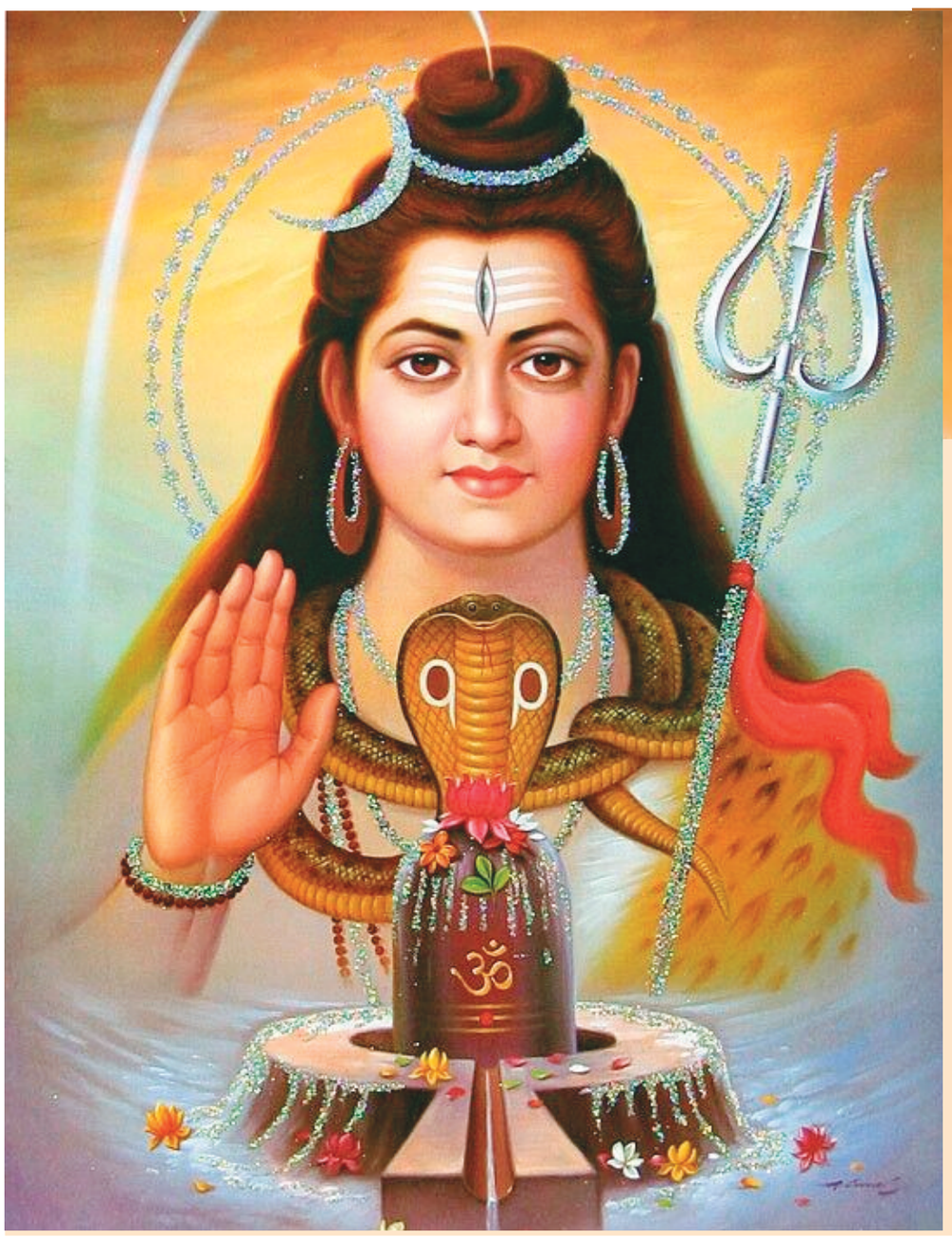

मासिक शिवरात्रि कल

सनातन धर्म में ज्येष्ठ माह का बड़ा अधिक महत्व होता है। इस माह में कई ऐसे पर्व और त्योहार पड़ते हैं जिसकी अपनी अलग मान्यता होती है। हिंदू पंचांग के मुताबिक ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मासिक शिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। अखंड सौभाग्यवती की कामना के लिए यह व्रत उत्तम माना जाता है । इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती की विधि विधान पूर्वक पूजा आराधना की जाती है। इस दिन व्रत रखने से भगवान शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद मिलता है। जीवन में सुख समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है समस्त समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

जेठ माह की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 17 मई रात 10:28 पर शुरू होगी और अगले दिन 18 मई को रात्रि 9:42 पर इसका समापन होगा। इतना ही नहीं मासिक शिवरात्रि में देवाधिदेव महादेव की पूजा रात में की जाती है। इस दिन कई दिव्य सहयोग भी बन रहे हैं त्रयोदशी के साथ-साथ चतुर्थी तिथि का भी सयोग इस दिन बन रहा है, जो बेहद शुभ दायक माना जा रहा है ।

जानिए धार्मिक मान्यता-धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक मासिक शिवरात्रि का व्रत करने से जीवन में सुख समृद्धि आती है। विभिन्न समस्याओं से मुक्ति मिलती है। मासिक शिवरात्रि के दिन भगवान शिव का रुद्राभिषेक करना भी बेहद फलदाई माना जाता है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करके भगवान शिव के शिवलिंग पर तांबे के लोटे में जल लेकर बेलपत्र, गंगाजल, गाय का कच्चा दूध, अक्षत सफेद चंदन इत्यादि चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से भगवान शिव की विशेष कृपा बनी रहती है।

क्या है मंगल दोष
क्यों होती है विवाह में देरी

किसी भी व्यक्ति के जीवन में होने वाले उतार-चढ़ाव का कारण उसकी कुंडली में मौजूद ग्रहों नक्षत्रों की स्थितियों पर निर्भर करता है ज्योतिष शास्त्र मानता है कि कुंडली में मौजूद हर एक ग्रह का अपना एक स्थान और उसका लाभ होता है, लेकिन कभी-कभी किसी व्यक्ति की कुंडली में एक ग्रह की दशा भी खराब हो जाए तो उस व्यक्ति को कई तरह की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसी क्रम में यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल की दशा खराब हो, तो मांगलिक दोष हो सकता है। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ बता रहे हैं, कुंडली में मांगलिक दोष कैसे बनता है, इसके लक्षण और उपाय क्या है।

कैसे बनता है कुंडली में मंगल दोष ?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल ग्रह के कुछ निश्चित भाव में बैठने पर ही यह दोष का निर्माण होता है। मंगल ग्रह जब किसी व्यक्ति की कुंडली के पहले, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में स्थित होता है। तो मंगल दोष या मांगलिक दोष का निर्माण करता है। मंगल ग्रह की स्थिति दांपत्य जीवन के लिए अशुभ मानी जाती है, हालांकि यदि मंगल पर किसी शुभ ग्रह की दृष्टि पड़ती है, तो मंगल दोष का प्रभाव कुछ हद तक कमजोर हो जाता है।

मंगल दोष के प्रभाव

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल दोष होता है। तो ऐसे व्यक्ति के विवाह में देरी होती है। शादी टूट जाती है, यदि विवाह हो भी गया तो जीवनसाथी से सामंजस्य नहीं बैठता। ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि इसका कारण कुंडली के सातवें भाव को विवाह या वैवाहिक जीवन का माना जाता है, और इस भाव में मंगल का होना अशुभ होता है। यह मंगल की स्थिति पति और पत्नी के बीच अहम के टकराव, तनाव, झगड़े और तलाक आदि का कारण बनती है। इसके अलावा व्यक्ति पर कर्ज का बोझ बढ़ता है। प्रॉपर्टी संबंधी कई तरह की समस्याएं आती है।

ज्योतिष शास्त्र बताता है कि यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मांगलिक दोष है। तो ऐसे व्यक्ति को विवाह के पहले कुंडली मिलान करना बहुत जरूरी होता है।

इसके अलावा मांगलिक दोष के प्रभाव को कम करने के लिए मंगल ग्रह की शांति का उपाय करना चाहिए।

प्रत्येक मंगलवार को व्रत रखें। हनुमान मंदिर में बूंदी का प्रसाद बांटे।

इसके साथ ही मंगलवार के दिन पूजा के समय हनुमान चालीसा सुंदरकांड का पाठ अवश्य करें।

यदि संभव हो पाए तो मंगलवार के दिन लाल कपड़े धारण करें। हनुमान जी के मंदिर में लाल सिंदूर चढ़ाएं।

मंगल की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष या मूंगा रत्न धारण करना शुभ होता है। रत्न धारण करने से पहले किसी ज्योतिष से सलाह अवश्य लें।

क्या है लाल जोड़े का रहस्य
क्यों शादी में दुल्हन पहनती है सिर्फ इस रंग का लहंगा

विवाह एक ऐसी रीती है जो सदियों से चली आ रही। समय के साथ साथ इसमें कई तरह के बदलाव हुए हैं, लेकिन एक चीज जो अभी तक नहीं बदली वह है शादी में दुल्हन का लाल रंग का जोड़ा पहनना। आपने अक्सर हिंदू शादी विवाह में दुल्हन को लाल रंग के जोड़े में सजा देखा होगा। फेरे के समय दुल्हन लाल रंग के लहंगे में बेहद खूबसूरत दिखाई देती। ये उसके नए सफर की शुरुआत मानी जाती है। लाल रंग का जोड़ा देखकर क्या आपके मन में भी यही सवाल आता है कि आखिर दुल्हन लाल रंग का लहंगा ही क्यों पहनती है। इसके पीछे का धार्मिक कारण बता रहे हैं।

लाल जोड़ा पहनने का धार्मिक कारण

ज्योतिष शास्त्र में लाल रंग को बेहद शुभ माना गया है, इसलिए धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-पाठ, शादी-विवाह आदि में लाल, पीले और गुलाबी रंग का विशेष महत्व है। लाल रंग सकारात्मक ऊर्जा से भरा होता है। मान्यता है विवाह कि विवाह के दौरान जब दुल्हन लाल रंग का जोड़ा पहनती है तो ऐसा प्रतीत होता है कि सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ गया। लाल रंग पॉजिटिव एनर्जी को अपनी तरफ आकर्षित करता है। यही मुख्य कारण है कि दुल्हन शादी में लाल रंग का लहंगा पहनती है।

इन रंगों को पहनने से बचें

जिस तरह ज्योतिष शास्त्र में लाल रंग को धार्मिक अनुष्ठान और मांगलिक कार्यों में शुभ माना गया है। उसी तरह कुछ रंग ऐसे भी हैं जिन्हें पूजा-पाठ या मांगलिक कार्यों में पहनने से बचना चाहिए। हिंदू धर्म में कई रंग ऐसे हैं जिन्हें शुभ कार्यों में पहनना वर्जित माना गया है जैसे नीला, भूरा और काला ये रंग ऐसे हैं जो नकारात्मक ऊर्जा को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, यदि शुभ कार्य, धार्मिक अनुष्ठानों या पूजा पाठ में इस रंग के वस्त्र धारण करते हैं तो अशुभ होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए इस दौरान काला, नीला और भूरा रंग पहनने की मनाही होती है।

घने जंगल के बीच बना है हजरत सैयद सुल्तान शाह का दरगाह

हरिद्वार सभी धर्म के प्राचीन स्थानों का मुख्य केंद्र कहा जाता है। आज हम अपनी खबर में आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जो करीब 750 साल से भी ज्यादा पुराना है। यह स्थान हरिद्वार के जंगलों में स्थित है, जहां लोगों का आना-जाना लगा रहता है। हम अपनी खबर में हजरत सैयद सुल्तान शाह दरगाह के बारे में बताने जा रहे हैं जो करीब 750 साल से भी ज्यादा पुराना है।

हजरत सैयद सुल्तान शाह दरगाह हरिद्वार हिल बाईपास रोड पर से करीब 300 मीटर अंदर जंगलों में स्थित है। इस दरगाह पर रोजाना हर धर्म के व्यक्ति अपनी मन्नत लेकर जाते हैं तो कुछ लोग जिनकी मन्नते पूरी हो गई हैं वह यहां प्रसाद चढ़ाने जाते हैं। हरिद्वार में स्थित हजरत सय्यद सुल्तान शाह दरगाह पर चादर चढ़ाने का महत्व बताया गया है। इस दरगाह पर सालाना उर्स भी होता है जिसमें जनपद समेत बाहर से भी जायरीन यहां चादर चढ़ाने आते हैं। कहा जाता है कि यहां मांगी गई मुरादे पूरी होती हैं। दरगाह के अंदर डोरी या धागा बांधने का भी महत्व है। कहते हैं जो व्यक्ति यहां आकर अपनी मन्नतें मांगते हैं ।वह दरगाह के अंदर एक धागा बांधकर जाते हैं और अपनी मुराद पूरी होने के बाद वह आकर धागा खोल देते हैं। यह परंपरा काफी पुरानी बताई जाती है।

घने जंगलों के बीच है दरगाह

यह दरगाह जंगलों में स्थित है और हरिद्वार के जंगलों में गुलदार से लेकर हर तरह के जीव जंतु हैं। ऐसे में आज तक कोई भी जानवर दरगाह परिसर या रास्ते में नहीं आया।यह भी कह सकते हैं कि दरगाह पर जाने वाले लोगों को आज तक जंगल के किसी भी जानवर ने परेशान नहीं किया। हजरत सैयद सुल्तान शाह दरगाह पर जाने वाले लोगो को किसी जंगली जानवर का डर नही रहता हैं।

पूरी होती है सभी लोगों की मन्नत

दरगाह पर पिछले 50-60 सालों से देख रेख कर रहे खैर अली शाह ने कहा कि दरगाह पर आने वाले लोग यहां आकर मन्नते मांगते हैं, और जब उनकी मन्नते पूरी हो जाती हैं तो वह यहां आकर फूल, प्रसाद, चादर आदि चढ़ाकर जाते हैं। वहीं कुछ लोग यहां आकर मन्नतें मांगने के साथ डोरी का धागा या फिर काला धागा बांधकर अपनी मन्नते मांगते हैं। जब मन्नत उनकी मन्नत पूरी हो जाती है तो वह दरगाह पर प्रसाद चढ़ाते हैं और अपना बांधा हुआ धागा/डोरी खोल कर जाते हैं। इस दरगाह पर आने वाले सभी लोगों की मन्नतें पूरी होती हैं।

हर साल उर्स का होता है आयोजन

खैर अली शाह बताते हैं कि जिन लोगों को डॉक्टर जवाब दे देते हैं, वह भी यहां दरगाह से ठीक होकर जाते हैं। वही उनका कहना है कि यहां पर हजरत सय्यद सुल्तान शाह दरगाह पर हर साल उर्स भी

लगता है। यहां उर्स के अवसर पर हर धर्म के लोग कंधे से कंधा मिलाकर सेवा करते हैं। यहां पर उर्स के दौरान भंडारे का भी आयोजन किया जाता है। इस दरगाह पर कोई भेदभाव नहीं है, इसलिए यहां पर साधु संत भी आते हैं और पीर फकीर भी यहां पर आते हैं।

समय के साथ उर्स का उत्साह हुआ खत्म

खैर अली शाह बताते हैं कि दरगाह का प्राचीन इतिहास हरिद्वार से जुड़ा हुआ है। हरिद्वार का प्राचीन नाम मायापुर है और मायापुर के राजा दुलीचंद के यहां हजरत सय्यद सुल्तान शाह की दुआ से दो पुत्रों ने जन्म लिया था, जिसमे बड़े बेटे का नाम भूप सिंह और छोटे का नाम मानसिंह था। वह बताते हैं कि आज जिस स्थान पर दरगाह स्थित है यह जमीन राजा दुलीचंद ने बाबा को दान में दी थी। बाबा के इस दुनिया से चले जाने के बाद राजा दुलीचंद के द्वारा ही सब कुछ किया गया था। राजा दुलीचंद के द्वारा ही इस स्थान पर उर्स मेले का आयोजन किया गया था। बाबा के उर्स पर लगने वाले मेले में हाथी, घोड़े जैसे सभी सामान मिलते थे, लेकिन वक्त बदलने के साथ-साथ अब उर्स केवल मोहर्रम की चांद रात 3, 4 और 5 को लगता है।

पूरी हुई वशिष्ठ सोनी की दुआ

दरगाह पर फूल प्रसाद चढ़ाने आए श्रद्धालु वशिष्ठ सोनी बताते हैं कि वह दरगाह पर प्रसाद चढ़ाने आए हैं। उन्होंने दुआ मांगी थी उनके यहां बेटा हो जाए। तीन बेटियों के बाद उनके यहां बेटा हो गया है, इसीलिए यहां प्रसाद चढ़ाने आए हैं। संगीता सोनी बताते हैं कि वह कई साल बाद यहां दरगाह पर आई हैं। जब वह दरगाह पर पहले आई थी तो उन्होंने मन्नत मांगी थी। वह मन्नत पूरी हो गई है इसलिए वह यहां पर प्रसाद चढ़ाने आई हैं।

महेश्वर मंदिर का केदारनाथ जी से है गहरा नाता

उत्तराखण्ड को सुंदर घाटियों में पांच केदार स्थित हैं । जिनमें से रुद्रनाथ,कल्पेश्वर चमोली जिले में और केदारनाथ, तुंगनाथ, मध्यमहेश्वर रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है।ये सभी मंदिर भगवान शिव को समर्पित हैं और पांडवों द्वारा स्थापित है। इस रिपोर्ट में हम इन्हीं पांच केदारों में से एक केदार भगवान मध्य महेश्वर/मद्महेश्वर के बारे में जानेंगे।

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में भगवान शिव का मंदिर स्थित है। इसे मध्य महेश्वर अथवा मद्महेश्वर के नाम से जाना जाता है। यह पंच केदारों में से एक केदार है और यहां भगवान शिव की नाभि की पूजा की जाती है। मद्महेश्वर मंदिर समुद्र तल से 3,497 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण पांडवों ने अपनी स्वर्ग की यात्रा के दौरान किया था।

मंदिर का केदारनाथ धाम से है खास नाता

इस मंदिर के चारों ओर चौखंबा के विशाल पर्वत हैं ।मंदिर के कपाट भी निश्चित समय के लिए खुलते हैं और शीतकाल में कपाट बंद कर दिए जाते हैं। ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में केदारनाथ जी और भगवान मद्महेश्वर का शीतकालीन निवास स्थान होता है। सुंदर घाटियों के बीच स्थित है यह मंदिर

मद्महेश्वर मंदिर से संबंधित मान्यता है कि जो भी श्रद्धालु मंदिर में पहुंचकर सच्चे मन से ध्यान लगाता है, उसे शिव के परम धाम में स्थान मिलता है। यहां पिंड दान का विशेष महत्व है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति यहां पिंड दान करता है, उनके पूर्वजों का उद्धार हो जाता है। साथ ही मान्यता है कि मंदिर परिसर में स्थित पानी की कुछ ही बूंदों से मोक्ष मिल जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार, इस स्थान की सुंदरता को देखते हुए भगवान शिव और माता पार्वती ने मधुचंद्र रात्रि यही बिताई थी। इस वजह से इस स्थल की महत्ता और अधिक बढ़ जाती है।

अक्षय तृतीया पर खुलता है मंदिर का कपाट

मध्यमहेश्वर मंदिर के पुजारी वागेश लिंग ने बताया कि हर साल हजारों शिवभक्त मध्यमहेश्वर मंदिर आते हैं और अपने आराध्य के दर्शन कर मनोकामना मांगते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई हर मन्नत पूरी होती है। उन्होंने बताया कि मध्यमहेश्वर मंदिर के कपाट अक्षय तृतीया (अप्रैल/मई) पर खुलते हैं और दीवाली के बाद सर्दियों के समय बंद हो जाते हैं। मंदिर सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक खुला रहता है। सुबह और शाम दोनों समय भगवान शंकर की आरती की जाती है।

यहां तक कैसे पहुंचे ?

मध्यमहेश्वर मंदिर तक सरकारी वाहनों से सीधे नहीं पहुंचा जा सकता है। गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चढ़ाई पार करनी होती है ।राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7 रुद्रप्रयाग तक आप बस से आ सकते हैं। इसके बाद आपको रुद्रप्रयाग से टैक्सी मिल जायेगी। अगर आप ट्रेन से सफर करना चाहते है तो गौरीकुंड से नजदीक ऋषिकेश रेलवे स्टेशन है। ऋषिकेश से आप कैब ले सकते हैं ।वहीं जौलीग्रांट एयरपोर्ट गौरीकुंड से नजदीकी हवाई अड्डा है। इसके बाद आप यहां से कैब या टैक्सी कर सकते हैं।

सामने वाला व्यक्ति गुस्सा करके खुद का नुकसान करेगा और हम भी गुस्सा करेंगे तो हमारा भी नुकसान होगा

गुस्सा एक ऐसी बुराई है, जिसकी वजह से हमारी सोचने-समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। इसलिए इस बुराई से बचना चाहिए। जब एक ही समय पर दो लोग गुस्सा हो जाते हैं तो विवाद बहुत बढ़ जाता है। जब सामने वाला व्यक्ति गुस्सा करता है तो हमें शांत रहना चाहिए। ये बात हम गौतम बुद्ध के एक किस्से से समझ सकते हैं।एक व्यक्ति हर रोज गौतम बुद्ध के उपदेश सुनने आ रहा था। वह बुद्ध से इतना प्रभावित हो गया कि उसने ये तय कर लिया कि अब इनकी सेवा में ही रहना है। वह भिक्षुक बन गया।

वह व्यक्ति एक प्रतिष्ठित परिवार से था। जब वह भिक्षुक बन गया तो उसके घर में हंगामा हो गया। उसका एक रिश्तेदार इस बात से बहुत गुस्सा हो गया। बुद्ध उपदेश दे रहे थे, कई लोग उनकी बातें सुन रहे थे। उस समय वह व्यक्ति गुस्से में बुद्ध के पास पहुंच गया। गुस्से में व्यक्ति ने चिल्लाना शुरू कर दिया और वह बुद्ध को भला-बुरा कहने लगा।जो लोग बुद्ध के उपदेश सुनने के लिए बैठे हुए थे, वे बेचैन हो गए। गुस्से में वह व्यक्ति बुद्ध को गालियां भी दे रहा था। गाली देने वाला व्यक्ति थोड़ी देर बाद थक गया। तब बुद्ध ने उससे पूछा कि आपको जो कहना था, वह आप कह चुके? उस व्यक्ति ने कहा कि हां, मैं कह चुका।

बुद्ध बोले कि जब आपके घर कोई मेहमान आता है तो आप क्या करते हैं? उस व्यक्ति ने कहा कि हम मेहमान का स्वागत करते हैं, उसका स्वागत करते हैं। कोई नादान ही होगा जो अतिथि का सत्कार नहीं करेगा। बुद्ध ने फिर पूछा कि आपके घर जो व्यक्ति आता है, आप उसे कोई भेंट देते हैं और अगर उसने स्वीकार नहीं की तो वह चीज कहां जाएगी? व्यक्ति ने कहा कि वह चीज हमारे पास ही रह जाएगी। बुद्ध बोले

कि आप मेरे अतिथि हैं। आपने मुझे जो सौंपा है, वह मैंने स्वीकार ही नहीं किया है। जितने अपशब्द और गालियां आपने मुझे दीं हैं, मैंने स्वीकार नहीं की तो वह किसके पास गईं? आप के पास ही रह गई हैं। बुद्ध की बातें सुनकर उस व्यक्ति का गुस्सा शांत हो गया।

गौतम बुद्ध की सीख

अगर कोई व्यक्ति हमारा अपमान करता है, अपशब्द कहता है तो हमें शांत रहना चाहिए। ऐसी बातें स्वीकार ही नहीं करनी चाहिए, क्योंकि अगर हम ऐसी बातें स्वीकार करेंगे तो हमें भी गुस्सा आएगा। सामने वाला व्यक्ति गुस्सा करके खुद का नुकसान कर लेता है, हम भी गुस्सा करेंगे तो हमारा भी नुकसान हो जाएगा। इसलिए हमें गुस्सा को काबू रखना चाहिए और दूसरों के गुस्से का सामना शांति से करना चाहिए।

कुमार सानू ने बताई बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री की सच्चाई

बोले- हीरो ही सिंगर फाइनल करते हैं इंडस्ट्री में अच्छे एक्टर्स की कमी

सिंगर कुमार सानू ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में जितने भी सिंगर हैं, वो सभी बहुत सफल हैं। लेकिन यहां लीड एक्टर्स की कमी है। सानू ने कहा- 'अब एक्टर्स तय करते हैं कि फिल्म में कौन गाना गाएगा या उनके लिए प्लेबैक सिंगिंग कौन करेगा?' इंडस्ट्री में चल रही प्रॉब्लम के बारे में बात करते हुए सानू ने बताया कि वो ऐसी चीजों से परेशान हो चुके हैं।

दरअसल, एक इंटरव्यू में कुमार सानू से सवाल किया गया कि क्या वो इंडस्ट्री में कामकाज को कुछ भी ठीक करना चाहेंगे। इसपर उन्होंने कहा- इंडस्ट्री में अच्छी कंपोजीशन, गानों और अच्छे एक्टर्स की कमी है। इंडस्ट्री के गायक टैलेंटेड हैं, लेकिन उनके टैलेंट को अच्छी तरह से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है।'

पावर हमेशा परफेक्ट लोगों के पास होनी चाहिए

हमारी जनरेशन भाग्यशाली थी कि हमारे पास सभी चीजें थीं। अगर हमारे म्यूजिक डायरेक्टर्स आज वेस्टर्न शैली की ओर कम ध्यान देने के बजाए भारतीय संगीत संस्कृति पर ज्यादा ध्यान देते हैं, तो हम खुद को बेहतर बना सकेंगे। पावर हमेशा परफेक्ट लोगों के पास होनी चाहिए। आज एक्टर्स तय कर रहे हैं कि कौन सा सिंगर उनके लिए प्लेबैक करेगा और हमें इस तरह से दखलंदाजी से छुटकारा पाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा- 'आज म्यूजिक सेकेंडरी हो गया है, जबकि यह किसी समय सबसे जरूरी हुआ करता था। आजकल फिल्म मेकर्स में फिल्म मेकिंग को लेकर इतना ज्यादा ओवरकॉन्फिडेंस है कि वो कई बार अच्छे गानों को रखने के बारे में सोचते भी नहीं। यही वजह है कि हमारी इंडस्ट्री को नुकसान हो रहा है।' कुमार सानू से पहले सिंगर अरमान मलिक ने भी बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री में चल रही पॉलिटिक्स पर बात की थी। उन्होंने बताया था कि सिंगर्स को फिल्मों में गाने के लिए फीस नहीं दी जाती है। मेकर्स को लगता है कि अगर गाना हिट होता है, तो लाइव शो के जरिए कमाई करेंगे। अरमान ने बताया कि कई बार उन्हें आखिरी मौके पर गानों से हटाया है, जिसका असर उन पर गहरा पड़ा है। इस तरह की पॉलिटिक्स से परेशान होकर अरमान ने बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला लिया है।

80-90 के दशक के डिमांडिंग सिंगर रह चुके हैं कुमार सानू

कुमार सानू ने 80 और 90 के दशक में बॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री पर राज किया है। सिंगर ने 1984 में केदारनाथ भट्टाचार्य के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि, संगीतकार जोड़ी कल्याणजी आनंदजी के कहने पर सिंगर ने अपना नाम बदलकर कुमार सानू कर लिया। 1986 में बांग्लादेशी फिल्म तीन कन्या के लिए उन्होंने गाना गाया। इसके बाद 1988 में हीरो हीरालाल के साथ उन्होंने बॉलीवुड में शुरुआत की। सानू जल्द ही बॉलीवुड में सबसे ज्यादा डिमांडिंग सिंगर्स में से एक बन गए। उन्होंने आशिकी, साजन, दीवाना, बाजीगर और 1943: ए लव स्टोरी जैसी फिल्मों के अल्बम में अपनी आवाज दी है। वहीं 2015 में आयुष्मान खुराना की फिल्म 'दम लगा के हईशा के साथ उन्होंने अपना कमबैक किया।

कंगना जल्द दिखेगी एरियल एक्शन थ्रिलर 'तेजस' में

फिल्म भारतीय वायु सेना की पहली महिला पायलट की कहानी पर आधारित

बॉलीवुड की बेबाक अभिनेत्रियों में शुमार कंगना रणौत अपने बयानों के चलते आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी करण जौहर से उनकी कोल्ड वॉर तो कभी किसी फिल्म पर तंज, यह दोनों ही चीजें कंगना के लिए बहुत आम बात है। जहां अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं, वहीं अब कंगना अपनी दूसरी फिल्म 'तेजस' को लेकर चर्चा में आ गई हैं। वजह 'तेजस' की रिलीज डेट है। जी हां, कंगना रणौत की फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। हालांकि, अभी भी फिल्म की रिलीज की तारीख तय नहीं है पर संभावना जताई जा रही है कि 'तेजस' इस साल जुलाई या सितंबर में सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

कंगना रणौत की एरियल एक्शन थ्रिलर फिल्म 'तेजस' को लेकर एक अपडेट सामने आया है। फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरुआत में ही पूरी हो गई थी। तब से फिल्म की पोस्ट-प्रोडक्शन पर काम चल रहा था। पिछले काफी समय से फिल्म की रिलीज डेट को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, अब खबर है कि मेकर्स ने 'तेजस' की रिलीज के लिए तारीख तलाशनी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, 'रॉनी स्क्रूवाला को भरोसा है कि तेजस दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगी। इसकी कहानी भारतीय वायु सेना पर आधारित है। फिल्म को इस साल जुलाई से सितंबर तक रिलीज करने का प्लान बनाया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक सूत्र ने आगे कहा कि, 'तेजस के जुलाई या अगस्त में रिलीज होने की सबसे ज्यादा संभावना है। हालांकि टीम कंगना रणौत की इस फिल्म के लिए सभी बेस्ट ऑप्शन्स पर विचार कर रही है। रिलीज की तारीख की घोषणा अगले 15 से 20 दिनों में होने की उम्मीद की जा रही है।' आपको बता दें, पहले यह फिल्म 5 अक्टूबर 2022 रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे आगे बढ़ा दिया गया था। इसे पीछे फिल्म के वीएफएक्स का बचा हुआ काम था।

फिल्म भारतीय वायु सेना की पहली महिला पायलट की कहानी पर आधारित है। फिल्म में कंगना जबरदस्त एक्शन दिखाती नजर आएंगी।

कंगना के अलावा फिल्म में अंशुल चौहान, वरुण मित्रा और पंकज त्रिपाठी भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। सर्वेश मेवाड़ा द्वारा निर्देशित यह फिल्म साल 2016 में हुई ऐतिहासिक घटना की पृष्ठभूमि पर सेट की गई है।

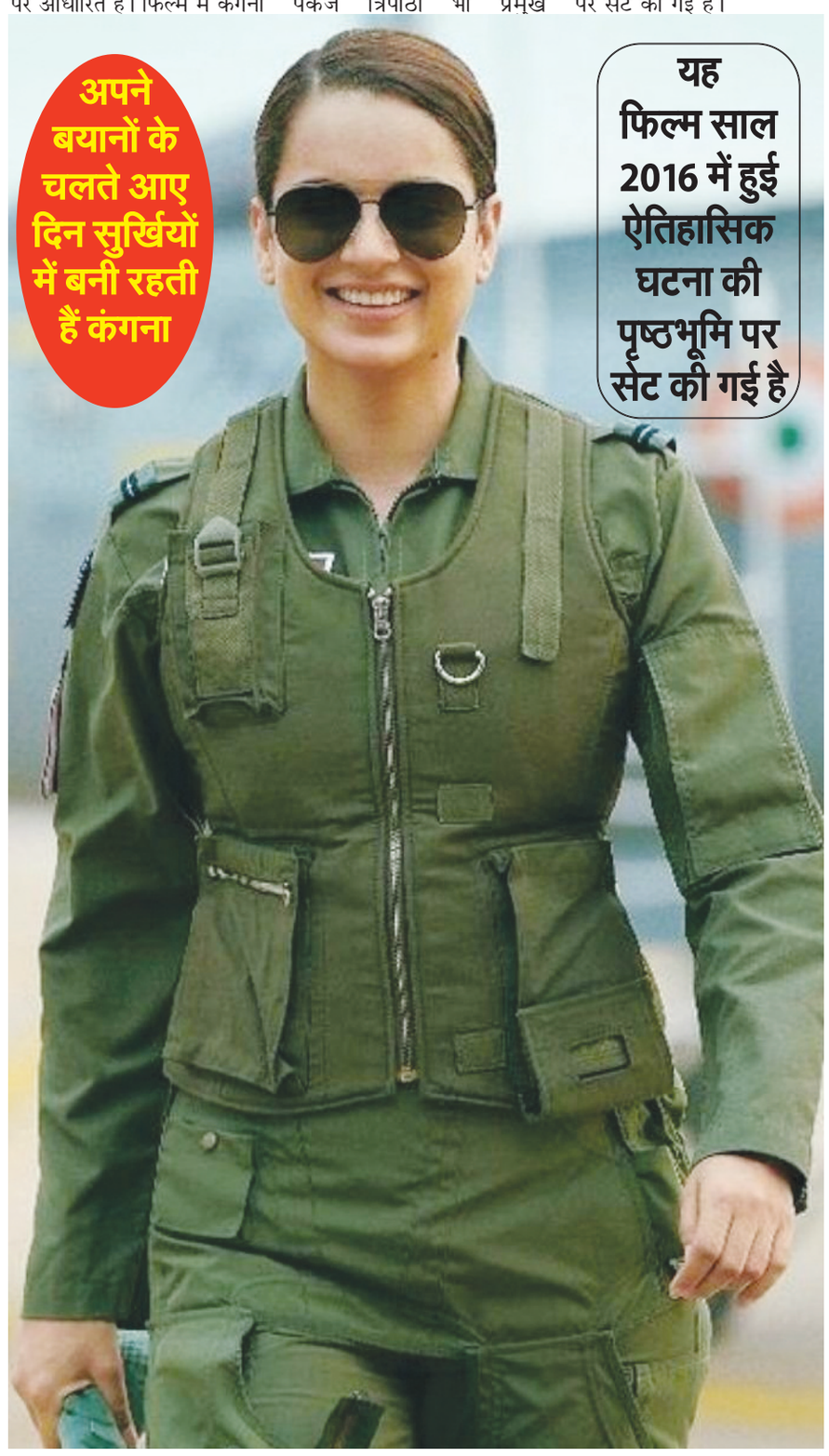

डेथ थ्रेट्स के बीच अदा शर्मा का एक्सीडेंट हुआ : एक्ट्रेस ने दिया हेल्थ अपडेट, बोलीं- मैं ठीक हूं, चिंता के लिए शुक्रिया

द केरला स्टोरी एक्ट्रेस अदा शर्मा और डायरेक्टर सुदीप्तो सेन का रविवार को रोड एक्सीडेंट हो गया। जैसे ही दुर्घटना की खबरें इंटरनेट पर वायरल होने लगी, एक्ट्रेस ने अपने ट्विटर अकाउंट पर इस बारे में जानकारी दी। दरअसल अदा और सुदीप्तो 14 मई को हिंदू एकता यात्रा में शामिल होने के लिए करीमनगर जाने वाले थे,लेकिन इस बीच उनके साथ सड़क हादसा हुआ, जिसके बाद वो वहां नहीं पहुंच सके।

अदा शर्मा ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- 'दोस्तों मैं ठीक हूं। हमारे एक्सीडेंट के बारे में खबरें आने के बाद से लोगों के बहुत सारे मैसेज मिल रहे हैं। हम और हमारी पूरी टीम ठीक है, कोई भी गंभीर नहीं है। कोई भी बड़ी बात नहीं है,आप सभी की चिंता के लिए शुक्रिया।'

अदा के ट्वीट से मिली फैंस को राहत

अदा के ट्वीट के बाद फैंस ने राहत की सांस ली है। एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा- 'बताने के लिए शुक्रिया बहुत चिंता हो गई थी खैर आगे से डबल ध्यान रखना बहुत लोगों की आस्था तुम से जुड़ी है। दूसरे फैन ने लिखा- प्लीज अपना ख्याल रखो। तीसरे यूजर ने लिखा- मैं तो आपके अभिनय का कायल हो गया हूं ,आप जैसा कलाकार बहुत कम हैं। अपना ख्याल रखिएगा।

सुदीप्तो ने दी थी रोड एक्सीडेंट की जानकारी

डायरेक्टर सुदीप्तो सेन ने रविवार को रोड एक्सीडेंट को लेकर जानकारी दी थी। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा था- 'आज हम एक युवा सभा में अपनी फिल्म के बारे में बात करने के लिए करीमनगर जाने वाले थे, लेकिन दुर्भाग्य से इमरजेंसी हेल्थ इश्यू के चलते ट्रैवल नहीं कर सके। करीमनगर के लोगों से दिल से माफी मांगता हूं। हमने अपनी बेटियों को बचाने के लिए एक फिल्म बनाई है, प्लीज हमें सपोर्ट करते हैं।'

ट्रेलर रिलीज के बाद से अदा को मिल रहे हैं डेथ थ्रेट्स

द केरला स्टोरी को लेकर चल रहे विवाद के कारण अदा को जान से मारने की धमकी भी मिल रही है। फिल्म पॉलिटिकल पार्टीज और कई ग्रुप्स का दावा है कि फिल्म तथ्यों पर आधारित नहीं है और यह मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत को बढ़ावा दे रही है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु राज्य में फिल्म को बैन किया गया है।

हिंदू लड़कियों के कन्वर्जन पर बेस्ड है द केरला स्टोरी

द केरला स्टोरी को फिल्ममेकर सुदीप्तो सेन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म अपनी कहानी को लेकर विवादों में है। इसकी रिलीज के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक मैटर गया। हालांकि कोर्ट ने फिल्म की रिलीज को रोकने से मना कर दिया। फिल्म की कहानी लड़कियों के कन्वर्जन पर बेस्ड है।

लगातार फ्लॉप मूवीज करने वाले इस एक्टर ने सिर्फ अपने रिलेशनशिप से बटोरी है लाइमलाइट!

हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री बहुत बड़ी है और यहां कई सारे एक्टर्स और एक्ट्रेसेज हैं- सबकी अपनी अलग फैन फॉलोइंग और पॉपुलैरिटी है. कई ऐसे भी एक्टर्स हैं जो फिल्में तो कई कर रहे हैं लेकिन फिर भी एक सक्सेस्फल एक्टर नहीं कहलाये जा रहे हैं. आज हम ऐसे ही एक बॉलीवुड एक्टर की बात कर रहे हैं जिन्होंने इस इंडस्ट्री में ग्यारह साल पहले कदम रखा था और अब तक करीब 20 फिल्में कर चुके हैं जिनमें से सिर्फ चार हिट हुई हैं. एक बहुत बड़ी फिल्म फैमिली से संबंध रखने वाले इस एक्टर की फेम की वजह ज्यादातर इनकी पर्सनल लाइफ रही है क्योंकि ये फ्लॉप फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. ग्यारह साल के काम में सिर्फ चार हिट फिल्में देने वाले इस एक्टर ने हमेशा ही अपनी निजी जिंदगी और रिलेशनशिप से लाइमलाइट बटोरी है क्योंकि चाहकर भी इनकी फिल्में चलती नहीं हैं. बॉलीवुड के ये फ्लॉप एक्टर कौन हैं, आइए जानते हैं...

11 सालों में इस एक्टर ने दी सिर्फ चार हिट फिल्में!

अगर आप अब तक नहीं समझ पाए हैं कि यहां किसकी बात हो रही है तो आगे पढ़ें. बता दें कि हम यहां बोनी कपूर के बेटे और अनिल कपूर के भतीजे, अर्जुन कपूर की बात कर रहे हैं. 2012 में बॉलीवुड में कदम रखने वाले अर्जुन कपूर ने गिनकर चार बॉक्स ऑफिस हिट्स दी हैं. अर्जुन कपूर की बॉक्स ऑफिस हिट्स में शामिल हैं परिणीति चोपड़ा के साथ उनकी डेब्यू फिल्म इशकजादे , रणवीर सिंह और प्रियंका चोपड़ा के साथ 'गुंडे', आलिया भट्ट के साथ '2 स्टेट्स' और करीना कपूर खान के साथ 'की एंड का'. अर्जुन कपूर ने कुल मिलाकर 19 फिल्में की हैं लेकिन उनमें से 15 फ्लॉप हुई हैं और एक्टर को हमेशा उनकी खराब एक्टिंग के लिए ट्रोल भी किया गया है. अर्जुन कपूर के लाइमलाइट में रहने की वजह उनकी पर्सनल लाइफ है. एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के साथ रिलेशनशिप हमेशा चर्चा का विषय रहा है.

लास्ट अर्जुन कपूर को फिल्म 'कुत्ते' में देखा गया था जो बहुत बुरी साबित हुई थी. बता दें कि अब अर्जुन कपूर 'द लेडी किलर' और 'मेरी पत्नी का रीमेक', इन दो फिल्मों में नजर आ सकते हैं.

'पोन्नियिन सेलवन 2' की सफलता के बाद मणिरत्नम फिर पर्दे पर बनाएंगे ऐश्वर्या-विक्रम की जोड़ी

'पोन्नियिन सेलवन 2' ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 325 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सफलता हासिल की है। नंदिनी के रूप में पर्दे पर ऐश्वर्या राय बच्चन का मनमोहक रूप सबको कमाल लगा है। इसके अलावा लोगों को चियान विक्रम और ऐश्वर्या राय बच्चन की केमिस्ट्री भी काफी पसंद आई है। सिनेप्रेमी फिल्म में दोनों की जबर्दस्त बॉन्डिंग और ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री देखकर तालियां बजाने पर मजबूर हो रहे हैं। जिन लोगों को फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री कमाल लगी थी, वह लोग जल्द से जल्द दोनों को एक बार फिर साथ देखने की इच्छा रखते हैं। अब कुछ ऐसी रिपोर्ट्स आ रही हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि मणिरत्नम ही ऐश्वर्या राय बच्चन और चियान विक्रम को एक बार फिर साथ लाने की तैयारी कर रहे हैं।

मणिरत्नम, चियान विक्रम और ऐश्वर्या राय बच्चन की जादुई जोड़ी ने अब तक चार फिल्मों 'रावण्न', 'रावण', 'पोन्नियिन सेलवन 1' और 'पोन्नियिन सेलवन 2' में दर्शकों का मनोरंजन किया है। विक्रम और ऐश के बीच की केमिस्ट्री को पसंद करने वाले फैंस सोशल मीडिया पर शिकायत करते हैं कि किसी भी फिल्म में वे कभी भी खुशी से नहीं रहते हैं और अंत में या तो मर जाते हैं या एक दूसरे से अलग हो जाते हैं। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि मणिरत्नम दोनों को लेकर एक रोमांटिक फिल्म बनाने वाले हैं।

एक तमिल अखबार के अनुसार, सिनेमा जगत में ऐसी बातें हो रही हैं कि मणिरत्नम ऐश्वर्या राय बच्चन और चियान विक्रम स्टारर एक फिल्म की प्लानिंग बना रहे हैं। हालांकि, इस बात में कितनी सच्चाई है यह तब पता लगेगा, जब इसको लेकर कोई आधिकारिक एलान किया जाएगा। सामने आई रिपोर्ट में बताया गया है कि मणिरत्नम चियान विक्रम और ऐश्वर्या राय बच्चन को दोबारा कास्ट करने की सोच रहे हैं। लेकिन फिल्म के निर्माण में अभी वक्त लगेगा क्योंकि मणिरत्नम इस समय केएच 234 पर काम कर रहे हैं।

कॉलीवुड में चर्चा गर्म है कि मणिरत्नम चियान विक्रम और ऐश्वर्या राय अभिनीत एक रोमांटिक फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं और उन्होंने पहले ही स्क्रिप्ट फाइनल कर दी है।

सूत्रों के अनुसार, कमल हासन अभिनीत 'केएच 234' के बाद यह फिल्म निर्माता की अगली परियोजना होगी, जो इस साल सितंबर में शुरू हो सकती है। इतना ही नहीं कहा जा रहा है कि इसकी शूटिंग 2024 के मिड तक खत्म भी हो जाएगी।

वर्कफ्रंट की बात करें तो, पा. रंजीत की 'थंगालन' के एक एक्शन सीन की रिहर्सल के दौरान पसली में चोट लगने के बाद चियान विक्रम फिलहाल घर पर आराम कर रहे हैं। वह जून के पहले हफ्ते में काम फिर से शुरू करेंगे और फिल्म उस महीने के अंत तक पूरी हो जाएगी। वहीं ऐश्वर्या राय बच्चन इन दिनों अपनी फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन 2' की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। आपको बता दें, दोनों की जोड़ी इससे पहले भी कई बार फिल्मों में दिखाई दे चुकी है।

पुरी जगन्नाथ ने अपनी आगामी फिल्म 'डबल आईस्मार्ट' के लिए राम पोथिनेनी से हाथ मिलाया

दक्षिण भारतीय फिल्मों के डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। एक्टर विजय देवरकोंडा की पैन इंडिया फिल्म 'लाइगर'' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। लाइगर के फ्लॉप होने के बाद पुरी जगन्नाथ अपनी अगली फिल्म के साथ वापसी करने वाले हैं। अपनी आगामी फिल्म के लिए निर्देशक ने राम पोथिनेनी के साथ हाथ मिलाया है।

पुरी जगन्नाथ ने मिलाया राम पोथिनेनी से हाथ

हाल ही में, राम पोथिनेनी के जन्मदिन के अवसर पर पुरी जगन्नाथ और चार्मी कौर ने 'डबल आईस्मार्ट' एक पोस्टर लॉन्च किया है, जिसके बैकग्राउंड में भगवान शिव लिंगम और उनके हाथ में त्रिशूल नजर आ रहा है।

बता दें कि यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को तेलुगु, हिंदी, कन्नड़, तमिल और मलयालम में रिलीज किया जाएगा।

आपको बता दें कि बड़े पैमाने पर ब्लॉकबस्टर 'आईस्मार्ट' शंकर को स्क्रीन पर हिट हुए लगभग चार साल हो चुके हैं। इतने साल के बाद राम और निर्देशक पुरी जगन्नाथ ने एक और हिट फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। पुरी जगन्नाथ और चार्मी कौर मिलकर पुरी कनेक्ट्स पर फिल्म का निर्माण करेंगे। अभिनेता के जन्मदिन पर फिल्म के शीर्षक और रिलीज की तारीख की घोषणा की गई है। इस घोषणा के बाद फैंस में उत्साह की लहर दौड़ पड़ी है और वह फिल्म रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

पुरी और राम की फिल्म की घोषणा को साझा करते हुए फिल्म न निर्माताओं ने लिखा, 'उस्ताद राम और डैशिंग डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ का एनर्जेटिक कॉम्बो के लिए डबल आईस्मार्ट बैंग के साथ वापस आ गया है। आठ मार्च 2024 से सिनेमाघरों में एक हाई ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर। तेलुगु, हिंदी में , तमिल, मलयालम, कन्नड़।' बता दें कि इस फिल्म का संगीत मणि शर्मा देंगे। राम के अलावा फिल्म में अन्य कलाकारों की घोषणा अब तक नहीं की गई है।

शाकाहारी भी खा सकते हैं प्लांट बेस्ड मीट

दुनिया में लोग धीरे-धीरे शाकाहार की तरफ़ बढ़ रहे हैं। पर वो लोग जो रोज़ मांसाहारी भोजन करते हैं उनके लिए एकदम से इसे छोड़कर शाकाहार अपनाना मुश्किल हो सकता है। ऐसे लोग पौधे आधारित मांसाहार का सहारा लेते हुए धीरे-धीरे शाकाहार की तरफ़ बढ़ सकते हैं। वहीं जो सेहत के लिहाज़ से मांसाहार छोड़ना चाहते हैं उनके लिए भी यह अच्छा विकल्प है।

क्या है पौधे आधारित मांस?

रंग, स्वाद और बनावट में ये मीट जैसा होता है लेकिन इसे पौधों और अनाजों की मदद से तैयार किया जाता है। इसे पौधे आधारित खाद्य जैसे फलियां, दालें, किनोवा, नारियल का तेल, गेहूं के ग्लूटन या सीतान, सोयाबीन, मटर, चुकंदर के रस का अर्क आदि से तैयार किया जाता है। पशुओं के दूध के बजाय दूध ओट्स और बादाम से बनता है।

कितना फ़ायदेमंद है?

प्लांट बेस्ड मीट में कैलोरी और सैचुरेटेड फैट असल मीट की तुलना में कम होता है। शून्य कोलेस्ट्रॉल होता है और यह फाइबरयुक्त होता है।

ये पौधों और वनस्पतियों से तैयार होता है इसलिए इस तरह के मीट के प्रोटीन का सेवन करने से उच्च रक्तचाप, मोटापा, कैंसर और अन्य दीर्घकालीन (क्रॉनिक) बीमारियों के होने की संभावना कम हो सकती है। इतना ही नहीं पौधे आधारित प्रोटीन स्रोत जैसे कि दाल आदि होने से हृदय की बीमारी, मधुमेह आदि बीमारियों के होने के ख़तरे को कम किया जा सकता है। इसके अलावा कैंसर का ख़तरा भी कम होता है।

पाचन और आंत के माइक्रोबायोम को स्वस्थ रखता है, शौच की नियमितता को बेहतर बनाता है और वज़न भी नियंत्रित रखता है। पर्यावरण के लिहाज़ से भी ये फ़ायदेमंद है।

ध्यान रहे

ओमेगा 3 फैटी एसिड

प्रोटीन और अन्य तत्व जो जानवरों के मांस में प्रचुर मात्रा में होते हैं, वे पौधे आधारित आहार में नहीं मिलते।

कई बार इस शाकाहारी मीट को असल मीट का रूप-रंग देने के लिए रासायनिक रंगों का भी इस्तेमाल हो सकता है।

इसलिए ख़रीदने से पहले इसका ध्यान रखें। इसे अधिक खाने से बचें। दिन में 60 ग्राम से अधिक सेवन बिल्कुल न करें।

पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन बढ़ा सकता है अंजीर

अंजीर सिर्फ आज ही नहीं बल्कि सालों से पुरुषों की सेहत से जुड़ा हुआ है। आयुर्वेद में अंजीर से कई तरह के नुस्खे तैयार किए गए हैं, जो पुरुषों में बांझपन की समस्या को दूर कर सकते हैं। ऐसे में सोचिए कि अगर आप अंजीर को ऐसे ही खाएंगे तो इससे आपको कितने फायदे मिल सकते हैं। तो आइए आपको बताते हैं कि अंजीर में ऐसा क्या है जो पुरुषों की सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। जानिए विस्तार से।

1. टेस्टोस्टेरोन बढ़ाता है

टेस्टोस्टेरोन संश्लेषण के लिए जिंक बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए जिन पुरुषों में जिंक की कमी होती है उनमें टेस्टोस्टेरोन का स्तर कम हो सकता है। ऐसे में जिंक से भरपूर अंजीर टेस्टोस्टेरोन लेवल को बूस्ट करने में मदद कर सकता है। तो यही वजह है कि अंजीर खाने से टेस्टोस्टेरॉन बढ़ने की बात कही जाती है।

2. स्टैमिना बढ़ाने में मददगार

अंजीर आयरन के साथ-साथ मैग्नीशियम, जिंक, पोटैशियम, विटामिन बी6 और कैल्शियम से भरपूर होता है। ये सभी चीजें मसल्स की कमजोरी को दूर करती हैं और स्टैमिना बढ़ाने में मददगार होती हैं। स्टैमिना बढ़ाने के लिए अंजीर को भिगोकर खाएं।

3. नींद और मूड स्विंग को कम करने में मददगार

मैग्नीशियम से भरपूर होने के कारण अंजीर स्लीप एप्निया को कम करने में सहायक होता है। यह मेलाटोनिन और सेरोटोनिन हार्मोन को संतुलित करने में मददगार है। इसलिए नींद में सुधार और मूड स्विंग्स को कम करने के लिए दूध में पकाए गए अंजीर का सेवन करें।

4. स्पर्म काउंट बढ़ाने में

मददगार

अंजीर एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं और उनका मैग्नीशियम और जिंक शुक्राणु की गतिशीलता और गिनती बढ़ा सकते हैं। आपको बस इतना करना है कि नियमित दूध या दही में मिलाकर अंजीर का सेवन करना है। साथ ही आप इसे स्नैक्स के तौर पर भी खा सकते हैं।

आपका लिवर ठीक तरीके से काम कर रहा है या नहीं

हमारा शरीर स्वस्थ रहे, बीमारियां दूर रहें इसके लिए आवश्यक है कि हमारा लिवर स्वस्थ हो और ठीक तरीके से काम करता रहे। हालांकि लाइफस्टाइल में गड़बड़ी और अस्वास्थ्यकर आहार के कारण लिवर की सेहत पर गंभीर दुष्प्रभाव देखे जा रहे हैं। इसके अलावा शराब के सेवन को लिवर की सेहत के लिए सबसे गंभीर माना जाता है जिसके कारण कई प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बहुत कम उम्र के लोगों में भी लिवर की बीमारियों का निदान किया जा रहा है, यह निश्चित ही काफी चिंताजनक स्थिति है।

लिवर की बढ़ती की बीमारियों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 19 अप्रैल को वर्ल्ड लिवर डे मनाया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं सभी लोगों को लिवर की सेहत को लेकर सावधानी बरतनी चाहिए और नियमित अंतराल पर बॉडी चेकअप के माध्यम से इस अंग की स्थिति की निगरानी करते रहना चाहिए। लिवर की कई बीमारियां गंभीर और जानलेवा भी हो सकती हैं।

हम कुछ टेस्ट और कुछ सामान्य सी बातों पर ध्यान देकर भी जान सकते हैं कि हमारा लिवर लिवर ठीक तरीके से काम कर रहा है या नहीं, कैसे? आइए जानते हैं।

लिवर को स्वस्थ रखने के करें उपाय

लिवर स्पेशलिस्ट डॉक्टर बताते हैं, हमारा लिवर समय के साथ कुछ हद तक बीमारियों को खुद ठीक कर सकता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि हम लाइफस्टाइल और आहार का विशेष ध्यान रखें। स्वस्थ जीवनशैली का पालन करना (जिसमें पौष्टिक भोजन करना और नियमित व्यायाम) सभी के लिए आवश्यक है। शराब की आदत लिवर को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाती है, भले ही आप कम मात्रा में ही क्यों न पी रहे हों।

यदि आपको मधुमेह या हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां हैं तो इसे नियंत्रण में रखना भी लिवर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है।

स्वस्थ लिवर की पहचान क्या है?

लिवर के स्वस्थ रहने के मतलब आपका मेटाबॉलिज्म भी ठीक है। इसके आधार पर जाना जा सकता है कि आपका लिवर ठीक तरीके से काम कर रहा है या नहीं। यदि आप एनर्जेटिक महसूस करते हैं तो इसका मतलब है कि मेटाबॉलिज्म भी ठीक से काम कर रहा है जो स्वस्थ लिवर का संकेत है।

भोजन का पाचन ठीक तरीके से हो जाता है, गैस-एसिडिटी जैसी दिक्कत नहीं हो तो यह भी स्वस्थ लिवर का संकेत है।

लिवर की समस्याओं में सबसे पहले भूख लगना कम हो जाता है। यदि आपको समय पर भूख लगती है और भोजन ठीक से पच जाता है तो यह स्वस्थ संकेत है।

लिवर के सही तरीके से काम करने का संकेत यह भी है कि आपको पिछले 2-3 साल में पीलिया की दिक्कत नहीं हुई है।

ये जांच भी बताते हैं लिवर की स्थिति

लिवर की स्थिति का आकलन करने के लिए कुछ प्रकार के जांच भी आपकी मदद कर सकते हैं। लिवर फंक्शन टेस्ट के माध्यम से लिवर की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। सीरम टेस्ट भी लिवर फंक्शन का पता लगाने में सहायक है। हमारा लिवर, सीरम एल्ब्यूमिन नामक प्रोटीन बनाता है, इसका स्तर कम होना लिवर और किडनी दोनों की समस्याओं का संकेत हो सकता है।

डियोड्रेंट से हो सकती है एलर्जी, गर्मी में इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें इन बातों का

हम रोजाना कई सारे कैमिकल्स के बीच जीते हैं। इनमें से कुछ हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं, तो कुछ को हमने शौक या लग्जरी की वजह से अपना लिया है। इनमें एक बड़ा प्रतिशत है कॉस्मेटिक्स का। डियोड्रेंट का प्रयोग भी इसी के अंतर्गत आता है। गर्मियों के दिन हों या बारिश के, पसीने और उमस भरे वातावरण में डियोड्रेंट मन को ताजगी का एहसास देने का काम करता है। साथ ही ये पसीने की दुर्गंध को भी दूर रख सकता है। मुश्किल यह है कि डियो का गलत तरीके से इस्तेमाल या अधिक इस्तेमाल भी कई समस्याएं खड़ी कर सकता है।

खासतौर पर बगलों यानी आर्मपिट पर। लेकिन यह पसीने पर नियंत्रण नहीं करता। डियोड्रेंट एक प्रकार का कॉस्मेटिक ही है। इसलिए ये रसायनों से ही बनाए जाते हैं। पसीने की बदबू को रोकने के लिए इनमें परफ्यूम का उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही इनमें अल्कोहल भी होता है। यही कारण है कि जब आप स्किन पर इसे अप्लाई करते हैं तो स्किन रूखी और रंगहीन भी हो सकती है।

एलर्जी और डियो

डियो के कारण कई बार एलर्जी ट्रिगर हो सकती है। इसमें त्वचा पर रैशेज, दाने, लाली, खुजली, जलन होना या त्वचा पर पपड़ी बनना या सूजन आना आदि होने के साथ ही सांस सम्बन्धी लक्षण भी पनप सकते हैं। आमतौर पर यह कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस का ही एक प्रकार होता है। ऐसा डियो में मौजूद एल्युमिनियम, अल्कोहल, कृत्रिम सुगंध, पैराबीन्स जैसे प्रिजर्वेटिव्ज, रंग या अन्य रसायनों की वजह से हो सकता है।

इन बातों का रखें ख्याल

-सबसे पहली चीज है आपकी स्किन की संवेदनशीलता। अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो बहुत सतर्कता से डियो का चुनाव करें। हो सके तो विशेषज्ञ से परामर्श भी लें।

-आपको याद रखना होगा कि शरीर पर आने वाला पसीना बदबूदार नहीं होता। ये आपकी स्किन पर पलने वाले बैक्टीरिया

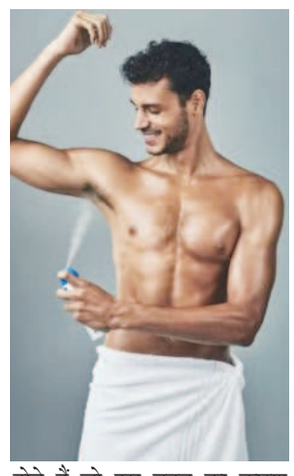

होते हैं जो इस बदबू का कारण बनते हैं। इसलिए यदि आप बॉडी ओडर से परेशान हैं तो पहले इसका कारण जानें। बजाय कारण समझे ढेर सारे डियो का उपयोग न करें। हो सकता है आपके साथ कोई ऐसी समस्या हो जिसे सही उपचार की जरूरत हो।

-चूंकि डियो को हमेशा सीधे स्किन पर लगाया जाता है। ऐसे में यदि डियो लगाने के बाद त्वचा पर जलन, खुजली, रूखेपन आदि का एहसास हो, तो तुरंत उसे लगाना बन्द कर दें।

-आजकल बाजार में नैचुरल डियोड्रेंट भी उपलब्ध हैं। ये ज्यादातर प्राकृतिक साधनों जैसे- एसेंशियल ऑइल्स, बेकिंग सोडा, कॉर्नस्टार्च आदि के प्रयोग से बनाये जाते हैं। इनका प्रयोग अधिक सुरक्षित हो सकता है। यदि इनसे भी एलर्जी के लक्षण उभरते हैं तो डियो का प्रयोग न करें।

-कॉटन के साफ धुले कपड़े पहनने, रोज अच्छे से नहाने, शरीर को साफ रखने, शरीर के अतिरिक्त बालों को हटाने और खान-पान में थोड़ा बदलाव लाने जैसे तरीकों से काफी हद तक पसीने की बदबू को नियंत्रित किया जा सकता है।

-आर्मपिट डिटॉक्स, एलोवेरा, नारियल तेल, टी ट्री ऑइल, एप्सम सॉल्ट, कोल्ड कम्प्रेस, आदि जैसे साधनों से भी बदबू की समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

बढ़ते वजन को कम करने के टिप्स

वजन घटाने के लिए क्या खाएं, यह सवाल अक्सर कई लोग पूछते हैं। लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि वजन कम करना एक लंबी प्रक्रिया है जो धीरे-धीरे चलती है। लेकिन, अगर आप डाइट और एक्सरसाइज की मदद से वजन जल्दी कम करते हैं तो यह उतनी ही तेजी से बढ़ेगा। इसलिए कोशिश करें कि पहले बढ़ते वजन को रोकें और उसे संतुलित करें और फिर अपना वजन कम करें।

1. जई

अगर आप अपने बढ़ते वजन को रोकना चाहते हैं तो आपको अपने दिन की शुरुआत ओट्स से करनी चाहिए। दरअसल, ओट्स में हाई फाइबर होता है जो मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और वजन घटाने में मदद करता है। ओट्स को आप खिचड़ी, दलिया और स्मूदी बनाकर भी ले सकते हैं।

2. अंकुरित

स्प्राउट्स खाने के कई फायदे हैं, जिनमें से एक है तेजी से वजन कम होना। जी हां, अगर आप तेजी से वजन कम करना चाहते हैं तो आपको अपने नाश्ते में स्प्राउट्स को शामिल करना चाहिए। इसके लिए आप मूंग की दाल, चना और मेथी को अंकुरित करके खा सकते हैं। वे उच्च प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होते हैं जो भूख नियंत्रण और वजन घटाने में मदद करते हैं।

3. कच्चा पनीर

कच्चा पनीर तेजी से वजन घटाने में मदद कर सकता है। दरअसल, कच्चे पनीर में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है, जो भूख को नियंत्रित करने, हार्मोन को संतुलित करने और वजन घटाने में मदद करता है। इसके अलावा यह सुबह से ही आपके मेटाबॉलिज्म रेट को हाई रखता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

4. पालक की स्मूदी

पालक की स्मूदी आपके लिए तेजी से वजन घटाने वाली ड्रिंक बन सकती है। सुबह के समय इसका सेवन करने से पहले मांसपेशियों को ताकत मिलती है जिससे आप वजन घटाने की एक्सरसाइज आसानी से कर सकते हैं। इसके अलावा यह मेटाबॉलिज्म रेट को भी बढ़ाता है, जिससे तेजी से वजन घटाने में मदद मिलती है।

5. दो अंडे खाएं

अगर आप नियमित रूप से दो अंडे खाते हैं तो इसका प्रोटीन आपके वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज कर सकता है। यह आपकी चयापचय दर को बढ़ाता है, हार्मोनल स्वास्थ्य को बनाए रखता है और क्रेविंग को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

गाल स्टोन को निकालने का एक ही तरीका शल्यक्रिया

प्रश्न. मेरी उम्र 38 वर्ष है। डायबिटीज का रोगी हूं। अंग्रेजी दवाई चल रही है फिर भी रक्त शर्करा नियंत्रण में नहीं आती। क्या करू उपाय बताएं.

—अनिल कुमार,वरंगल।

उत्तर. जीवन शैली में परिवर्तन और अनुवांशिकता के कारण दिनोदिन मधुमेहियों की संख्या बढ़ती जा रही है। तेलंगाना में हर पांच सौ आदमी मधुमेह से पीड़ित है। आराम पसंद जीवन या फिर हमेशा तनावग्रस्त रहना दोनों स्थितियों में प्रमेह रोग उत्पन्न हो जाता है। आप अभी जो अंग्रेजी दवाइयां ले रहे हैं उन्हें तुरंत ना रोके। उनके साथ ही आयुर्वेदिक दवाइयां प्रारंभ कर दें। धीरे-धीरे अंग्रेजी दवाइयों को हटाया जा सकता है।

आप उंझा जंब्रोस टिकिया दो दो गोली सुबह दोपहर शाम भोजन पूर्व लेवे। भोजन के बाद ऊंझा चंद्रप्रभा वटी एवं उंझा आरोग्यवर्धिनी वटी की एक-एक गोली ले ले। भोजन में मीठा व मिठाई बंद कर दे। हर रोज पैदल चले कसरत करें। दिवाशयन से बचे। आराम पसंद जीवन का त्याग करें स्वेद बहाएं। थोड़े ही दिनों में आपकी रक्त शर्करा सामान्य होकर मधुमेह नियंत्रण में आ जाएगा।

प्रश्न : मेरे गाल ब्लैडर में मटर के दाने के बराबर पथरी है। मुझे बिल्कुल भी दर्द नहीं होता डॉक्टर ऑपरेशन पर जोर दे रहे हैं, पर मुझे कोई परेशानी नहीं है। ऐसे में क्या ऑपरेशन कराना चाहिए? कृपया सुझाव दें।

– अरविंद राव , मेदक

उत्तर : गाल ब्लैडर याने पित्ताशय में पथरी के बढ़ने का मुख्य कारण है कोलेस्ट्रॉल के स्तर में वृद्धि। पित्ताशय की पथरी बनती ही हैं कोलेस्ट्रॉल से ही । यह जब तक सताती नहीं है ,याने तीव्र उदर शूल नहीं होता है तब तक, मेरी राय में शल्यक्रिया की आवश्यकता नहीं होती। तेज दर्द उठने पर ही ऑपरेशन जरूरी होता है।

गाल स्टोन को निकालने का सर्वोत्तम तरीका भी केवल शल्यक्रिया ही है । यह एकदम सही है। गाल स्टोन का निदान होते ही यदि औरा लिविंझ टिकिया, ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टेबलेट व डेबोलिव कैप्सूल लेना आरंभ करते हैं, तो एकदम से शल्यक्रिया की आवश्यकता नहीं पड़ती।

ऊंझा लिवला इ व सैरप भी इसमें उपयोगी साबित हुआ है।

भोजन में तैलीय पदार्थ, नमकीन, मिठाइयां, फास्ट फूड, जंक फूड, गरिष्ठ पदार्थ , मांसाहारी व्यंजन, आचार आदि लेना बंद कर देने से धीरे-धीरे कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटने लगता है। और उपरोक्त कही गई दवाओं का सेवन गाल स्टोन को बढ़ने और एक्टिवेट होने से रोकता है। नतीजा - आपको शल्यक्रिया की ऐसी स्थिति में बिल्कुल भी जरूरत नहीं पड़ती। 'सादा भोजन- उच्च विचार' को जीवन में अपनाने से इस रोग से बचा जा सकता है।

प्रश्न : खांसी - जुकाम के कारण गला बैठ गया है। बोलने में तकलीफ होती है । आयुर्वेदिक उपचार बताएं।- अनुराग शर्मा, हैदराबाद

उत्तर : सर्दी- ज़ुकाम को आयुर्वेद में प्रतिश्याय के नाम से जाना जाता है। प्रतिश्याय के चलते संक्रमण स्वर यंत्र तक पहुंच जाता है। और स्वर यंत्र के प्रभावित होने के कारण गला बैठ जाता है, आवाज बदल जाती है । ऐसे में नमक के पानी से गरारे करने से राहत मिलती है। ऊंझा खदिरादी वटी के चूसने से स्वर ठीक होने लगता है। इसमें ऊंझा लवंगादि वटी के चूसने से भी आराम मिलता है। ऊंझा कंठ सुधारक वटी गले के बैठने में उपयोगी है। इसमें यष्टिमधु मिला होने के कारण कफ को भी यह आसानी से निकाल देता है। मुलैठी के टुकडे चूसने या मुलेठी धन को उसने से भी राहत मिलती है। हल्का ज्वर रहने की स्थिति में एलेक्झी टिकिया, कफकुठार रस और चौंसठप्रहरी पिपर लेने से लाभ होता है।

गला बैठने की स्थिति में किसी भी प्रकार का मीठा, मिठाई, नमकीन , तले -पदार्थ, ठंडे पेय, आइसक्रीम , कुल्फी व फ्रिज में रखे पदार्थ न खाएं। दही व बासी भोजन से परहेज़ करें। हर भोजन के बाद कुल्ली अवश्य करें। सीधा-साधा , गर्म - ताजा, सुपाच्य भोजन ही करें। ज्यादा बोलने और जोर से बोलने से भी बचे।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

71,000 युवाओं को मिलेगी सरकारी नौकरी

रोजगार मेला में प्रधानमंत्री 16 मई को बांटेंगे ज्वॉइंनिंग लेटर

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोजगार मेला के तहत 71 हजार लोगों को ज्वॉइंनिंग लेटर बांटेंगे।यह अप्वॉइंटमेंट लेटर 16 मई यानी कल रोजगार मेला के दौरान नव नियुक्त कर्मचारियों को दिया जाएगा।नियुक्ति पत्र मगंलवार को 10.30 बजे बांटे जाएंगे।प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में वीडिया कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे।इसके बाद पीएम मोदी युवाओं को संबोधित भी करेंगे।यह रोजगार मेला देश के 45 जगहों पर आयोजित किया जाएगा।इन जगहों पर अधिकारियों के माध्यम से अप्वॉइंटमेंट लेटर दिए जाएंगे। 71 हजार युवाओं की भर्ती केंद्र

सरकार के विभागों में की जाएगी।राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से ये भी ये भर्तियां की जा रही हैं।

किन विभागों में मिलेगी नौकरी

देश भर से चयनित नए कर्मचारी भारतीय डाक सेवक, डाक निरीक्षक, वाणिज्यिक-सह-टिकट क्लर्क, जूनियर क्लर्क टाइपिस्ट, जूनियर लेखा क्लर्क, ट्रैक मेंटेनर, सहायक अनुभाग अधिकारी, लोवर डिविजन क्लर्क, सब डिविजन अधिकारी, टैक्स असिस्टेंस, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, निरीक्षक, नर्सिंग अधिकारी, सहायक सुरक्षा अधिकारी, फायरमैन, सहायक लेखा अधिकारीa, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, मंडल लेखाकार, लेखा परीक्षक, कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, सहायक कमांडेंट, प्रधानाचार्य, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, सहायक रजिस्ट्रार, सहायक प्रोफेसर जैसे कई पदों पर इनकी भर्तियां की जा रही हैं।

रोजगार मेला पीएम की एक खास पहल

गौरतलब है कि रोजगार मेला रोजगार देने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक खास कदम है।केंद्र सरकार को उम्मीद है कि रोजगार मेला आगे रोजगार पैदा करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।यह युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्टीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा।

खुद को ट्रेनिंग देने का अवसर

रोजगार मेला के तहत नए भर्ती किए गए लोगों को कर्मचारियों को खुद से प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा, जो विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नए नियुक्तियों के लिए ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स है।

आम लोगों को डबल राहत,अब 3 साल में सबसे कम हुई थोक महंगाई

ब्याज दरों पर क्या होगा असर !

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। आम लोगों को महंगाई की मार से राहत मिलने के संकेत दिखने लगे हैं। खुदरा महंगाई के बाद अब थोक महंगाई में भी बड़ी गिरावट आई है। अप्रैल महीने में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर शून्य से भी नीचे आ गई है। यह थोक महंगाई का करीब 3 साल का सबसे निचला स्तर है।

अब इतनी है थोक महंगाई

सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर गिरकर शून्य से 0.92 फीसदी नीचे आ गई। जुलाई 2020 के बाद ऐसा पहली बार हुआ हे कि थोक महंगाई दर शून्य से भी नीचे गिर गई हो। इससे पहले मार्च महीने के दौरान भी थोक महंगाई की दर में भारी गिरावट देखने को मिली थी और यह कम होकर 1.34 फीसदी पर आ गई थी।

इतनी कम हुई थी खुदरा महंगाई

थोक महंगाई की दर लगातार कम हो रही है। अप्रैल 2023 लगातार

11वां महीना है, जब थोक महंगाई की दर में गिरावट आई है। यह फरवरी में 3.85 फीसदी और जनवरी में 4.73 फीसदी रही थी। यह आम लोगों के लिए डबल राहत है, क्योंकि इससे पहले जारी किए गए खुदरा मूल्य आधारित महंगाई के आंकड़ों में भी गिरावट आई थी। अप्रैल महीने के दौरान खुदरा महंगाई की दर मार्च के 5.7 फीसदी की तुलना में कम होकर 4.7 फीसदी पर आ गई थी। यह खुदरा महंगाई का 18 महीने का सबसे कम स्तर है।

इन कारणों से आई कमी

वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि अप्रैल महीने के दौरान थोक महंगाई में आई कमी का कारण कई जरूरी चीजों की कीमतों में नरमी है। बेसिक मेटल्स, खाने-पीने के सामानों, मिनरल ऑयल, टेक्सटाइल, नॉन-फूड आर्टिकल्स, केमिकल, रबर, पेपर आदि के भाव तेजी से कम हुए हैं। इसका असर थोक महंगाई के आंकड़ों में दिख रहा है।

तेजी से गिरे खाने के तेल के भाव

अप्रैल महीने के दौरान डब्ल्यूपीआई फूड इंफ्लेशन यानी खाने-पीने की चीजों की थोक महंगाई कम होकर 0.17 फीसदी पर आ गई, जो एक महीने पहले यानी मार्च में 2.32 फीसदी रही थी। खाने के तेल के मामले में सरकार के उपाय कारगर साबित होते दिख रहे हैं। सरकार ने तेल कंपनियों को वैश्विक बाजारों में आई गिरावट का असर ग्राहकों को देने का निर्देश दिया था। इसका असर हुआ कि अप्रैल में खाने के तेल की थोक महंगाई शून्य से 25.91 फीसदी नीचे गिर गई। इसी तरह प्राइमरी आर्टिकल्स की थोक महंगाई कम होकर 1.60 फीसदी पर आ गई। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने के दौरान ईंधन एवं बिजली की थोक महंगाई 0.93 फीसदी रही, जबकि विनिर्मित वस्तुओं की थोक महंगाई शून्य से 242 फीसदी नीचे गिर गई।

ब्याज दरों में आ सकती है कमी

खुदरा महंगाई की दर लंबे समय के बाद 5 फीसदी से नीचे आई है और अब उसके बाद थोक महंगाई के आंकड़ों ने तगड़ी राहत दी है। इससे उम्मीद की जा रही है कि लोगों को जल्द महंगी ब्याज दरों से छुटकारा मिल सकता है। रिजर्व बैंक ने महंगाई को काबू करने के लिए पिछले एक साल में रेपो रेट को 2.50 फीसदी बढ़ाया है। चूंकि महंगाई दर नियंत्रण में आ चुकी है और अब अर्थव्यवस्था की वृद्धि को रफ्तार देना जरूरी हो गया है, ऐसी उम्मीद हैकि रिजर्व बैंक जल्दी ही रेपो रेट के मामले में राहत का ऐलान कर सकता है। अगर रेपो रेट कम होता है तो लोगों के होम लोन से लेकर अन्य कर्जों के ब्याज कम हो जाएंगे, जिससे ईएमआई भी कम होगी। हालांकि रिजर्व बैंक रेपो रेट के बारे में निर्णय लेते हुए थोक महंगाई के बजाय खुदरा महंगाई के आंकड़ों को तवज्जो देजा है।

बाजार में हरियाली, सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा चढ़कर 62300 के ऊपर, निफ्टी 18400 के पास बंद

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में आज शानदार तेजी के साथ कारोबार बंद हुआ है। बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक जबरदस्त बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहे हैं। शेयर बाजार में आज शुरुआत तो ज्यादा तेजी के साथ नहीं हुई थी पर डे ट्रेडिंग में सेंसेक्स और निफ्टी में हरियाली छाई रही और क्लोजिंग भी ग्रीन जोन में हुई है।

कैसी रही बाजार की क्लोजिंग

बीएसई के सेंसेक्स में आज 317।81 अंक यानी 0।51 फीसदी की उछाल के साथ 62,345 के लेवल पर कारोबार बंद हुआ है। इसके अलावा एनएसई के निफ्टी में 84।05 अंक यानी 0।46 फीसदी की बढ़त के साथ 18,398 पर कारोबार की क्लोजिंग हुई है।

बैंक निफ्टी की शानदार चाल

बैंक निफ्टी ने बाजार को आउटपरफॉर्म किया और आज एक बार फिर अपने ऑलटाइम हाई लेवल को छूकर वहां से वापस लौटा। 14 दिसंबर 2022 को बैंक निफ्टी ने अपने ऑलटाइम हाई को छुआ था और आज एक बार फिर इसी लेवल तक ये इंडेक्स गया है। बैंक निफ्टी ने आज 44,000 के लेवल को छूकर इससे ऊपर के लेवल दिखाए। हालांकि फार्मा सेक्टर ने आज अच्छा परफॉर्म नहीं किया और इसके शेयरों में आज गिरावट का माहौल देखा गया है।

सेंसेक्स और निफ्टी का हाल

बीएसई के सेंसेक्स के 30 में से 24 शेयरों में उछाल रहा और केवल 6 शेयरों में गिरावट के साथ कारोबार बंद हुआ है। इसके अलावा एनएसई के निफ्टी के 50 में से 33 शेयरों में तेजी देखी गई और 17 शेयरों में गिरावट के साथ क्लोजिंग हुई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	मेष--	04-01 बजे
चंद्र-	मीन	में	वृष--	05-45 बजे
मंगल	कर्क	में	मिथुन..	07-45 बजे
बुध-	मेष	में	कर्क...	09-58 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	12-10 बजे
शुक्र-	मिथुन	में	कन्या..	14-16 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	16-22 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	18-32 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	20-46 बजे
			मकर..	22-51 बजे
			कुंभ...	00-42 बजे
			मीन ..	02-20 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 05-47 सूर्य अस्त- 18-37
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल .. उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - 23 -36 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष , मंगलवार May 16
नक्षत्र - उ.भाद्रपद - 08- 14 - तक उपरान्त रेवती
योग - प्रीति - 23 - 15 - तक उप - आयुष्मान
करण- कौलव - 12 -17 - तक उप- तैतिल
विशेष:- अपरा एकादशी व्रत- निम्बार्क
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग-05-55 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:26 से 17:03 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
रोग	05:47 - 07:22	अशुभ	काल.	18:37 - 20:03 अशुभ
उत्पात	07:22 - 08:59	अशुभ	लाभ.	20:03 - 21:26 शुभ
चंचल	08:59 - 10:36	शुभ	उत्पात	21:26 - 22:49 अशुभ
लाभ	10:36 - 12:13	शुभ	शुभ.	22:49 - 00:12 शुभ
अमृत	12:13 - 13:49	शुभ	अमृत	00:12 - 01:36 शुभ
काल.	13:49 - 15:26	अशुभ	चंचल	01:36 - 02:59 शुभ
शुभ.	15:26 - 17:03	शुभ	रोग	02:59 - 04:22 अशुभ
रोग	17:03 - 18:37	अशुभ	काल	04:22 - 05:47 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे । अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा । आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें । उस दोस्त की अपनी कुछ परेशानियां चल रही ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है । आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे । इसके बारे में अच्छे से सोच लें क्योंकि अब यह व्यक्ति आपके साथ लम्बे समय तक रहेगा ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं । आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है । इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे जो भविष्य में काफी लाभकारी साबित होंगी ।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।अपने दिन की शुरुआत या अंत एक अच्छी धीमी सैर के साथ करें ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरूरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

अरहर की दाल के दाम में हो सकती है बड़ी कमी, इस तैयारी में जुटी सरकार

अरहर की दाल के दाम में उछाल के बीच सरकार इसके दाम को कम करने के लिए नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। नई तैयारी में जुटी है। भारतीय मार्केट में अरहर की दाल के दाम बढ़ रहे हैं, क्योंकि इसके स्टॉक में कमी आई है। अब इस स्टॉक को भरने और मार्केट में दाल की जरूरत को पूरा करने के लिए सरकार म्यांमार से बातचीत कर रही है। भारत के दलहन इंपोर्ट मार्केट में अरहर और उड़द की 70 फीसदी हिस्सेदारी है और म्यांमार से इन दोनों दालों का भारी मात्रा में आयात किया जाता है। ऐसे में डोमेस्टिक प्रोडक्शन म्यांमार में इन दालों की जमाखोरी कर रही हैं। इस बीच, दालों के दाम में कमी लाने के लिए सरकार म्यांमार से बातचीत कर रही है। एक अधिकारी के मुताबिक, अक्टूबर में नया सीजन शुरू होने तक दालों के दाम में उछाल जारी रह सकता है. ये बढ़ोतरी दालों के स्टॉक में कमी के कारण हुई है।

तेजी से बढ़ रही गोबर की कीमत

सरकार के इस फॉर्मूले से आम लोगों के साथ किसानों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत में इन दिनों गोबर की डिमांड बढ़ती हुई नजर आ रही है। आलम यह है कि पशुओं का गोबर उनके चारे से ज्यादा महंगा हो गया है। केंद्र और कई राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही गोबर खरीदी योजनाओं का असर इस पर सबसे ज्यादा दिखाई दे रहा है। साथ ही गोबर को ऊर्जा के स्रोत के रूप में भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन्हीं वजह से गोबर के दामों बढ़ रहे हैं। साल 2017 और 2018 में गोबर की डिमांड में मामूली गिरावट देखी गई थी। लेकिन बीते दस सालों के आंकड़े बताते हैं कि गोबर का मूल्य 10 वर्षों से लगातार बढ़ रहा है। गोबर का मूल्य आगे भी बढ़ने की संभावना है, क्योंकि केंद्र व राज्य सरकारें गोबर खरीदने की कई योजनाएं चला रही हैं। साथ ही इसे ऊर्जा के स्रोत के रूप में भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। गोबर की पूछ इसलिए भी बढ़ी है, क्योंकि इसका इस्तेमाल हाल के वर्षों में बायोगैस और बायो

फर्टिलाइजर में तेजी से बढ़ा है। इसके पहले खादी व ग्रामोद्योग आयोग ने खादी प्राकृतिक पेंट नाम से एक पहल की थी, जिसमें गोबर मुख्य सामग्री थी। इसी तरह छत्तीसगढ़ सरकार ने गोधन न्याय योजना शुरू की है। देखने में आया है कि कई अन्य राज्य भी इस योजना की कॉपी कर रहे हैं।अमर उजाला डिजिटल से चर्चा में ऊर्जा विशेषज्ञ और लेखक अरविंद मिश्रा गोबर के गणित को कुछ इस तरह समझाते हैं। मिश्रा कहते हैं कि गोबर हमारी कृषि व्यवस्था में खाद के नजरिए से लंबे समय से एक अहम फीडस्टॉक रहा है। यहां तक कि पशु पालन का उद्देश्य ही दूध और गोबर जनित खाद हासिल करना सबसे अहम था। लेकिन कथित हरित क्रांति की वजह से रासायनिक खाद का इस्तेमाल कुछ इस तरह बढ़ा कि पैदावार तो बढ़ी, लेकिन उसने खेती-किसानी की लागत बढ़ाने के साथ जमीन की उर्वरा शक्ति को भी कमजोर किया। इसका नकारात्मक असर हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ा है। यही वजह है कि अब एक बार फिर गोबर खाद रासायनिक खादों का विकल्प बन रही है। अरविंद मिश्रा के मुताबिक, देश में गोबर खाद और कंपोस्ट खाद का उपयोग प्राचीन काल से होता आ रहा है। विभिन्न प्रकार के वर्मी कंपोस्ट खाद भी तैयार करने की विधियां ईजाद की गई हैं। जैविक खाद से जुड़ी आधुनिक तकनीकों से अब हम गोबर और कंपोस्ट की एक टन खाद से लगभग पांच किग्रा नाइट्रोजन, 2.5 किग्रा फास्फोरस एवं पांच किग्रा पोटाश हासिल कर सकते हैं। भविष्य में गोबर की दरें और बढ़ेंगी। क्योंकि अभी देश में जैविक खाद की क्षमता का 50 फीसदी उपयोग भी नहीं हो पाया है।

सेबी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया- 2016 से नहीं चल रही अदाणी समूह के कंपनियों की जांच, दावा निराधार

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने एक हलफनामे में कहा कि वह 2016 से अदाणी समूह के कंपनियों की जांच नहीं कर रहा है और इससे जुड़े आरोप निराधार हैं। सेबी के हलफनामे में कहा गया है कि इस दौरान 51 भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों के खिलाफ जांच की गई, जिनमें से कोई भी अदाणी समूह की सूचीबद्ध कंपनी नहीं थी। सेबी ने कहा है कि यह बिल्कुल निराधार बात है कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) 2016 से अदाणी की जांच कर रहा है। सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में हिंडनबर्ग मामले की जांच के लिए समय बढ़ाने की मांग वाली याचिका पर जवाबी हलफनामा दाखिल कर दिया है। नियामक ने इस हफलनामे में साफ किया है कि वर्ष 2016 से अदाणी समूह की जांच किए जाने की बात तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह निराधार है। दरअसल, याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया था कि जब 2016 से अदाणी समूह के खिलाफ जांच चल रही है तो सेबी को और समय क्यों चाहिए। न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों की जांच के संदर्भ में, सेबी ने बताया है कि वह मामले की जांच के लिए पहले ही 11 विदेशी नियामकों से बहुपक्षीय समझौता ज्ञापन के तहत प्रतिभूति आयोगों के अंतरराष्ट्रीय संगठन के साथ संपर्क कर चुका है। इन नियामकों से जानकारी देने के लिए अनुरोध किए गए थे विदेशी नियामकों के लिए पहला अनुरोध 6 अक्टूबर, 2020 को भेजा गया था। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के आरोपों से जुड़ी जांच पर सेबी ने कहा कि लेनदेन की कड़ी जांच के लिए डेटा और सूचना के मिलान की आवश्यकता होगी।

कई घरेलू और साथ ही अंतरराष्ट्रीय बैंकों से बैंक स्टेटमेंट सहित विभिन्न स्रोतों से जानकारी, लेन-देन में शामिल ऑन-शोर और ऑफ-शोर संस्थाओं के वित्तीय विवरण और अन्य सहायक दस्तावेजों के साथ संस्थाओं के बीच अनुबंध और समझौते यदि हों, उनकी पड़ताल करनी होगी। इसके बाद, निर्णायक निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले विभिन्न स्रोतों से प्राप्त दस्तावेजों का विश्लेषण करना होगा।

क्रेडिट स्कोर खराब है तो ऐसे मिलेगा क्रेडिट कार्ड जानें क्या है नियम

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। देश में अधिकतर लोग क्रेडिट कार्ड से ही बिल भरते हैं। इसका उपयोग शॉपिंग, बिजली बिल, पानी बिल के अलवा अलग-अलग जगहों किया जाने लगा है। कोई भी बैंक उन्हीं कस्टमर्स को क्रेडिट कार्ड देती है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा रहता है। वैसे लोग जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा नहीं है, वो भी क्रेडिट कार्ड बनवा सकते हैं। ऐसे लोग एफडी के बदले क्रेडिट कार्ड बनवा सकते हैं। वैसे लोग जिनका क्रेडिट स्कोर खराब है, उन्हें सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड बनवाना पड़ता है। सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड एफडी द्वारा सक्योर्ड होता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एसबीएम बैंक अपने एफडी के साथ यह सुविधा देती है।

सोना 370 रुपये मजबूत हुआ, चांदी 750 रुपये उछली

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 370 रुपये की तेजी के साथ 61,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,980 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी भी 750 रुपये की तेजी के साथ 74,350 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "दिल्ली के बाजारों में सोने का हाजिर भाव 350 रुपये की तेजी के साथ 61,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। विदेशी बाजारों में सोना और चांदी दोनों तेजी के साथ क्रमशः 2,023 डॉलर प्रति औंस और 24.26 डॉलर प्रति औंस पर चल रहे थे। गांधी ने कहा कि अमेरिका में ऋण सीमा के संकट और बैंकिंग क्षेत्र के संकट को लेकर बढ़ती आशंकाओं के बीच सुरक्षित निवेश की मांग से सोमवार को एशियाई कारोबारी घंटों में कॉमेक्स पर सोने में तेजी रही।

आईफोन बनाने वाली कंपनी और तेलंगाना के बीच 50 करोड़ डॉलर निवेश का करार

25 हजार नौकरियों का होगा सृजन

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। तेलंगाना के मंत्री केटी रामा राव ने आज घोषणा की है कि एपल के उत्पादन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन तेलंगाना में 50 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी और परियोजना के पहले चरण में 25,000 लोगों को रोजगार दिया जाएगा। फॉक्सकॉन का संयंत्र हैदराबाद के पास रंगारेड्डी जिले के कोंगर कलान में बनेगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बेटे और राव ने ट्वीट में कहा, मुझे आज कोंगर कलान में फॉक्सकॉन के पहले संयंत्र की आधारशिला रखने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

50 करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश के साथ पहले चरण में करीब 25000 लोगों को नौकरियां मिलेंगी। रामा राव जिन्हें केटीआर के नाम से भी जाना जाता है, तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार मंत्री हैं। वह नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास और उद्योग और वाणिज्य विभागों को भी संभालते हैं। तेलंगाना सरकार और फॉक्सकॉन की ओर से जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि नई उत्पादन इकाई से विश्व स्तरीय उत्पादों की डिलीवरी जारी रखने का वादा है।बयान में कहा गया है कि फॉक्सकॉन इंटरकनेक्ट टेक्नोलॉजी की वैश्विक विस्तार रणनीति के लिए एक मील का पत्थर है।

गो फर्स्ट के पट्टेदारों की याचिका पर फैसला 22 को

एनसीएलटी की दो सदस्यीय पीठ ने आदेश सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण गो फर्स्ट की स्वैच्छिक दिवाला समाधान प्रक्रिया के खिलाफ तीन विमान पट्टेदारों की याचिकाओं पर 22 मई को अपना आदेश पारित करेगा। न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने सोमवार को तीन याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। पीठ ने पक्षकारों से अगले 48 घंटे में अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने को भी कहा। अपीलीय न्यायाधिकरण एसएमबीसी एविएशन कैपिटल लिमिटेड, जीवाई एविएशन और एसएफवी एयरक्राफ्ट होल्डिंग्स की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। तीनों पट्टेदारों ने गो फर्स्ट को करीब 21 विमान पट्टे पर दिए हैं। बता दें कि इस महीने अब तक कई पट्टेदारों ने गो फर्स्ट के 45 विमानों का पंजीकरण रद्द करने और उन्हें वापस लेने के लिए विमानन नियामक डीजीसीए से संपर्क किया है। गो फर्स्ट के उड़ान बीते 3 मई से बंद हैं। पिछले हफ्ते एनसीएलटी की दिल्ली स्थित प्रधान पीठ ने गो फर्स्ट के मामलों को देखने के लिए एक अंतरिम समाधान पेशेवर नियुक्त किया था और दिवालिया समाधान प्रक्रिया के हिस्से के रूप में इसके बोर्ड को निलंबित कर दिया था।

पायलट की जनसभा में 15 विधायक पहुंचे, गहलोत पर निशाना

मंत्री गुढ़ा बोले- हमारी सरकार का एलाइनमेंट खराब हो चुका, भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड टूटे

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। जनसंघर्ष यात्रा के समाप्त होने के बाद सचिन पायलट ने कहा कि कुछ लोग इस सभा को बिगाड़ने का प्रयास कर सकते हैं।

इससे पहले संबोधन में मंत्री राजेंद्र गुढ़ा सीएम गहलोत और अपनी ही सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा,'हमारी सरकार का एलाइनमेंट खराब हो चुका है। भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बिना पैसे कोई फाइल नहीं खिसकती है।'

इससे पहले सोमवार सुबह करीब 11 बजे जनसंघर्ष यात्रा महापुरा मोड़ से शुरू होकर अजमेर रोड पर एक फेज में ही पूरी हो गई। अब यहां पायलट की जनसभा हो रही है। माना जा रहा है कि इस सभा में पायलट अगले सियासी कदम की घोषणा कर सकते हैं। सभा में अब तक 13 विधायक पहुंच चुके हैं। पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नारायण सिंह पायलट की सभा में पहुंचे हैं, इनका आना सियासी रूप से काफी अहम माना जा रहा है।

यात्रा के आखिर दिन अच्छी खासी संख्या में पायलट के समर्थक पहुंचे। वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने सोमवार को यात्रा हिस्सा लिया। पायलट समर्थक विधायक, मंत्री अब तक इस पैदल यात्रा से दूर थे, लेकिन जनसभा कई जनप्रतिनिधि पहुंचे हैं। मंत्री राजेंद्र गुढ़ा, जीआर खटाना, वेद सोलंकी, सुरेश मोदी, पारीक, हरीश मीणा, खिकाड़ीलाल बैरवा, गिर्राज मलिंगा, दीपेंद्र सिंह शेखावत,मुकेश भाकर और रामनिवास गावडिया इसमें प्रमुख रूप से शामिल हैं।

जनसभा में पायलट समर्थक विधायकों ने सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधा। नागौर की लाडनूं सीट से विधायक मुकेश भाकर ने कहा, 'गहलोत चाहते हैं कि पायलट पार्टी छोड़कर चले जाएं। हम कहीं नहीं जाएंगे। यहीं रहकर इनकी छाती पर मूंग दलेंगे।'

धारीवाल पर गुढ़ा का बड़ा हमला

सैनिक कल्याण मंत्री राजेंद्र गुढ़ा बोले- हमारी राजस्थान सरकार का एलाइनमेंट खराब हो गया है। कोई भी फाइल पैसे के बिना आगे नहीं खिसकती। गुढ़ा ने

धारीवाल पर बड़ा तंज किया। कहा- भरतसिंह चिट्ठी पर चिट्ठी लिख रहे हैं। भरतसिंह तीन साल से विधानसभा नहीं आ रहे हैं। भ्रष्टाचार तो धारीवाल और भाया कर रहे हैं। धारीवालजी राजस्थान की प्यासी जनता को पानी पिलाओ। आपके ऑफिस से कोई पैसे बिना भ्रष्टाचार के नहीं निकलती। हमारे मुख्यमंत्री जी ने पूछा शिक्षकों से ट्रांसफर पैसे से होते है तो शिक्षक बोले नहीं। भरत सिंह जी 3 साल से विधानसभा नहीं आ रहे हैं। वे चिट्ठी पर चिट्ठी लिखकर कह रहे, धारीवाल और भाया ने खूब खाया।'

वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत की मिलीजुली सरकार

गुढ़ा ने भी दोहराया कि वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत की सरकार मिलीजुली है। कहा, 'मेरे पास सबूत है हेलिकॉप्टर खाली क्यों लौटाया? सरकार में खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड दिए हैं। पायलट हमारे नेता हैं, जो फैसला आप करेंगे, हम मानेंगे। 2023 का फैसला जनता तय करेगी। राजस्थान की सरकार कर्नाटक के 40 परसेंट के कमीशन से भी ऊपर जा रही है, करप्शन की सारी हदें पार कर दी हैं। मुख्यमंत्री जी को और पूर्व मुख्यमंत्री जी को कोरोना भी एक साथ होता है। भाजपा के हेलिकॉप्टर कैसे खाली गए। भाजपा विधायकों को कैसे खरीदा गया, मेरे पास सबूत है इसके मुख्यमंत्री जी। किसे क्या-क्या दिए, इसके भी सबूत हैं। हेमाराम जी जैसे पाक साफ लोगों पर आरोप लगाते हो।'

मंत्री हेमाराम बोले- सीएम के आरोपों से आहत हूं, सीएम पर निशाना

सचिन पायलट की यात्रा में शामिल हुए मंत्री हेमाराम चौधरी ने सीएम अशोक गहलोत के आरोपों पर पलटवार किया है। मंत्री चौधरी ने कहा मुख्यमंत्री ने जिस तरह के आरोप लगाए हैं, उससे आहत हूं। अगर मुख्यमंत्री पैसे लेने का आरोपी मानते हैं तो मंत्रिमंडल से बाहर कर दें। मुझे मंत्री क्यों बना रखा है? इस यात्रा में नहीं आता तो कहां जाता। हमें बुलाया नहीं था, लेकिन जनता का मूड देख हम आए हैं, हम जनता से दूर कैसे रह सकते हैं। इसके जनसभा में अपने भाषण में मंत्री हेमाराम ने गहलोत को फिर घेरा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के कई नेताओं ने इस रैली में बाधा पहुंचाई। हमारे पर 10 20 ,50 और 100 करोड़ लेने के आरोप लगाए। फिर हम जैसे लोगों को मंत्री बनाकर क्यों बैठे हो। आप अपनी ही सरकार को आरोपों में ले रहे हो। सीएम के पास जो चला जाए] वह साहूकार और जो नहीं जाए, वह बेईमान हो जाता है। भाषण के दौरान हेमाराम चौधरी ने एक कहानी सुनाई। कहा कि एक बार गुंडों की गैंग का बादशाह, देश का बादशाह बन गया। उसने देश का बादशाह बनते ही सबसे पहले सारे गुंडों को जेल भिजवाया। ऐसे ही आप भी राजस्थान के बादशाह हैं, अपने भ्रष्ट साथियों को भिजवाएं।

पूर्व स्पीकर शेखावत बोले, कई मंत्रियों पर करप्शन के आरोप

जनसभा में संबोधित करते हुए पूर्व स्पीकर दीपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि कैलाश मेघवाल ने राजे सरकार पर पांच हजार करोड़ के करप्शन के आरोप लगाए थे। हमारी सरकार के मंत्रियों पर भी करप्शन के आरोप हैं, सबकी जांच होनी चाहिए। पायलट जब बीजेपी के करप्शन के खिलाफ आवाज उठाते हैं , नौजवान की आवाज उठाते हैं तो कई लोग कहते हैं कि बीजेपी से मिले हुए हैं। शेखावत ने यह शेर 'हम आह भी भरते हैं तो हो जाते हैं बदनाम, वे कत्ल भी कर दें तो चर्चा नहीं होती' पढ़कर तंज कसा। उन्होंने कहा, 'भगवान रामचंद्र ने जब लड़ाई लड़ी तो कोई राजा साथ नहीं था, बंदर की फौज उनके साथ थी।'

पायलट को सीएम कब बनाओगे, कार्यकर्ता की परीक्षा कब तक लोगे

चाकसू से विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने कहा, 'मुझे रंधावा ने बुलाया और सर्वे दिखाकर कहा कि चाकसू में तो भाजपा बोल रही है। मैंने उनसे कहा कि मेरे यहां बीजेपी बोल रही है, लेकिन जरा ये तो बताओ कि कांग्रेस कहां बोल रही है?

उन्होंने पूछा, 'पायलट को सीएम कब बनाओगे, कार्यकर्ताओं की परीक्षा कब तक लोगे। मैंने सीएम ऑफिस फोन किया कि पैसे का हिसाब देना है, आज तक तो बुलाया नहीं। पायलट को सीएम कब बनाओगे। कार्यकर्ताओं को कब तक परीक्षा लोगे। पायलट का चेहरा नहीं होता तो सरकार नहीं बनती। हम विधायक नहीं बनते। जिन विधायकों ने करप्शन किया, उन्हें भी उनकी जगह दिखा देना।

इससे पहले पायलट ने 11 मई को अजमेर में RPSC के पास से जनसंघर्ष यात्रा शुरू की थी। पांच दिन में 125 किलोमीटर की दूरी तय करके यात्रा जयपुर पहुंची है। इस यात्रा ने पेपरलीक और बीजेपी राज में करप्शन के मुददे को फिर हवा दे दी है। पायलट की यात्रा में उठाए गए बीजेपी राज के करप्शन को लेकर अब आगे भी सियासी विवाद होना तय माना जा रहा है।

यात्रा खत्म होने से पहले सचिन पायलट ने कहा- मौसम बदल रहा है। यह यात्रा युवाओं के भविष्य के लिए है।

गहलोत का तंज- मैं 156 सीट लाया, घमंड नहीं किया

कहा- सरकार बचाने में वसुंधरा-कैलाश मेघवाल के सहयोग का गलत मतलब निकाला गया

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत ने एक बार फिर सियासी संकट में सरकार बचाने में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और कैलाश मेघवाल के सहयोग का जिक्र करके सियासी चर्चा छेड़ दी हैं। गहलोत ने मिलीभगत के सचिन पायलट के आरोपों पर पलटवार करते हुए तंज भी कसा है। गहलोत ने कहा- मैंने कह दिया था कि हमारी सरकार को बचाने में वसुंधरा और कैलाश मेघवाल का सहयोग रहा है। उसका लोगों ने गलत मतलब लगा लिया। बचाने का अर्थ यह थोड़े ही है कि वसुंधरा ने कह दिया कि मैं आपकी सरकार के साथ खड़ी हूं।

साथ ही पायलट पर कहा- मैं 156 सीट लेकर आया था। मैंने कभी घमंड नहीं किया कि मैं लेकर आ गया हूं। गहलोत नागौर जिले के कुचामन सिटी में महंगाई राहत कैंप की सभा में शनिवार को बोल रहे थे। गहलोत ने कहा- मेरी सरकार तो आपकी दुआओं से बच गई है। इन्होंने कोई कमी नहीं छोड़ी थी। मेरी सरकार बचने वाली नहीं थी। इतने बड़े-बड़े सौदे हुए थे। उस वक्त कैलाश मेघवाल ने स्टेटमेंट

दिया कि राजस्थान में ऐसी कोई परंपरा नहीं रही है कि हॉर्स ट्रेडिंग से सरकार गिराई जाए।

कैलाश मेघवाल, भैरों सिंह शेखावत के खास थे। उन्होंने पुराना दौर देखा है। उन्होंने कहा कि खरीद-फरोख्त से सरकारों को पलटने की परंपरा हमारे नहीं रही है। ऐसे काम यहां नहीं होने चाहिए। ऐसा कोई स्टेटमेंट दिया था एमएलए, मुझे बताते थे।

राजे ने मुझे नहीं कहा था कि हमने आपकी सरकार बचा दी

गहलोत ने कहा- एमएलए ने मुझे बताया वसुंधरा राजे भी यही कह रही थी कि हमारे यहां हॉर्स ट्रेडिंग से सरकारी गिराने की परंपरा नहीं रही है। बस इतनी सी बात थी।

मैंने धौलपुर में इसका जिक्र कर दिया। वह सच्चाई थी, मैंने बता दी। राजे ने मुझे नहीं कहा था कि हमने आपकी सरकार बचा दी। उसका ऐसा माहौल बना दिया, जैसे कि मैं और वसुंधरा राजे मिले हुए हैं। हमारे तो 15 साल से आपस में टॉकिंग टर्म भी नहीं थे।

गहलोत ने कहा- बीमारी में गलती से कॉल आ गया तो कोई बात नहीं। अभी लोगों ने बवंडर कर दिया कि हम लोग मिले हुए हैं। यह लोग बहुत खतरनाक लोग हैं।

आप हम सब को समझना होगा राजनीति में लड़ाई विचारधारा की है। नीतियों के कार्यक्रमों की है। वसुंधरा राजे बदले की भावना से काम करती हैं। मैं प्यार मोहब्बत से काम करता हूं। वसुंधर अफसरों को डराती धमकाती हैं। राजे हमारी सरकार के काम बंद कर देती हैं।

पायलट पर तंज, कहा- मैंने कभी घमंड नहीं किया कि मैं 156 सीट लेकर आया हूं

सीएम गहलोत ने पायलट पर इशारों में हमला बोलते हुए कहा- 1998 में मैं पहली बार मुख्यमंत्री बना। उस समय 1952 से राजनीति कर रहे भैरों सिंह शेखावत 32 सीटों पर आ गए थे। मैं 156 सीट लेकर आया था।

मैंने कभी नहीं कहा मैं लेकर आया। मैंने यही कहा कि सोनिया गांधी, हाईकमान और हमारी नीतियों, कार्यक्रम सिद्धांत की जीत हुई है। यह मैं हमेशा कहता रहा। मैंने कभी घमंड नहीं किया कि मैं लेकर आ गया हूं।

गहलोत ने कहा- वसुंधरा राजे और हमारे तो बातचीत के संबंध भी नहीं थे। आज जो नेता प्रतिपक्ष हैं, राजेंद्र राठौड़ उनके सलाहकार थे। ये लोग चाहते ही नहीं थे कि मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री के बीच में अच्छे संबंध रहे।

राजस्थान में 70 कि.मी की स्पीड से चली आंधी

तीन दिन तेज हवा चलने का अलर्ट, बारिश होने की भी संभावना

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। उत्तर भारत में सक्रिय हुए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण राजस्थान में मौसम फिर बदल गया है। रविवार देर रात तक राज्य के कई शहरों में 30 से लेकर 70KM प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली। इससे कई जगह पेड़-पौधे और कच्चे स्ट्रक्चर गिर गए। बिजली गिरने और आंधी के बीच जयपुर, जोधपुर, चूरू, अलवर, टोंक समेत कई शहरों में बारिश भी हुई, जबकि कुछ जगह ओले भी गिरे। सोमवार सुबह हल्के बादल छाए रहे, इसके बाद राजस्थान के ज्यादातर इलाकों में तेज धूप खिली। मौसम के इस बदलाव से लोगों को तेज गर्मी से राहत मिली है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मौसम का असर अभी दो दिन और ऐसा ही बने रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, चूरू, जोधपुर, जैसलमेर से शुरू हुई आंधी-बारिश धीरे-धीरे पूर्वी राजस्थान तक आ गई। सीकर, जयपुर, अलवर, झुंझुनूं, टोंक जिलों में देर शाम तेज आंधी चलने के बाद कई जगह बारिश हुई।

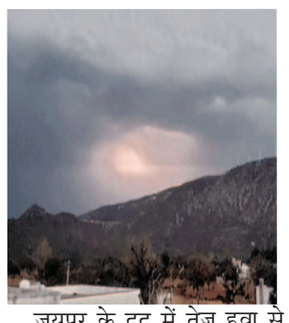

जयपुर के दूदू में तेज हवा से एक कच्चे मकान की दीवार गिर गई, जिससे एक आठ साल की बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए। तेज आंधी के कारण जयपुर शहर में कई जगह पेड़ गिरने से ट्रैफिक जाम हो गया, वहीं ग्रामीण इलाकों में बिजली गुल हो गई। इससे पहले शाम को शहर के आसमान पर धूल का गुबार छा गया था।

जोधपुर रविवार का पूरा दिन भट्टी की तरह तपा। चिलचिलाती धूप के बीच अधिकतम पारा 41.8 डिग्री तक पहुंच गया। अधिकतम पारा भी 5 डिग्री बढ़कर 31.3 डिग्री दर्ज किया गया। भीषण गर्मी का यह मौसम शाम होते-होते अचानक बदल गया। बादल छाने से धूप समय से पहले चली गई। फिर रात 8 बजे तेज वेग से हवाएं चलने लगी। हवाओं की गति देखते-देखते 70 किमी प्रतिघंटा हो गई। बारिश के साथ ओले गिरने लगे। आधे घंटे चले इस तूफान में कई जगह पेड़, बिजली के पोल व तार गिर गए।

सीकर में 18 मई तक आंधी चलने की संभावना है। हालांकि आज सुबह जिले भर में मौसम साफ है। इससे पहले रविवार को जिले में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने के साथ ही बारिश भी हुई थी। अजमेर में धूलभरी आंधी के बाद हल्की बूंदाबांदी से रविवार को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। भोपो का बाड़ा स्थित पवनसुत कॉलोनी के पास भैरव विहार में मकान पर बिजली गिर गई। बिजली गिरने से मकान की छत क्षतिग्रस्त हो गई। बिजली के बोर्ड, कूलर, टीवी, फ्रिज, वायरिंग सब खराब हो गए। मकान में कई जगह दरार आ गई। पुष्कर में भी देर रात तक बारिश, आंधी का दौर चला। सोमवार को भी 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। मौसम विभाग ने ओलावृष्टि की आशंका भी जताई है। जयपुर मौसम केंद्र के मुताबिक जयपुर में कल अधिकतम 68 किलोमीटर प्रतिघंटा, जैसलमेर 46 किलोमीटर, बीकानेर में 33, अजमेर 63, जोधपुर 65, चूरू 56 और करौली में 70 किलोमीटर स्पीड से तेज धूलभरी आंधी चली। राज्य में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में भी बड़ी गिरावट हुई। राजधानी जयपुर में एक दिन पहले (शनिवार रात) न्यूनतम तापमान बढ़कर 31.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था, जो बीती रात (रविवार रात) गिरकर 21.8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इसी तरह अजमेर में भी न्यूनतम तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 20.4 पर दर्ज हुआ।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राजस्थान-पाकिस्तान सीमा पर बीकानेर के नजदीक एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। इसकी इंटेनसिटी ज्यादा होने से एक ट्रफ लाइन राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली से होकर गुजर रही है।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी रंधावा की मुश्किलें बढ़ीं

पीएम मोदी के खिलाफ दिए भाषण पर कोटा कोर्ट ने केस दर्ज करने के लिए कहा

कोटा, 15 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर दिए बयान के मामले में बीजेपी विधायक मदन दिलावर की शिकायत (इस्तेगासा) पर कोर्ट ने पुलिस को मामला दर्ज कर जांच रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

दिलावर के वकील एडवोकेट मनोज पूरी ने बताया- मार्च में महावीर नगर थाने में रंधावा के खिलाफ शिकायत दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। फिर दिलावर की तरफ से कोटा में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम 6 में कांग्रेस प्रभारी के खिलाफ इस्तेगासा पेश किया था। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सोमवार को महावीर नगर थाना पुलिस को दिलावर के प्रार्थना पत्र पर मामला दर्ज करने के आदेश दिए।

मनोज पूरी ने बताया- 3 मई को इस्तेगासा पेश किया गया। 10 मई को कोर्ट ने एसपी शरद चौधरी से रिपोर्ट मांगी थी। जिस पर एसपी ने रिपोर्ट कोर्ट में पेश की। रिपोर्ट में बताया कि रंधावा ने जयपुर में भाषण दिया था इसलिए कोटा में मामला नहीं बनना पाया जाता। इस कारण कोटा मुकदमा दर्ज नहीं किया।

कोर्ट ने बहस सुनने के बाद कहा- जो भाषण जयपुर में दिया

गया था। उसका प्रभाव कोटा के साथ साथ पूरे देश में भी। फौजदारी मामले में जिस अपराध का परिणाम अगर कहीं भी नहीं निकलता तो वहां पर मुकदमा दर्ज कराया जा सकता है। कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करके मामले की जांच रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए।

एडवोकेट मनोज पुरी ने बताया- 13 मार्च को कांग्रेस पार्टी द्वारा जयपुर में आम सभा आयोजित की गई थी। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भाषण दिया था कि 'अडानी को मारने से कुछ नहीं मिलेगा, मोदी को खत्म करो। मोदी खत्म हो गया तो देश बच जाएगा। अगर मोदी रहा तो देश बर्बाद हो जाएगा'।

हिंसा भड़काने का प्रयास किया

एडवोकेट ने कहा- रंधावा द्वारा भीड़ के बीच देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ हेट स्पीच दी गई। पीएम मोदी के विरुद्ध भड़काने उनकी हत्या करने के लिए प्रेरित करने, राष्ट्र की एकता व अखंडता को भंग करने और लोगों के बीच घृणा व हिंसा भड़काने का प्रयास किया है। जो भारतीय दंड संहिता की धारा 153 बी,124 ए, 295 ए, 504, 506, 511 आईपीसी के तहत दंडनीय अपराध है।

मनोज पूरी ने बताया- 18 मार्च को विधायक दिलावर ने महावीर नगर थाने में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के खिलाफ लिखित शिकायत दी थी। कांग्रेस की सरकार होने व कांग्रेस पार्टी का प्रदेश प्रभारी जैसा बड़ा पद होने के कारण रंधावा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई।

साही ने गर्भवती लेपर्ड को मौत के घाट उतारा

शरीर में जगह जगह मिले सेही के कांटे, सोमलपुर नर्सरी में कराया पोस्टमार्टम

अजमेर, 15 मई (एजेंसियां)। अजमेर के तारागढ़ के आस-पास लेपर्ड का मूवमेंट लोगों के लिए दहशत बना हुआ था। रविवार को एक गर्भवती मादा लेपर्ड का जंगल में शव मिला। बताया जाता है कि साही व लेपर्ड के झंगडे. में उसकी जान गई। लेपर्ड के शरीर में जगह जगह साही के कांटे मिले है। सोमलपुर नर्सरी में वन विभाग ने पोस्टमार्टम कराया। वन विभाग मामले की जांच में जुटा है।

तारागढ़ के सोमलपुर नर्सरी के निकट हैप्पी वैली के पास एक लेपर्ड के शव की सूचना मिली। वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी देशराज मेघवाल टीम के साथ पहुंचे। देखा तो पाया कि लेपर्ड मादा थी और उसकी उम्र करीब दो साल थी। उसके सिर व शरीर के हिस्सों में साही के कांटे चुभे थे। वन विभाग की टीम ने लेपर्ड को कब्जे में लिया और सोमलपुर नर्सरी पहुंचे। जहां मेडिकल बोर्ड की टीम से पोस्टमार्टम कराया गया।

मेघवाल ने बताया कि साही व लेपर्ड में लड़ाई हुई होगी और लेपर्ड के शरीर में कांटे घुस गए। ऐसे में उसका खून ज्यादा बह निकला और मौत हो गई। मादा लेपर्ड गर्भवती थी। पोस्टर्मांटम रिपोर्ट मिलने के बाद वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। वन विभाग की टीम जांच कर रही है। बीते दो माह से इस क्षेत्र में लगातार लेपर्ड का मूवमेन्ट देखने को मिल रहा था। आस पास के क्षेत्र में देखा गया लेपर्ड यही है या नहीं, इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता।

टैंट गोदाम में लगी आग, एक-एक कर फटे सिलेंडर

इस हादसे पर 7 घंटे बाद काबू हुई आग, सामान जलकर राख

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। जयपुर के कानोता इलाके में देर रात टैंट गोदाम में आग लग गई। घटना जामडोली के पास की है। आग से कॉलोनी में हड़कंप मच गया। पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग बुझाने का काम शुरू किया गया। रात 1 बजे लगी आग पर सुबह करीब 7 बजे काबू पाया गया। इस दौरान 12 से

ज्यादा दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। इस दौरान गोदाम में रखे दो सिलेंडर भी फट गए।

स्थानीय निवासी विकास मीणा ने बताया- रात करीब 1 बजे कॉलोनी में स्थित टैंक गोदाम में आग लगी। जानकारी मिलने पर पुलिस और दमकल को जानकारी दी गई। दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंचती। उससे पहले गोदाम में रखे गैस सिलेंडर एक के बाद एक फट गए।

सिलेंडर फटने की जानकारी दमकल को दी गई। इसके बाद उन्हें भी आग को कंट्रोल करने में समय लगा। क्योंकि किसी को पता नहीं था कि गोदाम में और कितने सिलेंडर पड़े हैं। टैंक गोदाम के कर्मचारी के मौके पर आने पर पता चला की गोदाम में केवल दो ही सिलेंडर हैं।

आरटीओ जीप को घसीटता ले गया ट्रक, एक की मौत

आधा किलोमीटर दूर जाकर रुका ट्रक ड्राइवर, इंस्पेक्टर की हालत भी गंभीर

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। जयपुर में देर रात करीब 3 बजे एक ट्रक चालक ने कोहराम मचा दिया। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर आरटीओ की जीप को टक्कर मार दी। फिर जीप को करीब आधा किलोमीटर घसीटते हुए ले गया। इस दौरान एक गार्ड की मौत हो गई। जीप में बैठे अन्य चार जवान घायल हो गए। सभी को निम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहीं, एक इंस्पेक्टर की हालत गंभीर बताई जा रही है।

चंदवाजी थाना पुलिस ने बताया- आरटीओ की टीम जयपुर के चंदवाजी क्षेत्र में चालान काट रही थी। आरटीओ इंस्पेक्टर रवि दत्त की अगुवाई में आरटीओ गार्ड और अन्य स्टाफ शाहपुरा

इलाके में स्थित मानपुरा माचेडी क्षेत्र में तैनात था। इंस्पेक्टर अपनी जीप में बैठे थे। आरटीओ गार्ड और अन्य स्टाफ वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। इस दौरान एक ट्रक को चैकिंग करने के लिए रोका गया। आरटीओ टीम से बातचीत के दौरान ट्रक चालक गुस्सा हो गया। उसने गुस्से में ट्रक को फिर स्टार्ट किया। आरटीओ टीम की ओर मोड़ दिया। बचने के लिए सभी जीप में घुस गए। ट्रक चालक ने जीप को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर के दौरान जीप ट्रक में फंस गई। चालक करीब आधा किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी तक जीप को घसीटता ले गया।

सीएम केसीआर ने शतरंज ग्रैंडमास्टर प्रणीत को 2.50 करोड़ रुपये देने की घोषणा की

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री श्री के. चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना शतरंज खिलाड़ी उप्पला प्रणीत (16) के 'विश्व शतरंज महासंघ ग्रैंडमास्टर' रैंक के लिए योग्य होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रणीत ने बहुत ही कम उम्र में शतरंज में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की। जैसे ही फेडरेशन ने ग्रैंडमास्टर की घोषणा की, सीएम केसीआर ने सोमवार को प्रणीत और उनके माता-पिता को सचिवालय बुलाया और शतरंज ग्रैंडमास्टर को आशीर्वाद दिया। सीएम ने प्रणीत के माता-पिता को बधाई दी जिन्होंने कड़ी मेहनत की और उसे अच्छी तरह प्रशिक्षित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रणीत की लगन और मेहनत ने उन्हें ग्रैंडमास्टर बनाया। सीएम केसीआर ने उम्मीद जताई कि प्रणीत और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे और भविष्य में तेलंगाना राज्य और भारत के लिए भी ख्याति और प्रसिद्धि लाएंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रणीत को पूरा सहयोग करेगी। इस मौके पर सीएम केसीआर ने प्रणीत को प्रशिक्षण और अन्य खर्चों के लिए 2.50 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। प्रणीत के माता-पिता ने सीएम केसीआर का शुक्रिया अदा किया। सीएम ने कहा कि प्रणीत का ग्रैंड मास्टर के रूप में उभरना इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दे रही है और खेल क्षेत्र के विकास के लिए किए गए उपायों के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। इसी क्रम में सीएम केसीआर ने शतरंज चैंपियन नंदिता को 50 लाख रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने वीरलापल्ली नंदिता (19) को विश्व शतरंज महासंघ द्वारा 'महिला उम्मीदवार मास्टर' के रूप में मान्यता दिए जाने पर बधाई दी। सीएम केसीआर ने नंदिता को उन्नत प्रशिक्षण और अन्य खर्चों के लिए 50 लाख रुपये देने की घोषणा की। सीएम ने कामना की कि नंदिता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई ऊंचाइयों तक पहुंचे। सीएम केसीआर ने अपने सचिव भूपाल रेड्डी को इस दिशा में तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

जन सेवा संघ संचालन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ द्वारा संचालन समिति की बैठक आयोजन किया गया। संचालन समिति के संयोजक श्रीकांत पांडेय ने सभा का संचालन किये और संघ के उपस्थित सभी सदस्यों से चर्चा करते हुए विकास कार्यों की जानकारी सभी सदस्यों को प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। जन सेवा संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी ने बताया कि सभी सदस्य एकजुट होकर बहुत ही बढ़िया कार्य कर रहे हैं और सभी को ऐसे ही निरंतर कार्य करते रहना है। आज जन सेवा संघ शहर के सभी लोगों और सरकार में एक छाप छोड़ चुका है। जन सेवा संघ के उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि वह सभी सदस्यों से बातचीत करके खेलकूद के आयोजन का रूपरेखा बनायेंगे और जल्द ही कबड्डी या वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन करेंगे।

जन सेवा संघ के महासचिव सुधीर जायसवाल ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए पिछले महीने के क्रियाकलापों और आय व्यय की विस्तृत जानकारी सभी सदस्यों को दिये। गोविंद तिवारी ने कहा कि जो भी संचालन समिति के पुराने सदस्य हैं उनसे बातचीत करके उन्हें भी जोड़ना चाहिए। सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि हमें सांस्कृतिक समिति का बैठक बुलाकर सुंदरकांड पाठ कार्यक्रम पर चर्चा करनी चाहिए। राजीव रंजन चौबे ने बताया कि वह मेडिकल कमेटी की बैठक जल्द बुलाएंगे और उन्होंने किसी के इलाज के लिए मचा बोलाराम स्थित अस्पताल का सुझाव दिया। आरपी सिंह ने बताया कि वह जल्द ही छठ पूजा समिति, उत्सव समिति की बैठक का आयोजन करेंगे और कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करेंगे और पूर्वी जोन में भी काम चल रहा है और जल्द ही सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों को जोड़ा जाएगा। एसआर चौबे, केड़ी चौबे, वीड़ी चौबे, केबीएन सिंह, हरेंदर चौबे ने बताया कि उनके क्षेत्र में, जोन में निरंतर कार्य प्रगति पर है और जल्द ही क्षेत्रीय अध्यक्ष बना लिए जाएंगे। बैठक में प्रत्येक जोन में होने वाली बैठकों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई एवं पिछली बैठकों का मूल्यांकन किया गया।

ग्राहकों से संपर्क बनाने में हिंदी मददगार : यू. उपेन्दर

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कंप्यूटर आधारित दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए यू.उपेन्दर, प्रमुख, अंचलीय ज्ञानार्जन केंद्र, हैदराबाद ने कहा कि हिंदी भाषा अपनाने के पीछे दो कारण मुख्य रूप से हैं। पहला कारण है हिंदी भाषा संपर्क भाषा होने के कारण ग्राहकों के साथ अच्छा संपर्क बनाने में मदद करती है और दूसरा कारण केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार हिंदी लागू करना हमारा कर्तव्य भी है।

इस अवसर पर बोलते हुए भी देवकांत पवार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से सभी स्टाफ सदस्यों को कंप्यूटर और मोबाइल के माध्यम से कैसे हिंदी में काम किया जा सकता है इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा और कार्यशाला उपरांत सभी प्रतिभागी अपना काम हिंदी में करने में सक्षम होंगे। श्री साहेबराव कांबले, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आज हमारे पास कंप्यूटर और मोबाइल में हिंदी में काम करने के लिए अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं और उनका उपयोग करते हुए हमें हिंदी को तेजी से लागू करना चाहिए। सुश्री स्नेहा सिंह, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। सुश्री स्नेहा साव, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने सभी का धन्यवाद किया। सुश्री उपासना सिरसैया, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं अंगेश कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने विभिन्न विषयों पर सत्र लिए। सुश्री श्रुति पांडे, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यक्रम का संचालन किया।

अग्र महिला मंच का समर कार्निवाल फॉर किड्स मनाया गया

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच तेलंगाना का ग्रीष्मकालीन मेला केमिस्ट भवन एबिड्स में बड़े ही जोर शोर से संपन्न हुआ।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि करीब 500 महिलाओं, बालिकाओं, बच्चों ने इसमें आकर चटपटी चाट, गेम्स का आनंद लिया महिलाओं, बालिकाओं ने बहोत सुंदर सुंदर स्टाल्स आईस गोला, आइसक्रीम, काला खट्टा, भेल पूरी, वड़ा पाव, कचोरी चाट, पानीपुरी, समोसा व विविध प्रकार की स्वादिष्ट व्यंजनों की लगाई। इस मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने किया। इस अवसर पर डॉ. दिलीप पंसारी ने उक्त आयोजन की प्रशंसा करते हुए अग्र महिला मंच को बधाई दी और कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं और बच्चों हेतु अत्यधिक महत्वपूर्ण है। आपने यह भी कहा की निकट भविष्य में वे समाज मे ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करने हेतु पूर्ण कोशिश करेंगे। मंच द्वारा केंद्रीय समिति उपाध्यक्ष दिलीप पंसारी, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग (दोमलगुड़ा शाखा) अरविंद गोयल (हैदरगुड़ा शाखा) का स्वागत किया गया। छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों के साथ ग्रीन कारपेट पर दादी नानी ने रैंप वॉक, फैशन शो, फैंसी ड्रेस में भाग लिया। मंत्राणी अंजू गोयल ने अपने विचार व्यक्त किए एवम् सभी का स्वागत किया। सर्वश्रेष्ठ स्टॉल सजावट में मंजू केजरीवाल, संगीता देवड़ा को पुरस्कृत किया गया। इन सभी प्रतियोगिताओं की निर्णायिका वंशिका आहूजा थी। इसमें सरला अग्रवाल, मंजू केजरीवाल, मधु गोयल, संगीता देवड़ा, प्रभावती अग्रवाल, सपना अग्रवाल, सीमा पंसारी, सुनीता अग्रवाल, सीमा गर्ग, मीता पंसारी, पायल गर्ग, वंदना अग्रवाल का भी सहयोग रहा।

निर्मल में मिली भगवान शिव की प्राचीन मूर्ति

निर्मल, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध शोधकर्ता थुम्मला देवराव ने भगवान शिव की एक असाधारण प्राचीन मूर्ति की खोज की घोषणा की, जो 11वीं शताब्दी की है। यह मूर्ति दिलावरपुर मंडल स्थित कडिली गांव के श्री पपहरेश्वर स्वामी देवस्थानम में मिली है। एक प्रेस बयान में, देवराव ने एक मंदिर के परिसर के भीतर इस दुर्लभ कलाकृति का पता लगाने पर आश्चर्य व्यक्त किया। मूर्ति में भगवान शिव को एक दिव्य नृत्य में लगे हुए दिखाया गया है, जिसमें एक संगीतकार ढोल बजा रहा है। विशेष रूप से, भगवान शिव अपने दाहिने पैर से एक अचेत व्यक्ति को वश में करते हुए दिखाई देते हैं। एक हाथ में, वह डमरुकम धारण करता है, जबकि उसका दूसरा हाथ आश्वासन प्रदान करता है, जैसा कि देवराव द्वारा समझाया गया है।

हिलेस की मासिक गोष्ठी में यूरोप के दस देशों के संस्मरण प्रस्तुत किये गये

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 581वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में संपन्न हुआ। कर्मचारी राज्य जीवन बीमा निगम के सेवानिवृत्त वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ठाकुर दिनेश सिंह ने अध्यक्षता की और कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया। गोष्ठी में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और डॉ. एम. लक्ष्मणाचार्युलु का शॉल, पुष्पमाला और मोतियों की माला से सम्मान किया गया। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने यूरोप के 10 देशों के संस्मरण प्रस्तुत किये। उन्होंने जर्मनी, इटली, फ्रांस, रोम, वेटिकन सिटी, लिंचस्टन, नेदर लैंड, बेलज़ियम, स्वीट्ज़र लैंड और आस्ट्रिया जैसे देशों के प्रेरणादायक संस्मरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि विदेश यात्रा के लिए अपने आपको तैयार करना पड़ता है। विदेशों की हवा और पानी अलग होता है, जिसका स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। अध्यक्षीय टिप्पणी में ठाकुर दिनेश सिंह ने कहा कि आज की गोष्ठी में दोनों साहित्यकारों द्वारा ज्ञान की वर्षा हुई है। इस अवसर पर एक कवि गोष्ठी वरिष्ठ कवि शिवकुमार तिवारी कोहीरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती रत्नकला मिश्र ने धन्यवाद दिया।

'देसिल बयना' के मंच पर डॉ. सदरे आलम गौहर का सम्मान

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मैथिली साहित्य के प्रसिद्ध रचनाकार डॉ. सदरे आलम गौहर के हैदराबाद आगमन पर 'देसिल बयना' के मंच पर उनका भव्य स्वागत किया गया। मंच के मई माह की बैठक संस्था के उपाध्यक्ष शम्भुनाथ झा के आवास पर डॉ. गौहर की अध्यक्षता में ही सम्पन्न हुई। सबसे पहले डॉ. गौहर का 'देसिल बयना' परिवार की ओर से स्वागत किया गया। फिर बहुत देर तक डॉ. गौहर द्वारा कविता और गजल का एकल पाठ किया गया। इसके साथ ही श्री मनोज शाण्डिल्य, जागृति मंडल एवं शम्भू नाथ झा ने भी अपनी-अपनी कविताओं और गजलों का पाठ किया। बैठक में रानी झा, विजयलक्ष्मी झा, डॉ. सदरे आलम गौहर, चन्द्र मोहन कर्ण, शम्भू नाथ झा, मनोज शाण्डिल्य, दीपक कुमार झा, मोहन मुरारी झा, तरुण प्रभात, मनोज कमार झा, संत कुमार मंडल 'जागृति', अनूप कुमार झा आदि ने भाग लिया।

साहित्य सेवा समिति की 99वीं गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साहित्य सेवा समिति की 99वीं गोष्ठी आनलाइन सम्पन्न की गई। प्रथम सत्र का संचालन भी गीता अग्रवाल ने किया। और कार्यक्रम की अध्यक्षता की हैदराबाद की साहित्यकार चन्नुरी कामेश्वरी ने की। कार्यक्रम का आरम्भ आर्या झा के स्वरचित सरस्वती वंदना से किया गया। तत्पश्चात समिति की महामंत्री सुनीता लुल्ला जी ने उपस्थित सभासदों का स्वागत् किया। द्वितीय सत्र का आरम्भ ममता जायसवाल ने किया। ममता के संचालन में नगरद्वय के उपस्थित कवियों ने अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया। काव्य पाठ करने वाले कवियों में दर्शन सिंह, विनोद गिरि अनोखा, ममता जायसवाल, गीता अग्रवाल, आर्या झा, तृप्ति मिश्रा, चंद्र प्रकाश दायमा, ज्योति नारायण, सत्य प्रसन्न, उर्मिला पुरोहित, चन्नुरी कामेश्वरी, सुनीता लुल्ला और डॉ. दया कृष्ण गोयल शामिल रहे।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा के वार्षिक साधारण सभा व चुनाव संम्पन

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव शालीबंडा स्तिथ नरेश कुमार जी बंसल के निवास पर सम्पन हुए।

जारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के संयुक्त मंत्री ने बताया कि सर्व प्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी पूजा-अर्चना की गयी तत्पचात शाखा के अध्यक्ष महावीर प्रसाद डोकनिया ने पधारे सभी सदस्यों का स्वागत किया, मंत्री ने वर्ष 2021-23 के कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला और कोषाध्यक्ष ने आये और वे के बारे में बताया. केंद्रीय समिति सदस्य उमेश अग्रवाल ने सभी का धन्यवाद् किया, इसके बाद अध्यक्ष ने चुनाव अधिकारी हरी किशन अग्रवाल को चुनाव प्रक्रिया के लिए आमंत्रित किया। हरिकिशन अग्रवाल के सभी की सहमति से चुनाव कराये जिसमे नवनिर्वाचित 2023-25, के पद के लिए अध्यक्ष राम किशन अग्रवाल, उपाध्यक्ष आनंद संघी, मानद मंत्री पंकज गोयंका, सह मंत्री प्रकाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेम अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य उमेश अग्रवाल को चुना गया. सलाहकार समिति में महावीर प्रसाद डोकानिया, नरेश कुमार बंसल, एवं रामदेव अग्रवाल को नियुक्त किया गया, कार्यकारिणी समिति में पवन कुमार डोकानिया, अनिल अग्रवाल, रोशन अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, हरी किशन अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, फथेचंद मित्तल, जयेश अग्रवाल, का चयन किया गया।

सभा में महावीर प्रसाद डोकानिया, प्रकाश अग्रवाल, आनंद संघी, रामकिशन अग्रवाल, नरेश कुमार बंसल, फथेचंद मित्तल, उमेश अग्रवाल, जय प्रकाश अग्रवाल, सुरेंद्र संघी, रामदेव अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, पवन कुमार डोकानिया, प्रेम कुमार अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, हरी किशन अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज जेड कॉलोनी सनतनगर शाखा के वार्षिक साधारण सभा व चुनाव संम्पन

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज जेड कॉलोनी सनथनगर शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव सनथ नगर स्तिथ संतोष ढाबा पर संम्पन हुए। जारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के मंत्री ने बताया की सर्व प्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी पूजा अर्चना की गयी तत्पचात शाखा के अध्यक्ष ने पधारे सभी सदस्यों का स्वागत किया, मंत्री ने वर्ष 2021-23 के कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला और कोषाध्यक्ष ने आये और वे के बारे में बताया।

31 मई को करीमनगर में टीटीडी मंदिर के लिए शिलान्यास समारोह

करीमनगर में टीटीडी मंदिर के निर्माण से संबंधित दस्तावेज सोमवार को टीएस योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार, नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर और टीटीडी तेलंगाना स्थानीय सलाहकार समिति के अध्यक्ष भास्कर राव को सौंपते हुए टीटीडी बोर्ड के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी।

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजा और शिलान्यास समारोह 31 मई को करीमनगर शहर में सुबह 7.26 बजे आयोजित किया जाएगा।

टीटीडी करीमनगर शहर के बाहरी इलाके में पद्म नगर में दस एकड़ जमीन पर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का निर्माण कर रहा है, जिसकी अनुमानित लागत 20 करोड़ रुपये है। टीटीडी बोर्ड के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी ने करीमनगर शहर में टीटीडी मंदिर के निर्माण से संबंधित दस्तावेज सोमवार को यहां टीएस योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कमलाकर और टीटीडी तेलंगाना स्थानीय सलाहकार समिति के अध्यक्ष भास्कर राव को सौंपे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के अनुरोध पर, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने करीमनगर शहर में टीटीडी के निर्माण के लिए टीटीडी को निर्देश दिया था। मंत्री ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार आयोजित किया जाएगा और भगवान वेंकटेश्वर स्वामी कल्याणम भी उसी दिन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि करीमनगर शहर में टीटीडी मंदिर के निर्माण से पूरे उत्तर तेलंगाना क्षेत्र के श्रद्धालुओं को लाभ होगा।

कृषि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है टीएस सरकार : पुव्वाड़ा

कोत्तागुडेम, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार ने कहा कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र से संबंधित शिक्षा, बुनियादी ढांचे के निर्माण, अनुसंधान और विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मंत्री ने सोमवार को जिले के अस्वराओपेट में प्रो. जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय से संबद्ध कृषि महाविद्यालय में 7.35 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित दो मंजिलों और आधुनिक सुविधाओं वाले 55 कमरों वाले एक नवनिर्मित बालिका छात्रावास भवन का उद्घाटन किया। अजय कुमार ने छात्रों से बातचीत की और उन्हें कृषि पाठ्यक्रम चुनने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान का अध्ययन करना देश की प्रगति में भाग लेने, उसकी सेवा करने, राष्ट्र और उसकी रक्षा करने वाले सैनिकों को खिलाने जैसा है। कृषि के विस्तार की आवश्यकता है। अजय कुमार ने कहा कि बीआरएस सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने किसानों को मुफ्त बिजली, सिंचाई, उर्वरक, बीज, रायथु बंधु और रायथु बीमा जैसी सुविधाएं प्रदान करके कृषि का विकास किया। उन्होंने कहा कि कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा करोड़ों रुपये किसानों को सौंपे जा रहे हैं। कृषि छात्रों के लिए यह गर्व की बात थी। उन्होंने कामना की कि सभी छात्र अच्छे कृषि अधिकारी बनें और किसानों को कृषि को लाभदायक बनाने के लिए बहुमूल्य सलाह दें। इस अवसर पर विधायक एम नागेश्वर राव, डीसीसीबी अध्यक्ष के नागभूषणम, जिला पुस्तकालय अध्यक्ष डिंडीगाला राजेंदर, जिला कलेक्टर अनुदीप डी, एसपी डॉ. विनीत जी और कॉलेज फैकल्टी उपस्थित थे।

इंद्रकरन रेड्डी ने निर्मल में सीएम कप-2023 का उद्घाटन किया

निर्मल, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि ग्रामीण युवाओं के खेल कौशल को सामने लाने के लिए सीएम कप खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सोमवार को निर्मल ग्रामीण मंडल के वेंगवापेट स्थित राजकीय उच्च विद्यालय के प्रांगण में आयोजित हो रहे सीएम कप-2023 का उद्घाटन किया।

माणकचन्द नरेश कुमार नालपुरिया परिवार, बंजारा हिल्स द्वारा पहाडी श्याम मंदिर, महिन्द्रा हिल्स में सहयोग प्रदान करने पर सम्मान करते हुए पहाडी श्याम मंदिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया। अवसर पर उपस्थित शिवशंकर नालपुरिया, नरेश नालपुरिया, राजेन्दर नालपुरिया, मनोज नालपुरिया, मुकेश नालपुरिया, एल.एन. अग्रवाल, कल्लु भाई डाकोतिया, रमाकांत अग्रवाल, अवनीश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल व अन्य।

बुधवार से कोत्तागुडेम में दो नए डायलिसिस सेंटर

कोत्तागुडेम, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डायलिसिस की जरूरत वाले गरीब किडनी रोगियों के लिए अच्छी खबर है. उनकी सुविधा के लिए जल्द ही कोठागुडेम जिले के सरकारी अस्पतालों में दो और डायलिसिस केंद्र शुरू होने जा रहे हैं। चूंकि मौजूदा डायलिसिस केंद्रों पर भार बढ़ गया है और कई डायलिसिस रोगी, जिन्होंने अपना नाम दर्ज कराया है, अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, राज्य सरकार ने जिले को तीन डायलिसिस केंद्रों को मुफ्त में इलाज करने की मंजूरी दी है।

नए डायलिसिस केंद्रों में से दो गवर्नमेंट एरिया हॉस्पिटल, मनुगुर और कम्युनिटी हेल्थ सेंटर, येल्लंदु में स्थापित किए गए हैं। वे दोनों बुधवार को उद्घाटन के लिए निर्धारित हैं और मौजूदा केंद्रों पर बोझ कम करेंगे। अस्वराओपेट में तीसरा डायलिसिस केंद्र इस महीने के अंत तक बनने की उम्मीद है। वर्तमान में, कोत्तागुडेम के सरकारी सामान्य अस्पताल में पांच मशीनों के साथ और भद्राचलमके सरकारी क्षेत्र के अस्पताल में 10 मशीनों के साथ डायलिसिस केंद्र चलाए जा रहे हैं। लेकिन वे डायलिसिस के मरीजों की बढ़ती संख्या की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सिद्धारमैया सबसे आगे ...

तब राज्य में बीजेपी की सरकार थी और बीएस येदियुरप्पा सीएम थे। राज्य सरकार की सिफारिश के बाद उनके खिलाफ आय से ज्यादा संपत्ति का मामला दर्ज किया गया था। डीके ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने जांच के आदेश को गलत बताया था, लेकिन चुनाव से कुछ दिन पहले ही हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। इस बार उन्होंने चुनावी हलफनामे में खुद की संपत्ति 1,413 करोड़ रुपए बताई है। 2018 में उनकी संपत्ति 840 करोड़ रुपए थी।

कर्नाटक में कांग्रेस की 34 साल बाद सबसे बड़ी जीत

कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 224 में से 135 सीटें जीती हैं। उसे 43% वोट मिले हैं। राज्य में सरकार चला रही बीजेपी को 66 और जेडी (एस) को 19 सीटें मिली हैं। कांग्रेस ने कर्नाटक में 34 साल बाद सबसे बड़ी जीत हासिल की है। इससे पहले 1989 में उसने 178 सीटें जीती थीं। 1999 में उसे 132 सीटें मिली थीं। कर्नाटक में किसी पार्टी का दोबारा सत्ता में न लौटने का रिकॉर्ड भी बरकरार रहा। राज्य में 38 साल से सरकार रिपीट नहीं हुई है। आखिरी बार 1985 में रामकृष्ण हेगड़े के नेतृत्व वाली जनता पार्टी ने सत्ता में रहते हुए चुनाव जीता था।

मुख्यमंत्री पर विधायकों की राय जानने के लिए ऑब्जर्वर्स ने बेंगलुरु में होटल शांगरी-ला में 4-5 घंटे तक बात की थी। कांग्रेस लीडर बीके हरि प्रसाद ने बताया कि मीटिंग में सीक्रेट बैलट वोटिंग भी हुई।

टी20 विश्वकप 2024 में कौन करेगा टीम इंडिया की कप्तानी? रवि शास्त्री ने की भविष्यवाणी

खेल डेस्क, 15 मई (एजेंसियां)। 2024 में खेले जाने वाले टी20 विश्वकप को लेकर पूर्व कोच रवि शास्त्री ने बड़ी भविष्यवाणी की है। पूर्व क्रिकेटर अगले साल होने वाले विश्वकप में टीम इंडिया में बड़े बदलाव की उम्मीद जता रहे हैं। 2022 वर्ल्ड कप के बाद से ही रोहित शर्मा ने एक भी अंतर्राष्ट्रीय टी20 मैच नहीं खेला है। उनकी जगह हार्दिक पांड्या ने कमान संभाली है। ऐसे में पूर्व कोच रवि शास्त्री ने अगले विश्वकप में कप्तानी में बदलाव की आशंका जताई है।

क्या अगले विश्वकप में हार्दिक पांड्या करेंगे कप्तानी?

टी20 वर्ल्ड कप 2024 को लेकर ईएसपीएनक्रिकइंफो पर चर्चा करते हुए रवि शास्त्री ने हार्दिक पांड्या को कप्तान के रुप में चुना। उन्होंने कहा कि "कोई भी विश्व कप में अपनी जगह बना सकता है लेकिन मुझे लगता है कि टीम का नेतृत्व हार्दिक ही करेंगे। एकदिवसीय विश्व कप के बाद अगले दो विश्व कप टी20 के ही हैं। हार्दिक पहले ही (टी20 में) भारतीय टीम के कप्तान (स्टैंडबाय) हैं, इसलिए अगर वह फ़िट रहते हैं तो वह ही कप्तान रहेंगे।

उन्होंने ये भी कहा कि – 'मुझे लगता है कि चयनकर्ता अब नई दिशा में सोचेंगे। मौजूदा समय में हमारे सामने कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं। अगर पूरी तरह से टीम का कायाकल्प नहीं होता है तब भी हमें कुछ नए चेहरे तो ज़रूर दिखाई देंगे।"

2007 विश्वकप की कहानी दोहरा सकती है भारतीय टीम

रवि शास्त्री ने आगे कहा कि अब समय आ गया है जब भारत को एक बार फिर 2007 वाला रूट अपनाने की दरकार है। उस समय भी एमएस धोनी को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया और युवा खिलाड़ियों पर भरोसा दिखाया गया था और रिजल्ट सबके सामने है। उन्होंने कहा कि हार्दिक को आईपीएल में कप्तानी का अनुभव है और खिलाड़ियों के चयन में भी वो महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कौन सी टीम ने जड़े हैं सबसे ज्यादा सिक्स, देखें टॉप 5 की लिस्ट

खेल डेस्क, 15 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 में रनों की बारिश देखने को मिल रही है। इस सीजन में 59 मैचों के बाद मैचों के बाद 900 छक्के लग चुके हैं। सबसे ज्यादा छक्के केकेआर की टीम ने लगाए हैं, जबकि सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस टॉप पर हैं, उन्होंने 12 मैचों में 33 छक्के लगाए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स के युवा खिलाड़ी शिवम दुबे हैं, जिन्होंने 12 मैचों में 27 छक्के लगाए हैं।

सबसे ज्यादा छक्केलगाने वाले टॉप बल्लेबाज

33- फाफ डु प्लेसिस (आरसीबी)
28- ग्लेन मैक्सवेल ((आरसीबी)
27- शिवम दुबे (सीएसके)
26- यशस्वी जायवसाल (आरआर)
24- सूर्यकुमार यादव (एमआई)

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली टॉप 5 टीमें

114- कोलकाता नाइट राइडर्स
108- मुंबई इंडियंस
100- चेन्नई सुपर किंग्स
99- राजस्थान रॉयल्स
95- पंजाब किंग्स

केकेआर ने लगाए सबसे ज्यादा छक्के

अगर सबसे ज्यादा छक्के लाने वाली टीमों पर नजर डालें तो केकेआर टॉप पर है। इस टीम ने अब तक 114 छक्के लगाए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर सीएसके है, जिसने छक्कों का शतक लगाया है। वहीं तीसरे नंबर पर मुबई इंडियंस की टीम है, जिसने 100 छक्के लगाए हैं।

एफबीके गेम्स में हिस्सा लेंगे नीरज चोपड़ा

नीदरलैंड में 4 जून को होगा आयोजन

खेल डेस्क, 15 मई (एजेंसियां)। इस महीने की शुरुआत में सीजन का पहला खिताब जीतने वाले ओलंपिक चैंपियन जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 4 जून को नीदरलैंड के हेंगेलो में होने वाले फैनी ब्लैंकर्स-कोएन गेम्स में हिस्सा लेंगे। चोपड़ा ने 5 मई को 88.67 मीटर के थ्रो के साथ डायमंड लीग मीटिंग सीरीज का दोहा लेग जीता था। FBK गेम्स के आयोजकों ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कहा- "एक और ओलंपिक चैंपियन हेंगेलो आ रहा है! 89.94 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और एक ओलंपिक स्वर्ण पदक के साथ भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अपनी सीमाएं लांघ रहे हैं।"

फैनी ब्लैंकर्स-कोएन के नाम पर होते हैं एफबीके गेम्स

एफबीके गेम्स वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेवल मीट है। इसका नाम लंदन में 1948 के ओलंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने वाले डच ओलंपियन फैनी ब्लैंकर्स-कोएन पर पड़ा था। मौजूदा डायमंड लीग चैंपियन चोपड़ा एफबीके गेम्स में फिर से मौजूदा विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स का सामना करेंगे। दुनिया के शीर्ष दो जैवलिन थ्रोअर्स के बीच एक महीने में ये दूसरी भिड़ंत होगी। पीटर्स दोहा में 85.88 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे, जबकि ओलंपिक रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के जैकब वडलेज्च 88.63 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे।

तुर्की के एंटाल्या में प्रशिक्षण ले रहे हैं नीरज चोपड़ा

दोहा में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद पीटर्स ने कहा था कि उनकी अगली प्रतियोगिता हेंगेलो में होगी। पिछले साल चोपड़ा यूएसए में विश्व चैंपियनशिप में पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा तुर्की के एंटाल्या में प्रशिक्षण ले रहे हैं। वह 27 जून को चेक गणराज्य में एक और विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेवल मीट में ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक इवेंट में भी हिस्सा लेंगे।

पर्पल कैप की रेस में राशिद का जलवा

टॉप 5 में चार भारतीय गेंदबाज शामिल

खेल डेस्क, 15 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 में 59 मैच हो चुके हैं। इस लीग में अब तक भारतीय गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला है। पर्पल कैप की रेस में टॉप 5 में से 4 भारतीय गेंदबाज हैं। शानदार फॉर्म में चल रहे गुजरात टीम के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान 23 विकटों के साथ टॉप पर बने हुए हैं, जबकि दूसरे नंबर पर युजवेंद्र चहल हैं, जिन्होंने 12 मैचों में 21 विकेट निकाले हैं।

इस सीजन सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप 5 गेंदबाज

23- राशिद खान (जीटी), मैच 12, 21- युवजेंद्र चहल (आरआर), मैच 12, 19- पीयूष चावला (एमआई) मैच 12, 19- मोहम्मद शमी (जीटी) मैच 12, 12- तुषार पांडे (सीएसके), मैच 12

क्या है पर्पल कैप, यह किसे दी जाती है?

पर्पल कैप आईपीएल में दिया जाने वाला एक अवार्ड है। यह उस गेंदबाज को दिया जाता है, जो इंडियन प्रीमियर लीग के एक सीजन में सबसे अधिक विकेट लेता है। यह ऑरेंज कैप के समान है, जो एक सीजन में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है।

पिछली बार किसे दिया गई थी पर्पल कैप?

आईपीएल 2022 में पर्पल कैप पर भारतीय टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने कब्जा किया था। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए 27 विकेट लिए थे।

वर्ल्ड कप से पहले श्रीलंका दौरे पर वनडे सीरीज खेल सकता है पाकिस्तान

खेल डेस्क, 15 मई (एजेंसियां)। भारत में इस साल वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में खेला जा सकता है। इससे पहले कई टीमें तैयारियों में जुट गई हैं। इस बीच खबर है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने विश्व कप से पहले वनडे मैच खेलने की संभावना पर चर्चा की है। जुलाई में श्रीलंका का दौरा करने के लिए तैयार पाकिस्तान

पाकिस्तान दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए जुलाई में श्रीलंका का दौरा करने के लिए तैयार है। ये आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। इसी दौरान ये सीरीज खेली जा सकती है। हालांकि, दोनों बोर्ड टेस्ट मैचों को एकदिवसीय मैचों से बदल सकते हैं या इसके साथ 50 ओवर के मैच खेलने के विकल्प पर विचार कर सकते हैं।

एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर भी अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। पीसीबी पाकिस्तान के बाहर इस कार्यक्रम की मेजबानी करने का इच्छुक नहीं है।

पीसीबी की ओर से बताए गए हाइब्रिड मॉडल को भी कई देशों के स्वीकार करने की संभावना नहीं है। मीडिया से बात करते हुए सेठी ने कहा कि पाकिस्तान टीम के एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत जाने की संभावना कम है।

उन्होंने कहा- एशिया कप में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से भारत के इनकार के मामले में संभावना है कि पाकिस्तान सरकार विश्व कप में भाग लेने के लिए टीम को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दे। उन्होंने कहा- उन समस्याओं को हल करने के लिए एक बीच का रास्ता होना चाहिए।

सुदीरमन कप 2023 में भारतीय टीम की खराब शुरुआत

चीनी ताइपे ने 4-1 से हराया; तृषा-गायत्री की जोड़ी जीती

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन टीम को सुदीरमन कप 2023 के अपने पहले मुकाबले में चीनी ताइपे के खिलाफ 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप में अब तक एक भी पदक न जीत पाने वाली भारतीय टीम ने शुरुआती चारों मैच गंवा दिए। भारतीय टीम को मिक्स्ड डबल्स, मेंस सिंगल्स, विमेंस सिंगल्स और मेंस डबल्स में हार का समाना करना पड़ा। वहीं विमेंस डबल्स में तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने जीतकर भारत को 7 पॉइंट दिलाए। पहला मैच मिक्स्ड डबल्स का खेला गया। जिसमें अश्विनी पोनप्पा और के साई प्रतीक की भारतीय जोड़ी को होंग वेई और ली चिया सीन से हार का सामना करना पड़ा।

ताइपे जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को पहले गेम में 18-21 से हराया। भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी कर इसे 26-24, से जीत लिया। वहीं तीसरे गेम में ताइपे जोड़ी ने शुरुआत से बढ़त बना लिया और भारतीय जोड़ी को वापसी करने का मौका नहीं दिया। इस गेम को 21-6 से जीत लिया।

एचएस प्रणय लगातार दोनों गेम गंवाए

वहीं दूसरा मैच मेंस सिंगल्स का खेला गया। मेंस सिंगल्स मुकाबले में भी भारत के एचएस प्रणय को दुनिया के नंबर पांच चाउ टिएन चेन से हार का सामना करना पड़ा। चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन ने प्रणय को 21-19, 21-15 से हराया।

सिंधु ने भी गंवाया अपना मैच

तीसरा मैच विमेंस सिंगल्स का हुआ। इसमें पीवी सिंधु अपना मुकाबला पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 ताई जू से 21-14, 18-21 21-17 से हार गईं। सिंधु की ताई जू से यह 18वीं हार है। अब तक हुए 23 मुकाबले में ताई जू ही भारी पड़ी हैं। सिंधु को केवल 5 बार जीत मिली है।

सिंधु ने ताई जू से पहला गेम 14-21 से हारने के बाद दूसरे गेम में वापसी की और इसे 21-18 से जीत लिया। वहीं तीसरे गेम में ताई जू ने सिंधु को 21-17 से हराकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

एशियन चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाले सात्विक-चिराग भी डबल्स में हारे

चौथा मैच मेंस डबल्स का खेला गया। इसमें सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी को चीनी ताइपे की ली यांग और वांग ची-लिन से 21-13, 17-21, 21-18 हार का सामना करना पड़ा। पहला गेम लीयांग और वांग ची लीन की जोड़ी ने आसानी से 21-13 से जीत लिया। लेकिन दूसरे गेम में उन्हें भारतीय जोड़ी से चुनौती का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए वर्ल्ड नंबर 12 ली यांग और वांग ची लिन को 21-16 से हराया। वहीं तीसरा गेम चीनी ताइपे की जोड़ी ने 21-18 से जीत कर यह मैच जीत लिया।

तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने भारत को 7 पॉइंट दिलाए

आखिरी और पांचवां मैच विमेंस डबल्स के खेले गए। इस में तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने ली चिया सीन और टेंग चुन सुन जोड़ी को हरा कर भारत को 7 पॉइंट दिलाया।

पहले गेम में भारतीय जोड़ी को 21-15 से हार मिली। उसके बाद तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने वापसी करते हुए दूसरे गेम को 21-18 और तीसरे गेम को 21-13 से जीत कर भारत को पहली जीत दिलाई।

पांच कैटेगिरी में खेला जाता है सुदीरमन कप

सुदीरमन कप पांच कैटेगिरी में होता है। इसमें विमेंस सिंगल्स, मेंस सिंगल्स, विमेंस डबल्स, मेंस डबल्स और मिक्सड डबल्स के कैटेगिरी मे मैच होते हैं। सबसे ज्यादा कैटेगिरी जीतने वाली टीम विजेता होती है।

कितनी टीमों ने किया है क्वालिफाई

सुदीरमन कप के 18वें एडिशन के लिए इस बार 16 टीमों ने क्वलिफाई की है। 16 टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत ग्रुप सी में है। इस ग्रुप में मलेशिया, चीनी ताइपे और ऑस्ट्रेलिया है। वहीं ग्रुप ए में डिफेंडिंग चैंपियन चीन, डेनमार्क, सिंगापुर और मिस्र है। जबकि ग्रुप बी इंडोनेशिया, थाईलैंड, जर्मनी और कनाडा की टीम शामिल है। वहीं ग्रुप डी में जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस और इंग्लैंड शामिल हैं।

प्रत्येक ग्रुप की टॉप टीमें पहुंचेगी क्वार्टर फाइनल में

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी जो 19 मई को होगा। सेमीफाइनल 20 मई को खेला जाएगा और फाइनल 21 मई को होगा। भारत ने पिछले महीने दुबई में हुए एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इसके लिए क्वालिफाई किया है।

सुदीरमन कप में भारत क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सका है

सुदीरमन कप में भारत क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सका है। भारत दो बार 2011 और 2017 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। पिछली बार तो भारत नॉकआउट चरण में भी नहीं पहुंच पाया था।

चीन ने सबसे ज्यादा बार जीता है खिताब

इस प्रतियोगिता में अभी तक चीन का दबदबा रहा है। चीन 12 बार खिताब अपने नाम कर चुकी है। जबकि साउथ कोरिया 4 बार जीतने में सफल हुई हैं। वहीं एक बार खिताब पर इंडोनेशिया ने कब्जा जमाया है।

आईपीएल 2023 ऑरेंज कैप: टॉप 5 में हुए सूर्यकुमार यादव की धमाकेदार एंट्री, देखें कौन हैं नंबर 1

खेल डेस्क, 15 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 का सीजन अब अंतिम पड़ाव की ओर है। इस लीग के 59 मुकाबले 2023 ऑरेंज कैप : टॉप 5 में हुए सूर्यकुमार यादव की धमाकेदार एंट्री, देखें कौन हैं नंबर 1

आईपीएल 2023 का सीजन अब अंतिम पड़ाव की ओर है। इस लीग के 59 मुकाबले हो गए हैं। 59 मैचों के बाद ऑरेंज कैप की रेस में आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस 578 रनों के साथ टॉप पर बने हुए हैं। उन्होंने इस सीजन के 12 मैचों में 578 रन बनाए हैं। सबसे ज्यादा रन बनाने की लिस्ट में राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल हैं, जो 13 मैचों में 575 रन बना चुके हैं। इस लिस्ट में मुंबई के स्टार खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव ने भी एंट्री मारी है।

ऑरेंज कैप की रेस में शामिल हैं टॉप 5 बल्लेबाज

578-रन, फॉफ डुप्लेसिस (आरसीबी), मैच 12, 575 रन, यशस्वी जायसवाल (आरआर) मैच 13, 479 रन, सूर्यकुमार यादव (एमआई) मैच 12, 475 रन, शुभमन गिल (जीटी) मैच 13, 468 रन, डेवोन कॉन्वे (सीएसके) मैच 12

पिछले सीजन किसे मिला था ऑरेंज कैप

पिछले सीजन राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर ने ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। बटलर ने 17 मुकाबलों में 149.05 की स्ट्राइक रेट से 863 रन बनाए थे। उन्होंने 4 शतक और चार अर्धशतक लगाए थे। इस बार भी अगर बटलर अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो वो ऑरेंज कैप के हकदार बन सकते हैं। हालांकि देखना दिलचस्प होगा कि इस बार कौन कब्जा जमाता है।

क्या है ऑरेंज कैप और किसे दिया जाता है?

ऑरेंज कैप आईपीएल में दिया जाने वाले एक अवार्ड है। यह उस खिलाड़ी को दिया जाता है तो पूरे सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाता है। सबसे पहले ये पुरस्कार Shaun Marsh ने जीता था, जो साल 2008 में किंग्स इलेवन पंजाब की तरफ से खेले थे।

वर्ल्ड कप में कौन करेगा पाकिस्तान की कप्तानी?

नजम सेठी ने साफ-साफ बता दिया

खेल डेस्क, 15 मई (एजेंसियां)। वनडे विश्वकप 2023 में पाकिस्तान टीम की कप्तानी को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। बाबर आजम को कप्तानी मिलेगी या नहीं? इस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ नजम सेठी ने बड़ी प्रतिक्रिया दी है। एक इंटरव्यू में नजम सेठी ने साफ कहा कि 'जब हम कुछ मुकाबले हारे थे तब पाकिस्तानी मीडिया में बाबर आजम की कप्तानी को लेकर सवाल उठा था लेकिन मैंने ये क्लियर कर दिया है कि वर्ल्ड कप तक बाबर आजम ही कप्तानी करेंगे।

दरअसल, पिछले दिनों पाकिस्तान टीम को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद बाबर आजम की कप्तानी की जमकर आलोचना हुई थी और उन्हें कप्तानी से हटाने की मांग भी उठी थी। हालांकि इसके बाद पाकिस्तान की टीम ने बाबर के नेतृत्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में जबरदस्त जीत हासिल की है।

बाबर आजम वर्ल्ड कप तक कप्तान बने रहेंगे – नजम सेठी

वनडे विश्वकप 2023 में बाबर आजम की कप्तानी पर नजम सेठी का कहना है कि विश्वकप तक बाबर आजम को कप्तानी से कोई नहीं हटा सकता। एक स्पोर्ट्स वेबसाइटस को दिए इंटरव्यू में नजम सेठी ने कहा कि 'बाबर आजम की कप्तानी को लेकर पाकिस्तानी मीडिया में तब सवाल खड़े हुए थे जब हम इंग्लैंड और न्यूजीलैंड से चार मैच लगातार हार गए थे।'

अब बाबर के बारे में बातें बंद हो गई हैं

नजम सेठी ने आगे कहा कि 'जाहिर है उस वक्त लोगों ने बाबर आजम के कप्तानी की आलोचना की थी। लेकिन अब आप देख लीजिए की न्यूजीलैंड के खिलाफ हमने वनडे और टी20 सीरीज दोनों ही काफी बेहतरीन तरीके से जीत लिया है। अब बाबर के बारे में बातें बंद हो गई हैं।'

केन्द्र व राज्य के कृषि मंत्रियों ने जी-20 अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन को लेकर की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ 15-17 जून के बीच हैदराबाद में होने वाले जी-20 अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की पूर्व व्यवस्थाओं पर माधापुर एचआईसीसी में आयोजित समीक्षा में भाग लिया।

हैदराबाद के ऐतिहासिक शहर जी-20 शिखर सम्मेलन के माध्यम से तेलंगाना के साथ भारत की विशिष्टता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करें। कृषि क्षेत्र में तेलंगाना की अग्रणी स्थिति की पृष्ठभूमि में यहां सम्मेलन हो रहा है। इस अवसर पर कृषि मंत्री निरंजन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना देश में खाद्य उत्पादों में अग्रणी हैदराबाद में जी-20 सम्मेलन की व्यवस्था में पीछे नहीं रहेगा।

राज्य सरकार केंद्र को हर तरह से सहयोग करेगी और सुविधाएं, विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत, सुविधाओं की व्यवस्था के उपाय, तेलंगाना की संस्कृति, परंपरा, कला का परिचय दें। हम हैदराबाद शहर में सम्मेलन आयोजित करने की ऐतिहासिक विशिष्टता को दिखाएंगे। आशा है कि सम्मेलन दुनिया के देशों को गहन विचार-विमर्श के साथ दिशा देगा। तेलंगाना में इस सम्मेलन को आयोजित करना गर्व की बात है, जो कृषि क्षेत्र में सबसे आगे है। इसी क्रम में समर्थक नीतियों का पालन करना हर राज्य के लिए अनिवार्य हो जाएगा केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि और संबद्ध अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए विस्तार शैक्षिक संस्थान में एक नए सभागार का उद्घाटन किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कृषि की जरूरतें अनुसंधान एवं विस्तार क्षेत्रों को प्राथमिकता देने के लिए कृषि निवेश पर ध्यान दिया जाना चाहिए। यह केंद्र पांच राज्यों को सेवाएं प्रदान करता है। इसके लिए केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सभी उपलब्ध तकनीकों का उपयोग करके राज्य के कृषि मंत्री की टिप्पणियों का समर्थन किया। इस अवसर पर राज्य के कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी, केंद्रीय कृषि सचिव मनोज आहूजा, राज्य के कृषि सचिव, वीसी रघुनंदन राव, विस्तार निदेशक डॉ सुधारानी, ईईआई निदेशक जगनमोहन रेड्डी आदि उपस्थित रहे।

बीजेपी और जन सेना पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन बरकरार : जीवीएल

विशाखापत्तनम, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सदस्य जीवीएल नरसिम्हा राव ने कहा कि राज्य मेंभाजपाऔर जन सेना पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन मौजूद है और आम चुनाव तक जारी रहेगा।

यहां संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी आलाकमान जेएसपी अध्यक्ष और फिल्म स्टार पवन कल्याण के नए प्रस्ताव पर विचार करेगा कि बीजेपी-जेएसपी-तेलुगु देशम पार्टी गठबंधन को चुनाव लड़ना चाहिए ताकि आंध्र प्रदेश में यह सुनिश्चित किया जा सके कि विपक्षी वोट विभाजित न हो। कर्नाटक विधानसभा चुनावों के नतीजों पर, जिसमें कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया था, नरसिम्हा राव ने कहा कि पार्टी तेलंगाना विधानसभा चुनावों पर उम्मीदें लगा रही है जो चार महीने में होने वाले हैं।

दैनिक आधार पर कार्यों की प्रगति की निगरानी करें अधिकारी : अरुण जैन

स्टेशन उन्नयन कार्यों की सुरक्षा और प्रगति पर समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख विभागों के प्रमुखों के साथ ट्रेन संचालन की सुरक्षा और रेलवे स्टेशनों के प्रमुख उन्नयन पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की। सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। श्री जैन ने जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने मुख्य रूप से कार्य प्रक्रियाओं पर देर से कार्रवाई के कारण समपार फाटकों पर रोके जाने वाली ट्रेनों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके कारण ट्रेन संचालन की गति कम हो गई। उन्होंने अधिकारियों को समपार फाटकों के संचालन में लगने वाले समय को कम करने और समपार फाटकों पर अनुमेय गति को बनाए रखने के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने गुड्स शेड्स के संचालन और कार्यों की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी प्रमुख स्टेशनों पर लिफ्ट/एस्केलेटर के कार्य की भी समीक्षा की, क्योंकि इस विषय में नियमित रूप से सबसे अधिक शिकायतें आ रही हैं. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लिफ्ट और एस्केलेटर की कार्यप्रणाली पर रियल टाइम बेसिस पर नजर रखने के लिए एक सिस्टम बनाया जाए। महाप्रबंधक ने सिकंदराबाद, नेल्लोर और तिरुपति में स्टेशन उन्नयन कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा भी की. उन्होंने तीन स्टेशनों पर कार्यों की भौतिक प्रगति और वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को दैनिक आधार पर कार्यों की प्रगति की निगरानी करने के निर्देश दिए ताकि परियोजनाओं को निर्धारित लक्ष्य तिथियों में पूरा करने की आवश्यकता हो। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लिंगमपल्ली, काचीगुडा, राजमुंदरी, गुडुर, नांदेड़, विजयवाड़ा और हैदराबाद स्टेशनों के तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन की भी समीक्षा की। श्री जैन ने 17 मई से 16 कोचों की संशोधित संरचना के साथ बढ़ाई जा रही सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की रखरखाव सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने दोहरीकरण, ट्रिपल लाइन, विद्युतीकरण सहित विभिन्न चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

और स्टेशन पुनर्विकास पूरे क्षेत्र में काम करता है। उन्होंने अधिकारियों को उचित योजना और कार्यों के निष्पादन को सुनिश्चित करके सभी ट्रैक वृद्धि कार्यों की कड़ाई से निगरानी करने की सलाह दी ताकि ट्रेनों को अनुमेय गति से चलाया जा सके।

तेलुगु राज्यों में आग उगल रहा है सूर्य त्राहि-त्राहि कर रहे हैं लोग

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से दो तेलुगु भाषी राज्यों-तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पारा लगातार चढ़ रहा है। आंध्र प्रदेश के तटीय आंध्र और रायलसीमा क्षेत्रों ने उन्हें आग की भट्टी में बदल दिया है। अमरावती मौसम केंद्र ने कहा है कि राज्य में दिन के समय तापमान 4 से 6 डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है और पिछले कुछ दिनों से राज्य के लगभग सभी क्षेत्रों में तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक दर्ज किया गया है। केंद्र ने आगे कहा कि देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों से चल रही गर्म हवाएं दिन के तापमान में अचानक वृद्धि के लिए जिम्मेदार हैं। राज्य के कुछ स्थानों पर दिन का अधिकतम तापमान पहले ही 46 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है।

प्रकाशम जिले के तुरलापडु में 46.05 डिग्री सेंटीग्रेड, कृष्णा जिले में 45.98 डिग्री सेंटीग्रेड, प्रकाशम जिले के मद्दीपाडु में 45.96 डिग्री सेल्सियस, गुंटूर जिले के पोन्नूर में 45.84 डिग्री सेंटीग्रेड, पालनाडु जिले के नरसरावपेटा में 45.79 डिग्री सेंटीग्रेड, एलुरु जिले के अरिगिपल्ली में 45.7 डिग्री की सूचना दी गई है। डिग्री सेंटीग्रेड, राजमुंदरी में 45.46 डिग्री सेंटीग्रेड, पूर्वी गोदावरी जिले में 45.3 डिग्री सेंटीग्रेड, बापटला में 45.16 डिग्री सेंटीग्रेड, काकिंडा में 45.12 डिग्री सेंटीग्रेड, गुंटूर में 45.07 डिग्री सेंटीग्रेड, कोनासीमा में 4.501 डिग्री सेंटीग्रेड, कुरीचेडु में 45 डिग्री सेंटीग्रेड, नंद्याला में 44.91 डिग्री सेंटीग्रेड, विजिया दर्ज किया गया। नगरम 44.79 डिग्री सेंटीग्रेड, दगिराला 44.76 डिग्री सेंटीग्रेड, एनटीआर जिले के इब्राहिमपटनम में 44.52 डिग्री सेंटीग्रेड, तिरुपति में 44.31 डिग्री सेंटीग्रेड, विजयवाड़ा में 44.21 डिग्री सेंटीग्रेड, नेल्लोर में 44.18 डिग्री सेंटीग्रेड और मंगलगिरी में 44.15 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान दर्ज किया गया।

वहीं, उत्तर तेलंगाना के जिलों में तापमान 42 से 44 डिग्री सेंटीग्रेड दर्ज किया गया है। हैदराबाद मौसम केंद्र के अधिकारियों ने कहा है कि राज्य की राजधानी और उसके आसपास स्थित क्षेत्रों में मंगलवार से तापमान 38 डिग्री से 41 डिग्री सेंटीग्रेड दर्ज किया जाएगा। अधिकारियों ने राज्य के निवासियों से कहा है कि जब तक कोई आवश्यकता या अत्यावश्यकता न हो, वे अपने घरों से बाहर न निकलें। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में अगले तीन दिनों में मौसम शुष्क रहेगा।

रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधा बढ़ाने का अथक प्रयास जारी : अश्विनी वैष्णव

रेलमंत्री ने 'भारतीय रेलवे पर स्टेशनों पर मानक संकेत' पर पुस्तिका जारी की

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे के 17 जोन और 68 मंडलों में 7300 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न प्रकार के साइनेज हैं। स्टेशनों के नामों का प्रदर्शन अब पूरे देश में एक ही मानक पर होगा। भारतीय रेलवे स्टेशनों पर आधुनिक, मानक साइनेज अपनाएगा जो दिव्यांगों के अनुकूल होंगे।

भारतीय रेल देशभर में रेलवे स्टेशनों का विकास कर नए भारत की नई पहचान बना रही है। भारतीय रेलवे अब 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत पूरे भारत में 1275 स्टेशनों का पुनर्विकास कर रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेल भवन, नई दिल्ली में भारतीय रेलवे के स्टेशनों पर मानक संकेतों पर एक पुस्तिका जारी की। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ अनिल कुमार लाहोटी, रेलवे बोर्ड के सदस्य भी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे और जोनल रेलवे के महाप्रबंधक भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, अश्विनी वैष्णव ने कहा, जैसा कि आप सभी जानते हैं, प्रधान मंत्री के नेतृत्व में, भारतीय रेलवे रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधा को बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। यह महसूस किया गया कि स्टेशनों पर संकेतकों पर मानक दिशानिर्देश जारी किए जाएं जो सुसंगत और पर्याप्त होंगे। आज मुझे भारतीय रेलवे के स्टेशनों पर मानक साइनेज पर पुस्तिका जारी करते हुए खुशी हो रही है। भारतीय रेलवे आधुनिक, मानक संकेतों को अपनाएगा जो दिव्यांगों के अनुकूल हैं। किसी भी अन्य रेल नेटवर्क की तुलना में भारतीय रेलवे के पास दुनिया में सबसे ज्यादा स्टेशन हैं। यह महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक यात्री को मानक साइनेज होने से सुविधाएं आसानी से मिलनी चाहिए।

स्टेशनों पर मानक साइनेज पर बुकलेट सरल भाषा, स्पष्ट फ़ॉन्ट, आसानी से दिखने वाले रंगों, सहज चित्रलेखों को प्राथमिकता देती है। इसे सभी यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है, जिनमें बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांगजन आदि शामिल हैं। साइनेज के रंग, फोंट के प्रकार और आकार को मानकीकृत किया गया है। तेजी से रास्ता खोजने के लिए संकेतों के समूहीकरण की अवधारणा को पेश किया गया है। तिरंगे पृष्ठभूमि के साथ स्टेशन के नाम प्रदर्शित करने वाले नए तृतीयक बोर्ड पेश किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य निर्णय लेने वाले बिंदुओं पर सहज ज्ञान युक्त रास्ता खोजने और साइनेज की उपलब्धता पर जोर दिया गया है। जबकि संकेतों के मानकीकरण पर जोर दिया गया है, मजबूत वास्तु शब्दावली वाले स्टेशनों के मामले में लचीलेपन की आवश्यकता को भी मान्यता दी गई है। रेल मंत्रालय ने 'अमृत भारत स्टेशन' योजना नाम से स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए एक नई नीति तैयार की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। यह स्टेशन की जरूरतों और संरक्षण के अनुसार दीर्घकालिक मास्टर प्लान और मास्टर प्लान के तत्वों के कार्यान्वयन पर आधारित है। यह योजना मुख्य रूप से सुरक्षित, आरामदायक और स्वच्छ रेलवे परिसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

तीन रेलवे स्टेशनों अर्थात रानी कमलापति, गांधीनगर कैपिटल और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल को चालू कर दिया गया है। इन तीन स्टेशनों के अनुभव के आधार पर, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चुने गए 1275 स्टेशनों में प्रमुख शहरों और पर्यटन और तीर्थ महत्व के स्थानों में स्थित स्टेशन शामिल हैं। 88 स्टेशनों पर काम चल रहा है।

वाईएस शर्मिला ने एसआईटी जांच की निंदा की

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी की संस्थापक-अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज सनसनीखेज टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में चल रही जांच पर अपने ही अंदाज में प्रतिक्रिया दी। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शर्मिला ने मजाक उड़ाया कि ऐसा लगता है कि एसआईटी की जांच प्रगति भवन की पेशी और राज्य मंत्री केटीआर के निर्देशन में ठंडे बस्ते में डाल दी गई है। उन्होंने कहा कि लीक के मास्टरमाइंड बाहर भोले-भाले घूम रहे हैं, जबकि मामले के आरोपी जमानत पर बाहर हैं। पेपर लीक मामले को सबसे बड़ा घोटाला करार देते हुए उन्होंने कहा कि 30 लाख लोगों के जीवन को हिलाकर रख दिया है, उन्होंने कहा कि घोटाले ने टीएसपीएससी को हिला नहीं दिया था। उसने आरोप लगाया कि यह घोटाला आईटी विभाग की विफलता और केटीआर की लापरवाही के कारण हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं ने लीक मामले को चुपचाप सुलझा लिया था क्योंकि उन्हें डर था कि अगर मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया गया तो उनका पर्दाफाश हो जाएगा। उसने आलोचना की कि वही पुराना आयोग सभी रद्द परीक्षाओं को आयोजित कर रहा था, जबकि राज्य सरकार से पूछ रहा था कि क्या गारंटी है कि आयोग संशोधित तारीखों पर परीक्षा आयोजित करके फिर से प्रश्नपत्रों को लीक नहीं करेगा और बेचेगा।

तम्मिनेनी ने सीएम से किया विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों को नियमित करने का आग्रह

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम पार्टी के राज्य सचिव तम्मिननेनी वीरभद्रम ने आज मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को एक खुला पत्र लिखा और राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत सभी संविदा शिक्षकों की सेवाओं को नियमित करने का आग्रह किया। वीरभद्रम ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य के 12 विश्वविद्यालयों में 2100 रिक्तियां हैं, लेकिन पिछले 25 वर्षों से केवल 1335 संकाय सदस्य संविदा शिक्षकों के रूप में कार्यरत हैं.

लॉरी ने बाइक को कुचला, सरपंच की मौत

आदिलाबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद ग्रामीण मंडल के रामपुर गांव में सोमवार को एक लॉरी ने एक दुपहिया वाहन को कुचल दिया, जिससे 60 वर्षीय एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। आदिलाबाद ग्रामीण सब-इंस्पेक्टर नागनाथ ने कहा कि रामपुर के बाहरी इलाके में लॉरी ने मोटरबाइक को टक्कर मार दी, जिससे थम्सी मंडल के पोन्नारी गांव के सरपंच चिंतलपल्ली संजीव रेड्डी की मौके पर ही मौत हो गई। रेड्डी के बेटे की शिकायत के आधार पर लॉरी के चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इस बीच, थलमदुगु मंडल के खोदड गांव में एक लॉरी और ऑटो रिक्शा की टक्कर में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें आदिलाबाद शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई गई है।

अवैध सायरन, मल्टी-टोन हॉर्न के खिलाफ पुलिस का अभियान तेज

साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने पिछले 8 दिनों में दर्ज किए 1050 केस

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस टिंटेड ग्लास ब्लैक फिल्म और मल्टीटोन्ड हॉर्न व सायरन वाली कारों पर नकेल कसने के लिए कमर कस रही है। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा 7 मई से 14 मई तक एक विशेष अभियान चलाया गया।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) के नारायण नाइक ने कहा कि टिंटेड ग्लास ब्लैक फिल्म के साथ उल्लंघन आपराधिक गतिविधियों के लिए अग्रणी है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय और केंद्रीय मोटर वाहन नियम 100 के अनुसार, वाहन मालिकों को विंडस्क्रीन और पीछे की खिड़की के लिए प्रकाश का दृश्य संचरण सुनिश्चित करना चाहिए। सड़क परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के अनुसार, काली फिल्में पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं। ट्रैफिक पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने और फिल्म को शीशे से हटाने के लिए 1,000 रुपये का चालान काट रही है।

टिंटेड ग्लास आमतौर पर साइड और रियर व्यू को ब्लॉक कर देते हैं जिससे दुर्घटना हो सकती है। कुछ कार मालिक सनशेड और पर्दे का भी उपयोग कर रहे हैं और कुछ हाई-एंड कारों में काली स्क्रीन बनाने की सुविधा है। रंग वाली खिड़कियों के खिलाफ लोगों में जागरूकता की कमी है। कार की सजावट और सहायक दुकान के मालिक कार मालिकों को यह कहकर अवैध रूप से काली फिल्म लगा रहे हैं कि यह 'आरटीए अनुमोदित' है।" पुलिस आयुक्त, साइबराबाद स्टीफन रवींद्र के निर्देश के पर संयुक्त पुलिस ऑयुक्त (यातायात) के. नारायण नाइक ने अपने अधिकारियों से साइबराबाद की सीमा में सायरन के अवैध उपयोग के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिया। पुलिस को अनाधिकृत सायरन बजाने वाले सभी वाहनों को रोकने का निर्देश दिया गया है। इसलिए, सायरन का कोई भी अन्य उपयोग अवैध है, और पुलिस कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

कमिश्नर के आदेश, साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक डीसीपी-I हर्षवर्धन, ट्रैफिक डीसीपी- II डीवी श्रीनिवास राव की देखरेख में शहर में एक अभियान चलाया और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया। रंगीन शीशे व काली फिल्म, सायरन व बहु-रंग वाले हॉर्न लगे वाहनों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने पिछले 8 दिनों में 1050 मामले दर्ज किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वाहन मालिक ट्रैफिक क्लीयरेंस के लिए साथी मोटर चालकों को सतर्क करने के इरादे से सायरन बजा रहे हैं और जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है।

राज्य सरकार ने पुलिस विभाग में अग्रणी पहल शुरू की : महमूद अली

गृह मंत्री ने दो नए भवनों का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने सोमवार को यहां दक्षिण पश्चिम क्षेत्र के हुमायूं नगर पुलिस थाने और कुलसुमपुरा पुलिस स्टेशनों के लिए दो नए भवनों का उद्घाटन किया। हुमायूं नगर पीएस जी+4 संरचना के रूप में सामने आया और कुसलमपुरा पीएस में 3 मंजिलें हैं। दोनों स्टेशनों को एक आगंतुक लाउंज, रिसेप्शन डेस्क, अधिकारियों के लिए कई केबिन, सीसीटीवी देखने के केंद्र, मीटिंग रूम और पर्याप्त पार्किंग सुविधा के साथ डिजाइन किया गया है। गणमान्य लोगों ने सुविधाओं का निरीक्षण किया और कर्मचारियों के साथ बातचीत की। उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए गृह मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पुलिस विभाग में अग्रणी पहल शुरू की है। उन्होंने कहा कि पुलिस स्टेशनों के लिए मासिक रखरखाव बजट, 10 लाख सीसीटीवी फीड की निगरानी के लिए टीएसपीआईसीसीसी में बेहतर व्यवस्था, अत्याधुनिक तकनीक, विशाल गश्ती बेड़े पुलिस विभाग में कुछ प्रमुख बदलाव हुए बै। उन्होंने कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में कड़े अनुशासन का पालन करने के लिए शहर के पुलिस अधिकारियों और सीपी आनंद की सराहना की। डीजीपी अंजनी कुमार ने कहा कि तेलंगाना में आर्थिक विकास के साथ-साथ एलएंडओ, शांति, महिला सुरक्षा और अपराध नियंत्रण उपायों ने देश का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा कि एक अच्छे समाज के निर्माण में जनता की समान भूमिका होती है। "हमारा हस्तक्षेप तब शुरू होता है जब कोई कानून का उल्लंघन करता है। लेकिन माता-पिता को युवाओं को सलाह देनी चाहिए अगर वे देखते हैं कि वे रास्ते से हट रहे है।" शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने तेलंगाना के गठन के बाद से पुलिस विभाग में बुनियादी ढांचे में बदलाव को फिर से देखा और सुरक्षित शहर का टैग बरकरार रखने के लिए कर्मचारी अधिकारियों को प्रभावी ढंग से पुलिस सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। "अपने कर्तव्यों का इस तरह से पालन करें कि अपराधियों को पुलिस से डरना चाहिए और आम जनता का बहुमत हमारे पास आए और हम पर भरोसा करे।" उन्होंने कहा कि जनसंख्या में हालिया वृद्धि को ध्यान में रखते हुए और भविष्य में पुलिसिंग की जरूरतों को पूरा करने के लिए, राज्य सरकार ने शहर पुलिस आयुक्तालय का पुनर्गठन किया है। उन्होंने दानदाताओं, पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के अधिकारियों और अन्य जनप्रतिनिधियों को पीएस में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने में अपना समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास, विधायक जाफर हुसैन मेराज, कौसर मोहिउद्दीन, एमएस प्रभाकर राव एमएलसी, के दामोदर अध्यक्ष पुलिस हाउसिंग बोर्ड, विक्रम सिंह मान अतिरिक्त सीपी एल एंड ओ, जी.सुधीर बाबू अतिरिक्त सीपी यातायात सीपी आदि अधिकारी मौजूद रहे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.